शेखावाटी विवि ने एसोसिएट व असिस्टेंट प्रोफेसर के 25 पदों पर भर्तियां निकाली

26 मई से विवि की वेबसाइट पर कर सकेंगे आवेदन, 25 जून है अंतिम तिथि

भास्कर न्यूज | सीकर/झुंझुनूं

शेखावाटी विश्वविद्यालय ने बुधवार को शैक्षणिक पदों पर भर्तियां निकाल दी है। विश्वविद्यालय एसोसिएट प्रोफेसर के 10 पदों और असिस्टेंट प्रोफेसर के 15 पदों पर भर्ती करेगा। वेबसाइट www.shekhauni.ac.in पर 26 मई से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 25 जून तक है। राज्य सरकार ने नए खुले तीन विवि को पांच विभाग खोलने के निर्देश दिए थे। इसके लिए राज्य सरकार ने 30 शैक्षणिक पद स्वीकृत हुए थे। इनमें से 25 पदों पर भी भर्ती करने की अनुमति दी मिली है। प्रोफेसर्स के पांच पदों की भर्ती सरकार से अनुमति मिलने पर की जाएगी। शेखावाटी विवि में कुल 53 अशैक्षणिक पद स्वीकृत हैं। सरकार ने इनमें से अभी 23 पदों पर भर्ती करने की अनुमति दी है। जल्द ही विज्ञापन जारी होगा। पांच विभागों में से हर विभाग में 2-2 सह प्रोफेसर और 3-3 सहायक प्रोफेसर के 25 स्वीकृत पदों पर भर्ती की जाएगी।

इधर, आरपीएफ, आरपीएसएफ के कांस्टेबल व एसआई के 9737 पदों पर भर्ती होगी

झुंझुनूं| आरपीएफ व आरपीएसएफ में कांस्टेबल व सब इंस्पेक्टर के 9737 पदों पर भर्ती होगी। जून में आवेदन मांगे जाने की उम्मीद है। 50 प्रतिशत पद महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रखे जाएंगे। भर्ती के लिए उम्मीदवार की आयु न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 25 वर्ष होनी चाहिए। कांस्टेबल के लिए योग्यता 10वीं व 12वीं होगी। एसआई पद के लिए योग्यता स्नातक होगी।

कांस्टेबल के 13179 पदों पर भर्ती, मेवाड़ भील कोर के 623 पद बाद में भरे जाएंगे

पॉलिटिकल रिपोर्टर.जयपुर

Education news group

राजस्थान पुलिस में फिलहाल 13179 पदों पर ही भर्ती होगी। पद घटाए नहीं गए हैं। बल्कि, 110 पद स्पोर्ट्स कोटे के लिए रिजर्व रखे गए हैं। वहीं, मेवाड़ भील कोर के लिए प्रस्तावित 623 कांस्टेबलों के पदों पर भर्ती बाद में अलग से किए जाने का निर्णय किया है। कांस्टेबलों की अधिकतम आयु सीमा में चार साल की छूट को भी मंजूरी मिल गई है। पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती को लेकर राज्य सरकार से संबंधित सभी मसलों का निस्तारण कर दिया गया है। अब पुलिस मुख्यालय को आवेदन और परीक्षा की तिथियां निर्धारित करनी है।

गृह विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री ने इस साल बजट में 8412 पदों के लिए भर्ती की घोषणा की थी। इसमें बांसवाड़ा में स्थापित की जाने वाली नई मेवाड़ भील कोर के पद भी शामिल थे। गृह विभाग का कहना है कि एमबीसी में 623 पदों के लिए भर्ती टीएसपी क्षेत्र से ही होनी है। इसके लिए नियमों में बदलाव किया जाना है। इसलिए, इन पदों पर बाद भी भर्ती की जाएगी। पिछले बजट में घोषित 5500 पदों में से खिलाड़ियों के लिए आरक्षित 110 पदों पर भर्ती अलग से करवाई जाएगी। इसलिए, इस बजट के 7789 और पिछले बजट के 5390 पदों पर ही भर्ती की जाएगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में दिशा-निर्देश पुलिस मुख्यालय को भिजवा दिए हैं। कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन ऑफलाइन होगा। परीक्षा के आयोजन सहित अन्य खर्चों को लेकर पुलिस मुख्यालय ने राज्य सरकार से 71 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट मांगा है। इसको लेकर वित्त एवं गृह विभाग के अधिकारियों के बीच गुरुवार को बैठक हो सकती है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
दीक्षान्त समारोह
दिनांक - 24 मई, 2018
स्थान - सभागार, बोर्ड परिसर, अजमेर।
कार्यक्रमः- गुरुवार, 24 मई, 2018, समय प्रातः 11.15 बजे
बोर्ड परीक्षाओं में स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त छात्र / छात्राओं एवं राज्य / मण्डल स्तरीय श्रेष्ठ विद्यालयों के सम्मानार्थ आयोजित समारोह।

एसएससी पेपर लीक कांड में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की, सिफी के 10 कर्मियों सहित 17 लोग आरोपी

एजेंसी | नई दिल्ली

एसएससी ग्रेजुएट लेवल का पेपर लीक होने के मामले में सीबीआई ने 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से 10 आरोपी सिफी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारी हैं। परीक्षा में बैठने वाले सात छात्र भी आरोपी बनाए गए हैं।

सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में 12 ठिकानों पर छापे मारे गए थे। सिफी के चेन्नई, नोएडा, मुंबई और ओखला स्थित दफ्तरों में छानबीन की गई थी। दिल्ली के शेख सराय में सिफी के कर्मचारी संत प्रसाद गुप्ता के घर पर भी छापा मारा गया था। संत सिफी में प्रश्न बैंक का संरक्षक था। आरोपी बनाए गए सिफी के नौ अन्य कर्मचारी सात परीक्षा केंद्रों (लैब्स) में साइट मैनेजर थे। उल्लेखनीय है कि एसएससी की ग्रेजुएट लेवल परीक्षा का पहला चरण पिछले साल अगस्त में हुआ था। दूसरा चरण इस साल 17 और 22 फरवरी को हुआ। कम्बाइंड ग्रेजुएट लेवल (टीयर-2) की क्वांटेटिव एबिलिटी की परीक्षा 21 फरवरी को सुबह 10.30 बजे होनी थी, लेकिन प्रश्न-पत्र और आंसर-की के स्क्रीन शॉट 10.10 बजे ही सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो गए थे। एसएससी मुख्यालय पर छात्रों के काफी दिन तक धरने-प्रदर्शन के बाद जांच सीबीआई को सौंपी गई थी।

लीक पेपर का पैटर्न पहचानकर आरोपियों तक पहुंची सीबीआई

सीबीआई के अनुसार प्रश्न-पत्रों में एक खास पैटर्न था। हर परीक्षा केंद्र (लैब) में परीक्षार्थियों के सामने एक खास सीक्वेंस में ही प्रश्न आने थे। लीक हुए पेपर के पैटर्न के आधार पर सीबीआई ने ऐसे सात छात्र चिह्नित किए, जिन तक इसी पैटर्न में सवाल पहुंचे होंगे। अधिकारियों ने कहा कि अभी इन्हें आरोपी बनाया गया है। अपराध में उनकी भागीदारी जांच आगे बढ़ने पर तय की जाएगी।

खबरें फटाफट

देश

- लुधियाना : गत्ता कारखाने में आग लगी
- चंडीगढ़ : सब्जियों और फलों में रसायनों का इस्तेमाल करने वालों पर होगी कार्रवाई: विज
- दुनिया में छठा पसंदीदा पर्यटक स्थल 'ताज'
- नूरपूरबेदी (पंजाब) : बस अड्डे के पास आग की चपेट में 70 झुग्गियां आईं, कुछ लोग फंसे
- लखनऊ-आगरा बस धू-धूकर जली, 50 यात्री बाल-बाल बचे
- लखनऊ-दिल्ली बस नहर में घुसी, 40 घायल
- बठिंडा : क्लर्क पर आय से अधिक सम्पत्ति बनाने का मामला
- श्यामली : 54 किलो चरस के साथ 2 पकड़े
- बिहार: ट्रेन यात्रियों को लूटने वाले 7 गिरफ्तार
- पूर्णिया : 2.15 लाख रुपए की लूट
- मद्रास हाईकोर्ट ने स्टरलाइट संयंत्र के विस्तार पर रोक लगाई
- बिहार : शराबबंदी कानून के तहत 12 वर्ष की कड़ी कैद, डेढ़ लाख जुर्माना
- कर्नाटक: बिना जनाधार वाले नेता इकट्ठा हुए

पिंटू पटाखा

आदर्श एक सांचा है
जिसमें मनुष्य का जीवन ढलता है
यदि आदर्श श्रेष्ठ है तो
जीवन भी श्रेष्ठ होगा

प्रदेश

- नागौर : सट्टा लगाते बुकी सहित 8 गिरफ्तार
- दौसा : यात्रियों से भरी बस में आग लगी, कोई हताहत नहीं
- प्रदेश में गर्मी के तेवर तीखे पारा 45 के पार
- जयपुर : कांग्रेस का पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन
- राजस्थान में कर्जमाफी हेतु लगाए जाएंगे शिविर
- झुंझुनू : हस्पताल का कम्पाउंडर और गार्ड रिश्वत लेते गिरफ्तार

विदेश

- टीवी कार्यक्रम में पाक मंत्री को थप्पड़ मारा
- अमरीका : जेल प्रणाली सुधार विधेयक पारित
- 'चीन को लेकर नरमी न बरते अमरीका'
- रोहिंग्याओं ने किया था हिंदुओं का कत्लेआम : रिपोर्ट
- ब्राजील : कैदी ने फरारी के लिए खोदी सुरंग, बन गई कब्र

खेल

- विराट, धोनी, सायना विश्व के 100 प्रमुख एथलीटों में | शेष... | पेज 12 पर

खबरें फटाफट

खेल Education news group

- आईपीएल में कोलकता ने राजस्थान रॉयल को 25 रन से हराया
- 'थक' गये डीविलियर्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास
- विश्व निशानेबाजीः तेजस्विनी ने स्वर्ण जीता
- गोस्वामी क्रिकेटः फ्रैंड्स क्लब ने जीता मुकाबला

व्यापार

- सेंसेक्स 306 अंक लुढ़का, निफ्टी 106 अंक फिसला
- दिल्लीः चांदी 300, सोना 120 रु. चमका
- एलएंडटी को मिला 1425 करोड़ का ऑर्डर
- स्पाइस जेट की 10 नई घरेलू उड़ानों की घोषणा
- नक्सल प्रभावित 96 जिलों में 4,072 टावर लगाने को मंजूरी

आज का इतिहास

नयी दिल्ली। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 24 मई की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं-

Education news group

1875 : सैयद अहमद खान ने अलीगढ़ में मुहम्मदीन एंग्लो ओरिएंटल स्कूल की स्थापना की जो आगे चलकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

1954 : माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल करने वाली प्रथम भारतीय महिला बछेंद्री पाल का जन्म।

1985 : बांग्लादेश में चक्रवाती तूफान से दस हजार लोगों की मौत हुई।

1986 : मार्गरिट थैचर इजरायल का दौरा करने वाली ब्रिटेन की पहली प्रधानमंत्री बनी।

1993 : कुर्द विद्रोहियों ने तुर्की में 33 सैनिकों और पांच नागरिकों की हत्या की।

2000 : प्रसिद्ध गीतकार और शायर मजरूह सुल्तानपुरी का निधन।

2001 : नेपाल के 15 वर्षीय शेरपा तेंबा शेरी माउंट एवरेस्ट की चोटी को फतह करने वाले सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बने।

2002 : रूस और अमेरिका ने मॉस्को की संधि पर हस्ताक्षर किये।

2004 : उत्तर कोरिया ने मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाया।

2013 : राफेल कोरेया तीसरी बार इक्वाडोर के राष्ट्रपति बने।

2014 : थाईलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री यिंगलक शिनावात्रा को सैन्य तख्तापलट के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए पुलिस मुख्यालय ने मांगे 71 करोड़

खोज खबर

जयपुर। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुरूप आगामी महीनों में कांस्टेबल के 13912 पदों पर होने वाली भर्ती के लिए पुलिस मुख्यालय ने जरूरी व्यवस्थाएं करने के लिए 71 करोड़ रुपए का बजट मांगा है। मुख्यालय से मिले प्रस्ताव के बाद गृह विभाग में खलबली मच गई है कि परीक्षा व्यवस्थाओं के लिए इतनी राशि की आवश्यकता की पूर्ति कैसे होगी। मुख्यमंत्री ने कांस्टेबल के 13912 पदों पर भर्ती की *शेष » पेज 8 पर...*

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 12वीं विज्ञान व वाणिज्य का परीक्षा परिणाम

12वीं में जिले के हाल खराब, कॉमर्स में 26वें और साइंस में प्रदेश में 31वें नंबर पर

प्रथम श्रेणी सहित ऑलओवर पास आउट में भी बेटियों ने बाजी मारी

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा बुधवार को घोषित 12 वीं वाणिज्य एवं विज्ञान के परीक्षा परिणाम में चित्तौड़गढ़ जिला फिसड्डी साबित हुआ है। बुधवार शाम जारी परिणाम पर गौर करने पर पाया कि प्रदेश में हमारा जिला कामर्स में 26 वें तथा साइंस में तो 31 वीं पायदान पर रहा। यानी नीचे से तीसरे नंबर पर। गत साल के मुकाबले साइंस का ग्राफ 1.74 तथा कामर्स का ग्राफ .02 प्रतिशत नीचे लुढ़का। दोनों संकाय में बेटों के मुकाबले बेटियां आगे रही। कामर्स में लड़कियों का रिजल्ट 92.01 तथा लड़कों का 88.39 एवं साइंस में लड़कियों का 83.35 एवं लड़कों का 74.07 प्रतिशत रहा।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा-2018 में जिले से विज्ञान संकाय में 2350 विद्यार्थी प्रविष्ट हुए। इनमें से प्रथम श्रेणी में 963, द्वितीय श्रेणी में 844 एवं तृतीय श्रेणी में 25 बच्चे उत्तीर्ण हुए। जिले में विज्ञान संकाय का संकलित परीक्षा परिणाम 77.96 प्रतिशत रहा। डीईओ माध्यमिक हेमंत कुमार द्विवेदी के अनुसार वाणिज्य संकाय में कुल 873 विद्यार्थी प्रविष्ट हुए। इसमें से प्रथम श्रेणी 314, द्वितीय श्रेणी 401 एवं तृतीय श्रेणी 68 उत्तीर्ण हुए। वाणिज्य संकाय का संकलित परीक्षा परिणाम 89.69 प्रतिशत रहा। इधर, परिणाम देर शाम घोषित होने से संबंधित परीक्षार्थियों सहित उनके अभिभावकों की धडकनें दिनभर बढ़ी रही। स्कूल स्टाफ भी अपने स्कूल का रिजल्ट देखने में जुटा। कुछ स्कूलों ने टॉपर बच्चों को ट्रेस आउट कर उनको बधाइयां दी।

दोनों संकाय में पिछले साल के मुकाबले कमजोर हुआ परिणाम, दोनों संकाय में लड़कियों ने मारी बाजी, लड़कों ने बिगाड़ा रिजल्ट

वाणिज्य संकाय

वर्ग	प्रविष्ठ	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	योग	प्रतिशत
छात्र	560	161	280	54	495	88.39
छात्रा	313	153	121	14	288	92.01
योग	873	314	401	68	783	89.69

विज्ञान संकाय

वर्ग	प्रविष्ठ	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	योग	प्रतिशत
छात्र	1479	485	599	22	1106	74.78
छात्रा	871	478	245	3	726	83.35
योग	2350	963	844	25	1832	77.96

पिछले छह साल का परिणाम प्रतिशत में

विज्ञान संकाय

वर्ग	प्रतिशत	विद्यार्थी
2012-13	67.65	1487
2013-14	71.83	1530
2014-15	71.00	1697
2015-16	81.07	1749
2016-17	79.70	2031
2017-18	77.96	2350

विज्ञान संकाय

वर्ग	प्रतिशत	विद्यार्थी
2012-13	77.14	1260
2013-14	88.64	1074
2014-15	76.19	1130
2015-16	86.35	938
2016-17	89.89	936
2017-18	89.69	873

• साइंस में प्रदेश में नीचे से तीसरे

12 वीं साइंस में प्रदेश ... तीन जिले ही ऐसे हैं, जिसका ऑवर आल रिजल्ट 80 प्रतिशत से नीचे रहा। इसमें चित्तौड़गढ़ भी शामिल है। चित्तौड़गढ़ से नीचे केवल दो जिले ही है।

Education news group

अच्छी खबर

महिलाकर्मी ले सकेंगी 730 दिन तक चाइल्ड केयर लीव

चित्तौड़गढ़ | महिला कर्मचारियों के लिए जल्द चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) के प्रावधान लागू होंगे। वित्त विभाग कैबिनेट से अनुमोदन ले चुका है। अब राज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा।

खबरें फटाफट

विद्यापीठ की पीएचडी प्रवेश परीक्षा अब 10 जून को

चित्तौड़गढ़ | राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय उदयपुर की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 10 जून को होगी। पहले यह परीक्षा 27 मई को होनी थी। कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने बताया कि प्रवेश पत्र परीक्षा के एक घंटे पूर्व दिए जाएंगे। परीक्षा प्रतापनगर स्थित कम्प्यूटर एंड आईटी सभागार में दो चरणों में होगी। परीक्षा का समय सुबह 9:30 से 12 तक तथा दूसरा दोपहर 1 से 3:30 बजे तक होगी।

पुस्तकालयाध्यक्षों की भर्ती के लिए आवेदन 28 जून से

चित्तौड़गढ़ | राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड की ओर से माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड थर्ड के 700 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें टीएसपी के 215 और नॉन टीएसपी के 485 पद शामिल हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 28 जून से हो सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 27 जुलाई है।

ई-वे बिल को लेकर 30 दिन होगी समझाइश

चित्तौड़गढ़ | वाणिज्य कर विभाग इंट्रा स्टेट ई-वे बिल को व्यापारियों को एक महीने तक समझाइश अभियान चलाएगा। ई-वे बिल बनाने व उसमें होने वाली गलतियों को दुरुस्त करने का पूरा मौका मिलेगा, लेकिन इसके बाद कार्रवाई की जाएगी। सभी संयुक्त आयुक्त, उपायुक्तों व अन्य अधिकारियों को इंट्रा स्टेट ई-वे बिल को लेकर विभिन्न निर्देश जारी किए।

प्रयोगशाला के लिए 1.93 करोड़ स्वीकृत

निम्बाहेड़ा | पंचायत समिति क्षेत्र की विभिन्न राउमावि विद्यालयों में प्रयोगशाला निर्माण व उपकरण के लिए अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान द्वारा 1 करोड़ 93 लाख 60 हजार रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। क्षेत्र की राउमावि बरवाड़ा, निंबोदा, ढोरिया, मेलाना, फाचर अहिरान, जलिया व टाई के लिए 19.36-19.36 लाख व बांगेडा घाटा व गादोला के लिए 29.04-29.04 लाख रुपए की स्वीकृति की गई।

आयकर विभाग ने जारी किए निर्देश

सहज फॉर्म में किराए से होने वाली आमदनी की जानकारी देनी होगी

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

Education news group

अब मकान किराए से होने वाली

आय को छिपाना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। क्योंकि मकान, जमीन और दुकान किराए से होने वाली कमाई भी आयकर विभाग की निगाह में है। गत दिनों आयकर विभाग द्वारा कराए गए सर्वे में सामने आया है कि किराए के रूप में मोटी कमाई करने और आयकर विभाग को जानकारी नहीं दे रहे हैं।

उसके बाद विभाग ने 2018-19 के आयकर रिटर्न फार्म में इस बार व्यक्तिगत करदाताओं से मकान, दुकान और जमीन से कमाई का पूरा हिसाब देने को कहा है। आयकर रिटर्न में उन्हें किराए के रूप में मकान से कमाई और उस पर स्थानीय निकाय को दिए गए टैक्स की जानकारी भी देनी होगी।

पहले किराए से होने वाली आय के बारे में आयकर रिटर्न फॉर्म आईटीआर-2 में हिसाब लिया जाता था, लेकिन इस बार इसे आईटीआर-1 में भी यह जानकारी देनी पड़ेगी। अगर किसी करदाता ने अपना मकान किराए पर उठाया है तो उसे आयकर रिटर्न में किराए से आमदनी के बारे में जानकारी तो देनी ही होगी।

रोटी में 'इल्लियां', छाछ में पानी

» प्रशिक्षण शिविर में मोबाइल पर मस्त शिक्षक

भोपालगढ़। कस्बे के शारदा छात्रावास में चल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षक प्रशिक्षण आवासीय शिविर के तहत बुधवार को शिक्षकों के भोजन के दौरान रोटी में ईलिया परोसी गई साथ ही ठंडी छाछ में पानी की मात्रा ज्यादा नजर आई । दूसरी ओर शिक्षकों को शिविर के बारे में भोपालगढ़ पंचायत समिति प्रधान चिमनसिंह चौधरी व ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी खियाराम लोहिया जानकारी दे रहे थे। उस समय एक शिक्षक अपने फोन में व्यस्त होकर कानों में इयरफोन डालकर लाइव वीडियो में व्यस्त नजर आया। राज्य सरकार की ओर से गर्मियों की छुट्टियों में चल रे पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षक प्रशिक्षण आवासीय शिविर के तहत बुधवार को कई कमियां नजर आई। प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों ने कमियों के तुरंत सुधार करवाने की मांग की।

प्रधान ने किया निरीक्षण

आरपी रुपाराम शर्मा ने बताया कि बुधवार को प्रशिक्षण शिविर का भोपालगढ़ पंचायत समिति के प्रधान चिमनसिंह चौधरी व ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी खियाराम लोहिया ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान शिक्षक नेता श्रवण डूडी, विष्णु गोदारा, रामचंद्र सारण, चेतन मेहरा, अंजू परिहार, सरवन माली, धनराज शर्मा, महेंद्र चौधरी, नाथूराम सारण, दिलीप सारण, बाबूराम चौधरी सहित कई जने उपस्थित थे।

व्यवस्था सुधार के निर्देश..

प्रशिक्षण शिविर में कुछ कमियां है तो उनको तुरंत सुधार के लिए व्यवस्थापक को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए
- खीयाराम लोहिया, बीईईओ, भोपालगढ़

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का दीक्षांत समारोह आज

अजमेर | राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का दीक्षांत समारोह गुरूवार को आयोजित किया जाएगा। राज्य के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया और शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी वर्ष 2016 व 2017 की परीक्षाओं के लिए 16 परीक्षार्थियों को स्वर्ण एवं 260 परीक्षार्थियों को रजत पदक से सम्मानित करेंगे। बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने बताया कि समारोह में वर्ष 2017 के शिक्षा रत्न पुरस्कार और विद्यार्थी खेल रत्न पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षक और विद्यार्थी को भी पुरस्कृत किया जायेगा।

शिक्षा रत्न पुरस्कार के लिए उदयपुर के राजकीय बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल की डॉ. माधवी त्रिपाठी को एक लाख रुपये नकद, स्मृति चिह्न, शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया जायेगा। विद्यार्थी खेल रत्न पुरस्कार के लिए राजसमंद जिले के राजकीय आदर्श सीनियर सैकण्डरी स्कूल, लापस्या तहसील रेलमगरा के सोनल सुखवाल को पचास हजार रुपये नगद, स्मृति चिह्न, शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया जायेगा। प्रो. चौधरी ने बताया कि बोर्ड द्वारा वर्ष 2014 के लिए सर्वश्रेष्ठ राजकीय विद्यालय के रूप में चयनित दो विद्यालयों को राज्य स्तर पर 17 विद्यालयों को मण्डल स्तर और 25 विद्यालयों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जायेगा। वर्ष 2015 के लिए दो विद्यालयों को राज्य स्तर पर 14 विद्यालयों को मण्डल स्तर और 16 विद्यालयों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर ''शिक्षा बोर्ड दर्पण 60 वर्ष नये क्षितिज की ओर ..... '' का विमोचन भी किया जायेगा। स्वर्ण पदक विजेताओं को साफा पहनाकर राजस्थानी परम्परा के अनुसार स्वागत किया जायेगा। सभी रजत पदक विजेताओं का भी तिलक लगाकर स्वागत किया जायेगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय श्रीमाली होंगे ।

दैनिक भास्कर

चित्तौड़गढ़

भास्कर लाइव | ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविरों में जिले के 3110 शिक्षकों के प्रशिक्षण पर सरकार के 56 लाख रुपए खर्च होंगे

कोताही; अफसर दिनभर पाबंद करते रहे, फिर भी रात 10 बजते ही 111 में से 108 शिक्षक घर चले गए

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

सवाल: जिम्मेदार अधिकारी न खुद रात रुक रहे न रात्रि में निरीक्षण करने पहुंच रहे।

शिविरों के लिए नियुक्त अधिकारियों की जवाबदेही है कि शिविर स्थल पर ही रात्रि विश्राम करें। जिला अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि रात में भी निरीक्षण करें, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा।

जिला एवं ब्लाक स्तर के अधिकारी बारी-बारी से आए और एक ही बात के लिए पाबंद कर गए कि शिविर आवासीय है। रात्रि विश्राम यही करना है, लेकिन रात होते ही शिविरार्थियों ने उनकी बात हवा में उड़ा दी। मंगलवार रात 10 बजे शहर के गांधीनगर स्थित श्री अग्रसेन मांगलिक भवन में पंडित ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविर स्थल में नामांकित 111 में से महज तीन शिक्षक मौजूद थे।

कक्षा एक से पांचवीं तक के शिक्षकों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रीष्मकालीन आवासीय प्रशिक्षण शिविर सभी 10 ब्लाकों में चल रहे हैं। इनमें विविध चरण में 3110 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। पहले चरण में करीब एक हजार शिक्षक हैं। शिविरों को चलते हुए तीन दिन हो गए। अधिकारी निरीक्षण करने जा रहे हैं। शहर के श्री अग्रसेन मांगलिक भवन गांधीनगर में चल रहे शिविर में मंगलवार दोपहर डीईओ हेमंत द्विवेदी, एडीपीसी सर्व शिक्षा राजेंद्र कुमार शर्मा तथा शाम को बीईईओ सुभाषचंद्र यादव ने निरीक्षण कर शिक्षकों को पाबंद किया कि रात्रि विश्राम भी करना है। अवहेलना करने पर कार्रवाई होगी। इसके बावजूद रात दस बजे अधिकांश शिक्षक शिविर छोड़ गए। सवा दस बजे केवल तीन शिक्षक मौजूदा मिले, जबकि 111 पंजीकृत है।

शिविर में रात्रि में रुके मात्र तीन शिक्षक

मंगलवार रात सवा 10:00 बजे बाद खाली हाल

Education news group

गांधीनगर में चल रहे शिक्षक प्रशिक्षण आवासीय शिविर में रात्रि विश्राम के लिए रुके मात्र तीन शिक्षक।

और शिविरार्थी शिक्षकों के ये सवाल भी वाजिब है कि

1. दो शिक्षिकाओं ने कहा कि सुबह सात से आठ बजे तक तो शिविर में रुकने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन रात में छोटे-छोटे बच्चों के लिए खाना बनाना एवं उनकी देखरेख की जिम्मेदारी मां की होती है। घर में बुर्जुग सास-ससुर का भी ध्यान रखना होता है। ऐसे में रात्रि में रुकना संभव नहीं होता है। सरकार एवं विभाग को विचार करना चाहिए।

2. दो शिक्षकों ने कहा कि हमारे भी माता-पिता बुजुर्ग है। वैसे भी रात में शिविर में किसी प्रकार की कोई एक्टिविटी भी नहीं होती है। केवल सोना ही होता है। इससे अच्छा तो घर जाना ही ठीक है। सरकार को चाहिए कि शिविर गैर आवासीय करें।

बिना तैयारी के ही शुरू... प्रशिक्षण शिविर कुछ ब्लाकों में तो बिना तैयारी के ही शुरू हुए है। इसकी बानगी खुद अधिकारियों को भूपालसागर के शिविर में मिली। एडीपीसी राजेंद्र कुमार शर्मा सुबह निरीक्षण करने पहुंचे। बिना प्रोजेक्टर एवं बिना एबीएल किट के प्रशिक्षण दिया जा रहा था। एडी पीसी ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल प्रोजेक्टर एवं एबीएल किट मंगवाया। एडीपीसी शर्मा ने बताया कि प्रोजेक्टर एवं एबीएल किट के माध्यम से प्रशिक्षण देने के लिए 15 दिन पहले ही अधिकारियों को पाबंद किया था।

• **व्यर्थ में बजट:** इस साल राशि बढ़ाई, लेकिन कोई मतलब नहीं ... इस साल प्रति शिविरार्थी के लिए प्रतिदिन 300 रुपए का बजट जारी हुआ। पहले 200 रुपए का प्रावधान था। शिविरार्थियों को अच्छा भोजन एवं अच्छी आवास सुविधा मिले, इसलिए बजट बढ़ाया गया। जिले में कुल मिलाकर 55 लाख 98 हजार रुपए खर्च होंगे।

विभाग यह व्यवस्था करेगा, कार्रवाई भी...शिविर स्थल पर एक अधिकारी को भी रात में रुकने के लिए पाबंद करेंगे। यदि अध्यापक फिर भी नहीं रुके तो नियमानुसार विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सुभाषचंद्र यादव, बीईईओ, चित्तौड़गढ़

बीईईओ से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी...बीईईओ को पत्र लिखकर शिविर की तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। शिविर में अनिवार्य रूप से रात्रि विश्राम का नियम है। इसके बाद भी नहीं रुकते हैं तो पहली बार में नोटिस देकर चेताने तथा फिर भी पालना नहीं करते तो वेतन वृद्धि रोकने तक का प्रावधान है।

राजेंद्र कुमार शर्मा, एडीपीसी, सर्वशिक्षा अभियान

160 में से 7 प्रश्न डिलीट, 153 में बांटे अंक

सिटी रिपोर्टर | अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा अनुसंधान सहायक पदों के लिए हुई ऑनलाइन परीक्षा के 160 में से 7 प्रश्न डिलीट किए हैं। इन सभी सातों प्रश्नों की संख्या आयोग ने बुधवार को वेबसाइट पर जारी की है। इसका तात्पर्य यह रहा कि आयोग ने 160 प्रश्नों के अंक 153 प्रश्नों में समान रूप से बांट कर परिणाम घोषित किया है। इस परीक्षा का परिणाम आयोग ने 17 मई को ही जारी किया है। आयोग द्वारा परिणाम जारी करने के करीब एक सप्ताह बाद फाइनल उत्तर कुंजी जारी की गई है। आयोग ने इस परीक्षा का आयोजन पिछले साल अगस्त में 24 तारीख को किया था। इस परीक्षा में कुल 160 प्रश्न आए थे।

ये प्रश्न हुए हैं डिलीट | आयोग रिपोर्ट के अनुसार प्रश्न संख्या 16, 17, 64, 79, 87,127 और 134 को डिलीट किया। आयोग ने यह खुलासा नहीं किया कि इनमें से कितने प्रश्न अभ्यर्थियों की आपत्ति के बाद डिलीट हुए।

25 तक मांगे आवेदन पत्र | आयोग सचिव पीसी बेरवाल ने बताया कि आयोग द्वारा मूल्यांकन संगठन विभाग के लिए राजस्थान अधीनस्थ सेवा (भर्ती एवं अन्य सेवा शर्तें) नियम, 2001 के अन्तर्गत अनुसंधान सहायक के पदों पर भर्ती अस्थाई रूप से 29 चयनित की वरीयता सूची जारी की गई है। यह सूची पूर्णतया अस्थाई अनंतिम है। प्रमाण पत्रों के आयोग कार्यालय में 25 मई तक भेज दें।

साइंस का परिणाम 86.60, जबकि कॉमर्स का परिणाम 91.09 फीसदी रहा

3.76 फीसदी गिरा 12वीं विज्ञान का रिजल्ट

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का साइंस के परिणाम में पिछली साल की अपेक्षा भारी गिरावट आई है। वहीं कॉमर्स का परिणाम मामूली बेहतर है। बोर्ड के पिछले दस सालों के परिणाम में उतार-चढ़ाव आता रहा है। गौरतलब यह है कि पिछले दस सालों में वर्ष 2009 में साइंस और कामर्स का परिणाम सबसे अधिक रहा है।

बोर्ड द्वारा बुधवार को जारी किया गया साइंस का परिणाम 86.60 प्रतिशत रहा, जबकि कॉमर्स का परिणाम 91.09 फीसदी रहा। पिछले साल के परिणाम से तुलना करें तो साइंस का परिणाम 90.36 था। पिछली बार की अपेक्षा में 3.76 गिरावट आई है। बोर्ड के लिए राहत की बात यह है कि पिछले साल बोर्ड का कॉमर्स का परिणाम 90.88 रहा, जो कि इस बार 0 .21 अधिक है। बोर्ड के पिछले दस बारह सालों का इतिहास देखे तो परिणाम में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। वर्ष 2009 में साइंस का 91.04 और कॉमर्स का 94.01 परिणाम रहा है।

12वीं कला वर्ग का परिणाम 10-15 दिन में संभव

12वीं कला वर्ग का परिणाम 10 से 15 दिन में घोषित कर सकता है। इस बात के संकेत बोर्ड अध्यक्ष प्रो. बीएल चौधरी ने दिए हैं। बोर्ड की 12वीं कक्षा का अब सबसे बड़ा परिणाम 12वीं कला वर्ग का है। इस परीक्षा के लिए बोर्ड को कुल 5 लाख 37 हजार 259

ऐसे रहे साइंस के परिणाम

वर्ष	प्रतिशत
• 2006	70.56
• 2007	66.69
• 2008	67.73
• 2009	91.04
• 2010	87.58
• 2011	85.52
• 2012	75.00
• 2013	78.18
• 2014	80.45
• 2015	86.40
• 2016	90.36

ऐसे रहे कॉमर्स के परिणाम

वर्ष	प्रतिशत
• 2006	73.57
• 2007	76.26
• 2008	79.23
• 2009	94.01
• 2010	93.37
• 2011	92.67
• 2012	80.55
• 2013	84.26
• 2014	90.63
• 2015	85.20
• 2016	90.88

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी और बोर्ड अध्यक्ष प्रो. बीएल चौधरी रिजल्ट जारी करते हुए।

सीएम और शिक्षा राज्यमंत्री के जिले पिछड़े

अजमेर| 12वीं बोर्ड की साइंस में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का जिला धौलपुर 29वें और शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी का जिला 26वें स्थान पर रहा। कॉमर्स में धौलपुर 26वें तो अजमेर 29वें स्थान पर रहा। दिलचस्प पहलू है कि मुख्यमंत्री और शिक्षा राज्यमंत्री दोनों के जिले प्रतिस्पर्धा में बराबर रहे हैं। साइंस का परिणाम 81.48 रहा तो धौलपुर में 80. 09 रहा है। यानी अजमेर से 1.39 कम रहा है। वहीं धौलपुर का कॉमर्स का 89.24 रहा है तो अजमेर का 84. 97 रहा है। यानी धौलपुर से 5.27 प्रतिशत कम रहा है।

साइंस के 7 और कॉमर्स के 6 विषयों में विद्यार्थियों ने प्राप्त किए 100 अंक

अजमेर| माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से बुधवार को जारी किए गए साइंस और कॉमर्स के परिणाम से सामने आया कि विद्यार्थियों ने भी परीक्षा में पूरी मेहनत की। साइंस के 7 और कॉमर्स के 6 विषयों में विद्यार्थियों ने अधिकतम 100 अंक तक हासिल किए हैं। बोर्ड की ओर से जारी सूची के अनुसार साइंस में हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य, गणित, फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और एग्रीकल्चर में कई विद्यार्थियों ने 100 अंक हासिल किए। जबकि 90 प्रतिशत से अधिक अंक वाले सब्जेक्ट में ऑटोमोबाइल, ब्यूटी

अलावा एक विषय इंफो टेक एंड प्रोग्राम में अधिकतम अंक 84 रहे।

इसी प्रकार कॉमर्स में 6 विषय अंग्रेजी अनिवार्य, इंफो टेक एंड प्रोग्राम, इकोनॉमिक्स, गणित, अकाउंट्स और बिजनेस स्टडी में अधिकतम अंक 100 प्राप्त किए। इसी प्रकार हिंदी अनिवार्य में 99 अंक अधिकतम रहे। इनके अलावा 90 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सब्जेक्ट ब्यूटी एंड वैलनेस, हैल्थ केयर और आईटी एंड आईटीज रहे। इसी प्रकार ऑटोमोबाइल में 84 तथा हिंदी और अंग्रेजी

चूरू दोनों विषयों में तीसरे स्थान पर

कॉमर्स में सवाईमाधोपुर, साइंस में नागौर आगे

अजमेर| राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से जारी 12वीं कॉमर्स और साइंस के परिणाम में कॉमर्स में सवाई माधोपुर ने और विज्ञान में नागौर जिले ने बाजी मारी है। सवाई माधोपुर 97.87 प्रतिशत के साथ कॉमर्स में प्रथम स्थान पर रहा। वहीं साइंस में नागौर का परिणाम 91.27 प्रतिशत रहा।

प्रदेश के बड़े जिलों को इन दोनों जिलों ने पछाड़ दिया है। बोर्ड की ओर से जारी

पर श्रीगंगानगर 96.84 प्रतिशत और चूरू 95.74 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इसी प्रकार साइंस विषय में सीकर 90 प्रतिशत के साथ दूसरे और चूरू 98.99 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

दिलचस्प पहलू यह रहा कि चूरू ने दोनों विषयों में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर जो कि शिक्षा की दृष्टि से काफी आगे माने जाते हैं, इस बार काफी

12वीं बोर्ड : साइंस का रिजल्ट 86.60 और कॉमर्स का 91.09% रहा, साइंस का रिजल्ट 4% घटा

साइंस व कॉमर्स के परिणाम में बेटियों ने मारी बाजी

भास्कर न्यूज | अजमेर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को साइंस और कॉमर्स का परिणाम जारी कर दिया। दोनों ही परिणामों में बेटियां आगे रहीं। साइंस का परिणाम 86.60 प्रतिशत रहा, जबकि कॉमर्स का परिणाम 91.09 फीसदी रहा। छात्रों का साइंस का परिणाम 86.64 प्रतिशत तथा छात्राओं का 90.49 प्रतिशत रहा। इसी तरह कॉमर्स में 90.12 प्रतिशत छात्र और 95.42 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुईं। पिछले साल के मुकाबले इस बार साइंस के परिणाम में 3.76% की गिरावट आई, जबकि कॉमर्स का रिजल्ट 0.21% अधिक रहा। पिछले साल साइंस का रिजल्ट 90.36% तथा कॉमर्स का परिणाम 90.88 रहा था। शेष | पेज 8

(पढ़ें पेज 2 भी | परिणाम पेज 13)

12वीं कला का परिणाम 10-15 दिन में संभव

बोर्ड 12वीं कला वर्ग का परिणाम 10 से 15 दिन में घोषित कर सकता है। अध्यक्ष प्रो. बीएल चौधरी ने इसके संकेत दिए। परीक्षा में 5,37,259 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए थे।

3 लाख परीक्षार्थी थे

12वीं साइंस

240152 नियमित परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए

237885 ने परीक्षा दी। इनमें 63624 छात्राएं, 145186 छात्र पास।

12वीं कॉमर्स

41986 नियमित परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए

41,557 ने परीक्षा दी। 24624 छात्र व 13570 छात्राएं पास।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

बोर्ड परीक्षा-2018 की उत्तर-पुस्तिकाओं की संवीक्षा एवं उत्तर-पुस्तिकाओं की प्रति ऑनलाईन प्राप्त करने हेतु परीक्षार्थियों के सूचनार्थ

क्रमांकः गोप./उ.मा./2018/ दिनांकः 23.5.2018

बोर्ड परीक्षा-2018 में प्रविष्ठ हुए सभी परीक्षार्थी, परीक्षा परिणाम घोषणा तिथि/विज्ञप्ति से 10 दिवस में बिना विलम्ब शुल्क, उसके पश्चात् 05 दिवस तक विलम्ब शुल्क सहित उत्तर पुस्तिका की संवीक्षा कराने एवं संवीक्षा उपरान्त स्कैन प्रति प्राप्त करने हेतु बोर्ड वेबसाईट **www.rajeduboard.rajasthan.gov.in** पर संवीक्षा आवेदन-पत्र को डाउनलोड निकटतम ई-मित्र पर नियत तिथि तक (स्वप्रमाणित आई.डी. एवं केन्सिल चैक अपलोड कर) उच्च माध्यमिक परीक्षा विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग हेतु निर्धारित शुल्क व ई-मित्र सेवा शुल्क रू. 26/- सहित बिना विलम्ब शुल्क दिनांक 02.06.2018 एवं विलम्बशुल्क सहित दिनांक 07.06.2018 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1957 के तहत निर्धारित राजस्थान माध्यमिक शिक्षा तिनियम 1957 के अध्याय 16 नियम (13) (5) अनुसार उत्तर-पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन **(Re-evaluation)**/ पुनः जांच **(Re-examination)** का प्रावधान नहीं है। संवीक्षा में उत्तर पुस्तिका में प्रदत्त अंकों के योग में भिन्नता,अन्दर-बाहर (पेजिंग) में भिन्नता, किसी प्रश्न में अंक नहीं दिये गये हों, उत्तर पुस्तिका/ अंकतालिका में प्रदत्त अंकों में भिन्नता आदि-2 त्रुटियों का निवारण करने की दृष्टि से की जाती है।

अन्तिम तिथि तक प्राप्त सभी आवेदनों को क्रमबद्ध/पंजीकरण कर SMS द्वारा परीक्षार्थी के प्रार्थना-पत्र में अंकित मोबाईल पर पंजीकरण संख्या एवं आवेदित विषयों की सूचना दी जावेगी। नियत प्रकिया पूर्ण कर प्रतिदिन निस्तारित प्रकरणों का परिणाम/आवेदित विषय की उत्तर-पुस्तिका वेबसाईट पर दिये लिंक पर अपलोड कर आवेदित मोबाईल पर SMS द्वारा 'Password' उपलब्ध करवाया जावेगा परीक्षार्थी अपनी उत्तर-पुस्तिका ऑनलाईन देख डाउनलोड/प्रिन्ट कर सकेगें। ऑनलाईन आवेदन पत्र में परीक्षार्थी अपना स्वयं का मोबाईल नम्बर व ई-मेल अंकित करें। गलत अंकित करने पर परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार रहेगा। एक मोबाईल नम्बर व ई-मेल को एक बार ही प्रयुक्त किया जा सकेगा। ई-मित्र कियोस्क धारक का मोबाईल नम्बर ई-मेल दर्ज करना अनुचित एवं नियम विरुद्ध माना जावेगा।

उत्तर पुस्तिका के अवलोकन के पश्चात् संवीक्षा नियमान्तर्गत कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस में निकटतम ई-मित्र पर आवेदन-पत्र भरकर/प्रमाण संलग्न कर निर्धारित शुल्क रू. 100/- के साथ में ऑनलाईन आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

नोटः 1. विस्तृत जानकारी, नियम, निर्देश, शर्तें आवेदन पत्र प्रारूप/प्रक्रिया आदि बोर्ड वेबसाईट पर देखें।

2. भविष्य में परिणाम घोषणा के अगले दिवस से उक्त निर्धारित समयावधि में आवेदन किया जा सकता है।

3. निर्धारित तिथि के बाद/डाक से प्राप्त आवेदन-पत्र व आपत्ति स्वीकार्य नहीं होंगी।

4. किसी भी प्रकार की जानकारी/आवेदक अपना वर्तमान STATUS की जानकारी बोर्ड वेबसाईट 'SCRUTINY-2018' लिंक पर देखा जा सकता है -

सचिव

अनुसंधान सहायक भर्ती की फाइनल उत्तरकुंजी जारी

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने बुधवार को अनुसंधान सहायक भर्ती परीक्षा 2016 की उत्तरकुंजी जारी कर दी। उत्तरकुंजी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग ने अनुसंधान सहायक भर्ती परीक्षा 2016 की प्रथम उत्तरकुंजी 29 दिसम्बर 2017 को जारी कर आपत्तियां मांगी थीं। आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद 17 मई को परिणाम जारी कर दिया। अब बुधवार को फाइनल उत्तरकुंजी जारी की। यह परीक्षा कुल 29 पदों के लिए आयोजित की गई थी। परिणाम के साथ कट ऑफ मार्क्स की सूची भी आयोग ने वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। चयनित अभ्यर्थियों को मिले अंक भी जारी कर दिए गए हैं।

276 विद्यार्थियों को मिलेगा मैडल, 76 स्कूलें भी होंगी सम्मानित

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का दीक्षांत समारोह आज, डॉ. माधवी त्रिपाठी को शिक्षा व सोनल को मिलेगा खेल रत्न पुरस्कार

कासं/नवज्योति, अजमेर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का दीक्षान्त समारोह गुरुवार को मनाया जाएगा। समारोह में गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया और शिक्षा राज्यमंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी वर्ष 2016 व 2017 की परीक्षाओं में अव्वल रहे 276 विद्यार्थियों को पदक देकर सम्मानित करेंगे। इनमें से 16 परीक्षार्थियों को स्वर्ण एवं 260 परीक्षार्थियों को रजत पदक दिया जाएगा। समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूरे बोर्ड परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने बताया कि समारोह में वर्ष 2017 के शिक्षा रत्न पुरस्कार और विद्यार्थी खेल रत्न पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षक और विद्यार्थी को भी पुरस्कृत किया जाएगा। शिक्षा रत्न पुरस्कार के लिए उदयपुर के राजकीय बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल की डॉ. माधवी त्रिपाठी को एक लाख रुपये नगद, स्मृति चिह्न, शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थी खेल रत्न पुरस्कार के लिए राजसमन्द जिले के राजकीय आदर्श सीनियर सैकण्डरी स्कूल, लापस्या तहसील रेलमगरा के सोनल सुखवाल को पचास हजार रुपये नगद, स्मृति चिह्न, शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा।

प्रो. चौधरी ने बताया कि बोर्ड द्वारा वर्ष 2014 के लिए सर्वश्रेष्ठ राजकीय विद्यालय के रूप में चयनित दो विद्यालयों को राज्य स्तर पर,17 विद्यालयों को मण्डल स्तर और 25 विद्यालयों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। वर्ष 2015 के लिए दो विद्यालयों को राज्य स्तर पर, 14 विद्यालयों को मण्डल स्तर और 16 विद्यालयों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा बोर्ड दर्पण 60 वर्ष नए क्षितिज की ओरका विमोचन भी किया जाएगा।

साफा पहनाया जाएगा

कल प्रातः से ही बोर्ड परिसर में पुलिस बैण्ड अपनी मधुर धुनें बिखेरेगा। स्वर्ण पदक विजेताओं को साफा पहनाकर राजस्थानी परम्परा के अनुसार स्वागत किया जाएगा। रजत पदक विजेताओं का भी तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय श्रीमाली और रुक्टा (राष्ट्रीय) के महासचिव डॉ. नारायणलाल गुप्ता होंगे।

विज्ञान का परिणाम घटा, वाणिज्य का बढ़ा

कासं/नवज्योति, अजमेर

सीनियर सैकण्डरी के नतीजों का विश्लेषण

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित सीनियर सैकण्डरी के परिणामों में इस बार विज्ञान वर्ग का परिणाम गत वर्ष के मुकाबले कम, लेकिन वाणिज्य का परिणाम ज्यादा रहा।

विज्ञान वर्ग का परिणाम इस वर्ष 86.60 प्रतिशत रहा, जो गत वर्ष के मुकाबले 3.76 फीसदी कम है। तब ये 90.36 प्रतिशत था। वहीं वाणिज्य का उत्तीर्ण प्रतिशत इस बार 91.09 प्रतिशत रह कर पिछले वर्ष के मुकाबले 0.21 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले साल का परिणाम 90.88 फीसदी था।

विज्ञान में परीक्षार्थी बढ़े, परिणाम घटा

गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष विज्ञान संकाय में परीक्षार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन परिणाम घटा है। इस बार विज्ञान की परीक्षा में 1 लाख 72 हजार 922 छात्र एवं 70 हजार 594 छात्राएं शामिल हुईं।

शिक्षा राज्य मंत्री देवनानी परिणाम जारी करते हुए। -श्रीकांत जांगिड़

गत वर्ष के मुकाबले छात्रों की संख्या 16 हजार 218 व छात्राओं की 5 हजार 216 अधिक थी। लेकिन छात्रों का नतीजा गत वर्ष से इस बार 4.13 फीसदी एवं छात्राओं का 2.97 प्रतिशत कम हुआ है।

वाणिज्य में परीक्षार्थी घटे, परिणाम बढ़ा

वाणिज्य वर्ग में गत वर्ष के मुकाबले इस साल परीक्षार्थियों की संख्या तो कम हुई, लेकिन परिणाम में बढ़ोतरी हुई है। गत वर्ष जहां इस परीक्षा में 47 हजार 528 परीक्षार्थी बैठे थे, वहीं इस बार 42 हजार 116 परीक्षार्थी ही शामिल हुए, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 5 हजार 412 कम है। इनमें छात्रों की संख्या इस बार 27 हजार 720 एवं छात्राओं की 14 हजार 396 रही। जबकि गत वर्ष 31 हजार 110 छात्र और 16 हजार 418 छात्राओं ने परीक्षा दी थी। लेकिन इस बार परिणाम प्रतिशत दोनों का पिछले साल से अधिक रहा। छात्रों का जहां इस बार 89.23 प्रतिशत रहा, वहीं गत वर्ष 88.56 प्रतिशत था। छात्राओं का परिणाम इस बार थोड़ा कम रहा। पिछले वर्ष ये 95.27 प्रतिशत था, जो इस बार 94.66 रहा।

शेष परिणाम जल्द

बोर्ड सचिव मेघना चौधरी ने बताया कि शेष परीक्षाओं के परिणाम की भी तैयारियां जारी हैं, जल्द ही जारी किया जाएगा। अब बारहवीं कला वर्ग सहित वरिष्ठ उपाध्याय, दसवीं, प्रवेशिका और आठवीं का परिणाम आना बाकी है।

किस विषय में क्या रहा नतीजा

विज्ञान वर्ग में इस बार 2 लाख 37 हजार 885 नियमित परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि 5 हजार 631 परीक्षार्थी स्वयंपाठी रहे। नियमित छात्र-छात्राओं का परिणाम 87.78 प्रतिशत व स्वयंपाठी का 36.97 फीसदी रहा। नियमित और स्वयंपाठी को मिलाकर 1 लाख 47 हजार 122 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें 97 हजार 95 ने प्रथम श्रेणी एवं 45 हजार 611 द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। जबकि 323 तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। 4 हजार 93 को केवल पास किया गया है। 7 हजार 844 को पूरक परीक्षा योग्य घोषित किया गया है। छात्राओं में 63 हजार 770 में से 51 हजार 434 को प्रथम श्रेणी एवं 12 हजार 16 को द्वितीय श्रेणी मिली। 37 छात्राओं के तृतीय श्रेणी मिली एवं 283 महज उत्तीर्ण हुई है। 2 हजार 778 को पूरक परीक्षा की श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

वाणिज्य वर्ग में 41 हजार 557 नियमित एवं 559 स्वयंपाठी परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। नियमित परीक्षार्थियों का परिणाम 91.93 प्रतिशत एवं स्वयंपाठी का 28.26 फीसदी रहा। इनमें से 24 हजार 735 छात्र एवं 13 हजार 627 छात्राएं उत्तीर्ण हुई। इसमें से छात्रों में 11 हजार 55 प्रथम श्रेणी, 11 हजार 966 द्वितीय श्रेणी एवं 1 हजार 655 तृतीय श्रेणी से पास हुए तथा 59 को केवल पास किया गया है, जबकि 1 हजार 505 परीक्षार्थी पूरक योग्य घोषित किए गए। छात्राओं में 9 हजार 435 प्रथम श्रेणी, 3 हजार 908 द्वितीय श्रेणी तथा 268 को तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण किया गया। जबकि 16 छात्राएं महज पास हुई एवं 444 को पूरक श्रेणी दी गई है।

उत्तर-पुस्तिका की संवीक्षा के लिए आज से आवेदन

कासं/नवज्योति, अजमेर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बारहवीं विज्ञान और वाणिज्य वर्ग का परीक्षा परिणाम घोषित करने के साथ ही उत्तर-पुस्तिकाओं की संवीक्षा के लिए आवेदन मांग लिए हैं।

बोर्ड सचिव मेघना चौधरी ने बताया कि परीक्षार्थी गुरुवार से 2 जून तक सौ रुपए निर्धारित शुल्क के साथ ही 26 रुपए ई-मित्र सेवा शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके पांच दिन बाद यानी 7 जून तक विलम्ब शुल्क के साथ भी आवेदन किए जा सकेंगे।

बोर्ड द्वारा उत्तर-पुस्तिका की संवीक्षा के लिए प्राप्त आवेदन से परीक्षार्थियों को एसएमएस पर उनके द्वारा अंकित मोबाइल नम्बर पर विषयों की सूचना दी जाएगी। परीक्षार्थी को ऑनलाइन आवेदन में अपना स्वयं का मोबाइल नम्बर व ई-मेल अंकित करना होगा। गलत अंकित करने पर परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। उत्तर-पुस्तिका के अवलोकन के बाद संवीक्षा नियमानुसार कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस में ई-मित्र पर आवेदन भरकर 100 रुपए शुल्क के साथ आपत्ति कराई जा सकेगी।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने किया सीनियर सैकण्डरी का परिणाम घोषित

साइंस-कॉमर्स : बेटियों ने मारी बाजी

विज्ञान का 86.60 व वाणिज्य का 91.09 प्रतिशत रहा

कासं/नवज्योति, अजमेर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को बारहवीं विज्ञान और वाणिज्य का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। दोनों ही परिणामों में बेटियां अव्वल रहीं। शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी ने बोर्ड की वेबसाइट का बटन दबाकर पहले विज्ञान और फिर वाणिज्य का परिणाम घोषित किया।

विज्ञान वर्ग के मुकाबले वाणिज्य का परिणाम अधिक रहा। विज्ञान में जहां 86.60 फीसदी परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, वहीं वाणिज्य में 91.09 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल रहे। विज्ञान में छात्राओं का परिणाम 90.33 प्रतिशत तथा छात्रों का 85.08 प्रतिशत रहा। जबकि वाणिज्य में 94.66 बेटियां उत्तीर्ण हुई, जबकि बेटों का पास प्रतिशत 89.23 रहा। दोनों परीक्षा परिणाम बोर्ड ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

कितने परीक्षा में बैठे, कितने पास हुए : बोर्ड अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने बताया कि विज्ञान वर्ग में 2 लाख 46 हजार 222 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया था, इनमें से 2 लाख 43 ■ शेष पेज-9

12वीं विज्ञान में फतेहपुर के हरीश को मिले 98.60 प्रतिशत

हरीश महला
98.60
प्रतिशत

रितेश चाबला
95.20
प्रतिशत

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की ओर से बुधवार 12वीं साइंस व कॉमर्स के परिणाम किए गए, जिसमें प्रदेश के फतेहपुर के इंडियन स्कूल विज्ञान संकाय के छात्र हरीश महला को 98.60 फीसदी अंक प्राप्त करके कस्बे और स्कूल का नाम प्रदेशभर में रोशन किया। हरीश को दसवीं में 98 फीसदी अंक प्राप्त किए थे। इसके साथ ही पाली की हर्षा सोनी पुत्री महेन्द्र सोनी ने 96.66 फीसदी अंक प्राप्त किए है। उदयपुरवाटी की क्षितिज मेमोरियल सीनीयर सैकेण्डरी स्कूल के छात्र रितेश चावला पुत्र रघुवीर सिंह ने 95.20 प्रतिशत अंक हासिल कर कस्बे को टॉप किया है। जयपुर के नवीन राजस्थान पब्लिक सी.सै. स्कूल सांगानेर की विज्ञान संकाय की छात्रा सुहानी ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है।

सरकारी स्कूलें पिछड़ीं

परीक्षा परिणाम में दोनों ही संकाय में सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन फीका रहा। प्राइवेट स्कूलों का जहां विज्ञान में परिणाम 88.91 प्रतिशत रहा, वहीं सरकारी स्कूलों का 84.35 फीसदी ही रहा। वाणिज्य संकाय में भी प्राइवेट स्कूलें आगे रहीं। सरकारी स्कूलों के मुकाबले उनका परिणाम 2.15 प्रतिशत ज्यादा रहा। सरकारी स्कूलों का 90.39 फीसदी और प्राइवेट का 92.56 प्रतिशत रहा।

सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट कल या परसों

दसवीं का अगले सप्ताह आएगा

कासं/नवज्योति, अजमेर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दसवीं और बारहवीं परीक्षा का परिणाम इस महीने घोषित कर देगा। बारहवीं का परिणाम इसी सप्ताह जारी होने की संभावना है। जबकि अगले हफ्ते की शुरुआत में दसवीं का रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। बोर्ड देश के सभी दस रीजन का परिणाम एक साथ घोषित करेगा। मालूम हो कि दसवीं की परीक्षाएं 4 अप्रैल को खत्म हुई थी। जबकि अर्थशास्त्र का पर्चा लीक होने के कारण 12वीं की परीक्षा देरी से 25 अप्रैल को संपन्न हुई। पूर्व में यह 12 अप्रैल को समाप्त होनी थी। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सभी रीजन का परिणाम तैयार हो चुका है। गुरुवार को दिल्ली में रिजल्ट कमेटी की बैठक होनी है। जिसमें रीजन के अधिकारी भाग लेंगे। बताया जा ■ शेष पेज-9

राजस्थान बोर्ड बारहवीं का परिणाम घोषित

बेटियां रही दो कदम आगे, जिले की रैंक सुधरी

इंटरनेट पर रिजल्ट देखते बच्चे।

पिछली बार से सुधरी रैंक, विज्ञान में प्रदेश में सातवें और वाणिज्य में 12वें नंबर पर रहे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

भीलवाड़ा. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित 12वीं कक्षा के वाणिज्य व विज्ञान वर्ग के परिणाम में हमारे विद्यार्थियों ने गत साल की तुलना में अच्छी बढ़त ले ली है। गत साल जो रैंक थी, उनमें अच्छा सुधार हुआ है। इस बार वर्ष 2018 में विज्ञान वर्ग का परीक्षा परिणाम 88.77 फीसदी रहा है। जबकि वाणिज्य का परीक्षा परिणाम इस साल 92. 57 फीसदी रहा है। इस बार गत साल की तुलना दोनों में अच्छा परिणाम रहा है। हालांकि बोर्ड ने इस बार भी कोई मेरिट जारी नहीं की है। विज्ञान में गत साल परीक्षा परिणाम 87.33 फीसदी था, जबकि वाणिज्य वर्ग में 79.75 फीसदी परिणाम रहा। हालांकि जिले में कई स्टूडेंट्स ने 90 फीसदी से अधिक अंक हासिल किए है। दोनों ही वर्ग में सुधार हुआ है। विज्ञान में 21वें नंबर से भीलवाड़ा सातवें नंबर पर आया, जबकि वाणिज्य में 33वें नंबर से सातवें नंबर पर आ गया है। दोनों ही वर्ग में बेटियों ने बाजी मार ली है।

कम शिक्षकों के बावजूद भी जिले के सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने अच्छा परिणाम दिया है। जबकि स्थिति यह है कि अधिकांश स्कूलों में विज्ञान वाणिज्य विषय पढ़ाने के लिए पूरे व्याख्याता ही नहीं है। इसके बावजूद अच्छा परिणाम दिया है। स्थिति यह है कि वाणिज्य व विज्ञान विषय दोनों में पिछले साल की तुलना रैंक सुधरी है। वाणिज्य में तो पिछले साल 33वें नंबर पर थे लेकिन इस बार 12वें स्थान पर आ गए है। सबसे खास बात यह है कि इस परिणाम में भी बेटियां दो कदम आगे है। दोनों ही वर्ग में बेटियों का परिणाम अच्छा रहा है। परिणाम जारी होने के बाद परिजन व बच्चे एक-दूजे को सोशल मीडिया पर बधाई देते रहे।

समझिए, जिले के लिए कैसा रहा रिजल्ट

विज्ञान में प्रदेश में 21वें से सातवें नंबर पर आए

विषय	वर्ष 2017	2018
विज्ञान	87.33	88.77
प्रदेश में स्थान	21वें से	सातवां

वाणिज्य में थे सबसे पिछड़े अब 12वें नंबर पर

विषय	वर्ष 2017	2018
वाणिज्य	79.75	92.57
प्रदेश में स्थान	33वें से	12वें

जिले में वाणिज्य में यह रहा परिणाम

परीक्षार्थी शामिल	1023
प्रथम श्रेणी	404
द्वितीय श्रेणी	455
तृतीय श्रेणी	88
कुल उत्तीर्ण	947
प्रतिशत	92.57

वाणिज्य में बेटों की स्थिति

कुल परीक्षार्थी	673
प्रथम	228
द्वितीय	310
तृतीय	72
प्रतिशत	90.64

बेटियों की स्थिति

कुल परीक्षार्थी	350
प्रथम	176
द्वितीय	145
तृतीय	16
प्रतिशत	96.29

विज्ञान में यह रहा परिणाम

परीक्षार्थी शामिल	3766
प्रथम श्रेणी	2058
द्वितीय श्रेणी	1259
तृतीय श्रेणी	08
कुल उत्तीर्ण	3343
प्रतिशत	88.77

विस्तृत खबरों और फोटोग्राफ्स के लिए देखें...
rajasthanpatrika.com

उठावना/पगड़ी

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि चुन्नीलाल व ... के बड़े भ्राता तथा नरेश व प्रकाश (U.I.T.) के पूज्य पिताजी
श्री वासुदेव जी आसवानी (नगर परिषद)

Education News

सीनियर सैकंडरी विज्ञान व वाणिज्य

परिणाम में सरकारी विद्यालय पिछड़े

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

अजमेर. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के सीनियर सैकंडरी विज्ञान और वाणिज्य वर्ग में सरकारी विद्यालयों का परिणाम निजी विद्यालयों के मुकाबले कम रहा। बुधवार को घोषित परिणाम में सीनियर सैकंडरी विज्ञान वर्ग में सरकारी विद्यालयों का परिणाम 84.35 प्रतिशत रहा जबकि निजी विद्यालयों का परिणाम उनसे बेहतर 88.91 प्रतिशत रहा। सीनियर सैकंडरी वाणिज्य वर्ग में भी निजी विद्यालय आगे रहे। सरकारी विद्यालयों का परिणाम 90.39 प्रतिशत रहा जबकि निजी विद्यालयों का परिणाम 92.56 प्रतिशत रहा।

विज्ञान में पिछड़े वाणिज्य में बढ़े

सीनियर सैकंडरी के परिणाम में इस साल विज्ञान वर्ग का परिणाम पिछले वर्ष के मुकाबले कम रहा है जबकि वाणिज्य वर्ग में इस साल यह परिणाम प्रतिशत बढ़ा है। बारहवीं विज्ञान वर्ग में पिछले साल परिणाम प्रतिशत 90.36 था जो इस बार घटकर 86.21 प्रतिशत रहा। इस तरह इस वर्ष विज्ञान वर्ग का परिणाम 3.76 प्रतिशत कम रहा। सीनियर सैकंडरी वाणिज्य वर्ग में पिछले साल परीक्षा परिणाम 90.88 प्रतिशत था जो इस वर्ष बढ़कर 91.09 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार इस साल वाणिज्य वर्ग के परिणाम में पाइंट 21 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई है।

नागौर विज्ञान में और सवाई माधोपुर वाणिज्य में सिरमौर

जैसलमेर दोनों वर्ग में फिसड्डी

अजमेर @ पत्रिका. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के सीनियर सैकंडरी वाणिज्य वर्ग में सवाई माधोपुर जिला परीक्षा परिणाम के लिहाज से राज्य में प्रथम रहा जबकि जैसलमेर फिसड्डी जिला रहा। वाणिज्य वर्ग में सवाई माधोपुर जिले का परिणाम 97.87 प्रतिशत रहा जबकि जैसलमेर जिला सबसे कम 76.99 प्रतिशत के साथ 33 वें स्थान पर रहा। इस वर्ग में श्रीगंगानगर 96.84 प्रतिशत के साथ राज्य में दूसरे और चूरू जिला 95.74 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर आया। सीनियर सैकंडरी विज्ञान वर्ग में नागौर जिला राज्य में प्रथम रहा। इस वर्ग में भी जैसलमेर राज्य में सबसे नीचले पायदान पर रहा। सीनियर सैकंडरी विज्ञान वर्ग में नागौर जिले का परिणाम 91.27 प्रतिशत रहा जबकि जैसलमेर जिले का परिणाम 73.58 प्रतिशत रहा। इस वर्ग में सीकर जिला 90 प्रतिशत परिणाम के साथ दूसरे और चूरू जिला 89.99 प्रतिशत के साथ राज्य में तीसरे स्थान पर रहा।

Education News

भीलवाड़ा में आज देंगे 413 लैपटॉप

पेपरलेस होगा शिक्षा विभाग, प्रदेश में अधिकारियों को देंगे दस हजार लैपटॉप

ई-मेल से अदान-प्रदान होगी पत्रावलियां

डीईओ व पीईईओ को 10,678 लैपटॉप दिए जाएंगे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

भीलवाड़ा. सरकार ने शिक्षा विभाग को डिजिटलाइजेशन करने लक्ष्य दिया है। राजस्थान प्रारंभिक शिक्षा परिषद जिले में विभाग के अधिकारियों को 413 लैपटॉप देगी। इसके बाद कागजों में फाइलों का आदान-प्रदान करने की बजाय ईमेल से सूचनाएं ट्रांसफर होगी। इससे कागज और समय दोनों की बचत होगी। ये कार्य सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के जरिए होगा। प्रदेश में 33 जिलों के प्रारंभिक व माध्यमिक जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) सहित पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों (पीईईओ) को 10,678 लैपटॉप दिए जाएंगे। लैपटॉप प्राप्त करने के पश्चात पीईईओ व नोडल अधिकारी नए सत्र में शाला दर्पण व रमसा पोर्टल को प्रतिदिन देखने व अपडेट रखेंगे।

जिले में गुरुवार को 413 लैपटॉप जिला शिक्षा अधिकारियों और पीईईओ सहित अन्य अधिकारियों को दिए जाएंगे। लैपटॉप देने का जिम्मा दिल्ली की एक निजी कम्पनी को दिया गया है। ये लैपटॉप वितरण करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को भेजे है। जहां से गुरुवार को जिले में 2 लैपटॉप डीईओ माध्यमिक को, 2 डीईओ प्रारंभिक को, 13 नोडल अधिकारियों को तथा 384 लैपटॉल पीईईओ को वितरित किए जाएंगे। लैपटॉप प्राप्त करने के लिए स्टॉक प्रभारी को अधिकृत पत्र के साथ ही स्टॉक रजिस्टर साथ में लाना होगा। जिन स्कूलों में पहले से कम्प्यूटर लैब है, वहां लैपटॉप नहीं दिए जाएंगे। लैपटॉप पर इंटरनेट चलाने के लिए नेटपैक भी उपलब्ध करवाया जाएगा।

सोशल मीडिया रहेगा उपयोगी

कागज बचाने के लिए आज के समय में इंटरनेट बेहद उपयोगी है। इसलिए कोशिश होगी कि सभी तरह की पत्रावलियां ई-मेल के जरिए भेजने और मंगाने में लैपटॉप उपयोगी रहेगा।

योगेश पारीक, एसएसए-रमसा एडीपीसी, भीलवाड़ा

Education News

वाणिज्य परिणाम में जोधपुर की 26वीं रैंक, विज्ञान वर्ग में चौथा पायदान

कॉमर्स का गढ़ जोधपुर पूरे प्रदेश में 26वीं रैंक पर, विज्ञान ने रखी लाज

नई पीढ़ी में डॉक्टर व इंजीनियर बनने की चाह ज्यादा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जोधपुर देश को सर्वाधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट देने वाला शहर जोधपुर अब कॉमर्स के मामले में दिनोंदिन पिछड़ता जा रहा है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से बुधवार को जारी 12वीं बोर्ड वाणिज्य के परिणाम में हालात चौंकाने वाले सामने आए। प्रदेश के 33 जिलों में जोधपुर ने परिणाम प्रतिशत में 26वीं रैंक हासिल की है। इसके पीछे बड़ी वजह अभिभावकों द्वारा सर्वाधिक बच्चों को डॉक्टर व इंजीनियर बनाने की चाह है। जोधपुर पूरे राजस्थान में 12वीं बोर्ड विज्ञान वर्ग में चौथी रैंक पर पहुंच गया है।

विज्ञान का चमचमाता कॅरियर कर रहा आकर्षित

जोधपुर की नई पीढ़ी में लगातार वाणिज्य विषय के प्रति क्रेज कम होता जा रहा है। इसकी वजह विज्ञान में चमचमाता कॅरियर है। दसवीं पास करते ही अधिकतर विद्यार्थी साइंस मैथ्स या साइंस बायोलॉजी का चयन करते हैं। इसके विपरीत विज्ञान विषय से आये विद्यार्थी वाणिज्य का चयन कर रहे हैं। अब तक जोधपुर को वाणिज्य का गढ़ माना जाता रहा है। उधर, शिक्षा विभाग के अधिकांश सरकारी स्कूलों में वाणिज्य व्याख्याताओं का टोटा चल रहा है।

जानिए वाणिज्य में हम कहां

जिला	परिणाम प्रतिशत में टॉप	जिला		जिला	
सवाईमाधोपुर	97.87	दौसा	92.59	चित्तौड़गढ़	89.89
श्रीगंगानगर	96.84	भीलवाड़ा	92.57	बाड़मेर	89.73
चूरू	95.74	बीकानेर	92.55	जोधपुर	89.35
करौली	95.15	डूंगरपुर	92.41		
झालावाड़	95.09	टोंक	91.64		
भरतपुर	94.99	पाली	91.13		
उदयपुर	93.93	जयपुर	91.12		
हनुमानगढ़	93.73	जालोर	91.10		
बूंदी	93.26	नागौर	90.94		
सिरोही	92.77	राजसमंद	90.93		
सीकर	92.76	झुंझुनूं	90.41		
		अलवर	90.33		

विज्ञान में हम टॉप-5 में

नागौर	91.27
सीकर	90
चूरू	89.99
जोधपुर	89.56
झुंझुनूं	89.33

(नोट: इन आंकड़ों में हल्का सा अंतर आ सकता है।)

सनसिटी का टैलेंट

नाम-सिद्धार्थ चारण
माता-स्नेह लता
पिता-रामकरण
स्कूल-यादव पब्लिक सीसै
प्रतिशत-97.20
सब्जेक्ट-साइंस मैथ्स

नाम- मनीष चारण
माता- सुमित्रा कंवर
पिता- शंभूदान चारण
स्कूल- अपना सीसै
प्रतिशत- 97.2
सब्जेक्ट- साइंस मैथ्स

नाम-सीमा विश्नोई
माता- केली देवी
पिता- प्रकाश विश्नोई
स्कूल-अपेक्स एकेडमी सीसै
प्रतिशत-96.80
सब्जेक्ट- साइंस बायो

नाम- ललित वन
माता-धुकी
पिता-परमेश्वर वन
स्कूल- सेंट फ्रांसिस सीसै
प्रतिशत- 94.60
सब्जेक्ट- साइंस बायो

नाम- मंजित पटेल
माता-गीता पटेल
पिता- तेजाराम पटेल
स्कूल- अपना सीसै
प्रतिशत-94.60
सब्जेक्ट- साइंस बायो

Education News

कॉमर्स में घाटा

बैलेंस शीट ऐसी बिगड़ी कि छह साल में आधे रह गए विद्यार्थी

जिले में वाणिज्य संकाय के सिर्फ 32 स्कूल

वाणिज्य में कम रुचि से बदला पढ़ाई का ट्रेंड

भरतपुर @ पत्रिका. ये कॉमर्स का परिणाम है, जो कि हर साल एक से दो प्रतिशत बढता तो है, लेकिन इस संकाय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम होती जाती है। जबकि स्कूलों की संख्या भी कम हो रही है। वर्ष 2017 में वाणिज्य संकाय का जिले का परिणाम 94.28 प्रतिशत रहा। जबकि इस बार 94.93 प्रतिशत परिणाम होने से .65 प्रतिशत की बढ़ोतरी परिणाम में हुईहै। जिले के सरकारी व निजी स्कूलों में हर साल वाणिज्य संकाय में 200 से 250 विद्यार्थियों की संख्या कम हो रही है। लेकिन विज्ञान संकाय में 8 00 से एक हजार विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है। पांच साल में कॉमर्स में विद्यार्थियों की संख्या आधी रह गई है। यही कारण है कि शिक्षा विभाग भी वाणिज्य संकाय में घट रही विद्यार्थियों की संख्या को लेकर चिंता में है। बच्चे सीए, ऑडिटर से ज्यादा पिछले कई साल से युवा डॉक्टर व इंजीनियर बनना पसंद कर रहे हैं। इतना ही नहीं राज्य सरकार की ओर से वाणिज्य शिक्षकों की भर्ती बंद करना भी इसका मुख्य कारण है। रोजगार के कम अवसर मिलने के कारण विद्यार्थी वाणिज्य संकाय लेना नहीं चाहते। 2013 में वाणिज्य संकाय में 146 0 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे थे। 2017 में इनकी संख्या घटकर 78 7 रह गई। 2018 में 677 पर आ गई। स्कूल भी घटकर 32 रह गए है। जबकि विज्ञान संकाय में हर वर्ष विद्यार्थियों की संख्या 8 00 से एक हजार तक बढ़ती जा रही है। विज्ञान के शिक्षकों की भर्ती भी आवश्यकता के अनुसार नहीं आ रही है। लेकिन विज्ञान संकाय के विद्यार्थी के लिए डॉक्टर, इंजीनियर समेत कई क्षेत्रों में रोजगार की संभावना है। वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी के लिए केवल निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि पांच साल से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम में बढ़ोतरी हुई है। विशेषकर 12वीं विज्ञान वर्ग में सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। स्टाफिंग पैटर्न में छात्रों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति का यह सकारात्मक असर है। लेकिन सरकार व विभाग ने वाणिज्य संकाय पर बुरा प्रभाव डाला है।

छात्रों से ज्यादा छात्राओं का सुधरा वाणिज्य में परिणाम

इस बार वाणिज्य संकाय में लड़कों का परिणाम 93.56 प्रतिशत व लड़कियों का 97.45 प्रतिशत रहा है। वर्ष 2017 में वाणिज्य संकाय में 78 7 ने परीक्षा दी। 742 उत्तीर्ण हुए। इसमें से 525 छात्र व 26 2 छात्राएं परीक्षा में बैठी। जबकि 48 2 छात्र व 26 0 छात्राएं पास हुई। वर्ष 2016 में वाणिज्य संकाय में 792 परीक्षा में बैठे। 48 5 पास हुए। छात्र 536 व छात्राएं 256 बैठीं। छात्रों का परिणाम 8 7.13 प्रतिशत व छात्राओं का 97.27 प्रतिशत परिणाम रहा। वर्ष 2015 में वाणिज्य संकाय में 1028 में से 8 76 पास हुए। लड़कों का 8 0.33 व लड़कियों का परिणाम 93.71 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार 2014 में कॉमर्स संकाय में 96 6 छात्र व 394 छात्राओं ने परीक्षा दी। इसमें से 8 64 छात्र व 373 छात्राएं उत्तीर्ण हुई है।

युवाओं की पहली पसंद इंजीनियर, कंपीटिशन टफ पर परिणाम बेहतर

विज्ञान संकाय में इस बार लड़कों का 81.53 प्रतिशत व लड़कियों का 89.03 प्रतिशत परिणाम रहा है। वर्ष 2017 विज्ञान संकाय में 8 735 ने परीक्षा दी। इनमें से 7758 उत्तीर्ण रहे। 6960 छात्र व 1775 छात्राओं ने परीक्षा दी। वर्ष 2016 विज्ञान संकाय में 78 04 बैठे। छात्र 6 443 व छात्राएं 136 1 बैठीं। पास 8 902 हुए। छात्रों का 8 8 .19 व छात्राओं का 92.95 प्रतिशत परिणाम रहा। वर्ष 2015 विज्ञान संकाय में 8 3.28 प्रतिशत रहा। लड़कों का 8 2.24 व लड़कियों का 8 8 .6 9 प्रतिशत परिणाम रहा। परीक्षा में 76 21 में ये 7530 पास हुए। वर्ष 2014 में विज्ञान संकाय में 6 470 छात्र व 1098 छात्राओं ने परीक्षा दी। इसमें से 516 4 छात्र व 973 छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं। परिणाम 90.22 प्रतिशत रहा। साइंस में 81.03 प्रतिशत रहा।

पत्रिका व्यू: ## जीएसटी व नए कानून के बाद डिमांड बढ़ी पर युवाओं में कॉमर्स के प्रति क्रेज कम

वाणिज्य संकाय में अध्यापकों की भर्ती बंद करना, बीएड व बीकॉम वालों को सेकंड व थर्ड ग्रेड में वाणिज्य के विषय नहीं होना मुख्य कारण है। साथ ही लंबे समय से प्रमोशन नहीं होना भी बड़ा कारण है। शिक्षक बनना तो बिल्कुल बंद किया जा चुका है। एक कंपनी में चार से ज्यादा वाणिज्य वालों के लिए नौकरी नहीं है। सीए भी बहुत बन चुके हैं। लेकिन विज्ञान वालों के लिए डॉक्टर, इंजीनियर, नेवी, पायलेट के अलावा दो दर्जन से अधिक रोजगार के अवसर हैं। सरकार को चाहिए कि वाणिज्य संकाय बर्बाद होने से बचाने के लिए प्रयास करे।

केशवदेव शर्मा, सेवानिवृत प्राचार्य

ऐसे घट रहे कॉमर्स में विद्यार्थी

2013	1460
2014	1340
2015	1028
2016	792
2017	787
2018	677

विज्ञान में हर साल बढ़ रहे

2013	7347
2014	7568
2015	7621
2016	7804
2017	8735
2018	9442

Educational News

आवासीय शिविरों में रात को नहीं रुक रहे शिक्षक

अफसरों के निरीक्षण में खुलासा, एडीपीसी ने दी चेतावनी वरना रुकेगा इंक्रीमेंट

झूठ का नवाचार: भोजन के बाद 171 में से 144 शिक्षक नदारद, अधिकारी बोले उपस्थिति पूरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

भरतपुर. शिक्षा विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण में भी खुलासा हुआ है कि शिक्षक आवासीय शिविरों में रात के समय नहीं रुक रहे हैं। उल्लेखनीय हैकि राजस्थान पत्रिका ने 22 मईके अंक में झूठ का नवाचार भोजन के बाद 171 में से 144 शिक्षक नदारद, अधिकारी बोले उपस्थिति पूरी शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर खुलासा किया था। इसके बाद डीईओ, एडीईओ, एडीपीसी समेत कईअधिकारियों ने शिविरों का निरीक्षण किया। इसमें सामने आया कि शिक्षक दिन के समय आते हैं, लेकिन रात को भोजन करने के बाद घरों को चले जाते हैं। इससे ये शिविर नाम के ही आवासीय बनकर रह गए हैं। एडीपीसी मुंशी खान ने बताया कि रात के समय शिक्षकों के नहीं रुकने की बात सामने आ रही है। एक बार चेतावनी दी जा चुकी है। अगर अब भी शिक्षक नहीं मानते हैं तो उनकी सूची बनाकर निदेशालय को अवगत कराया जाएगा। फिर उनके इंक्रीमेंट रोकने की कार्रवाईकी जाएगी। प्रथम चरण के शिविर 26 मईको समाप्त होंगे। इसके बाद दूसरा चरण 28 मईसे दो जून, तीसरा चरण चार जून से नौजून, चौथा चरण 11 जून से 16 जून तक चलेगा। इसके अलावा एक नईबात यह भी है कि शिविरों में शिक्षक संगठन भी इस बार हावी हो चुके हैं। लेकिन अधिकारियों की नजर में यह मामला ही अभी तक नहीं आया है।

छह पढ़ाने के बाद याद नहीं आएगी सीसीई पद्धति: शिक्षकों के आवासीय प्रशिक्षण शिविर में ढेरों खामियां सामने आ रही है। विभाग की ओर से एसआइईआरटी के माध्यम से केआरपी को प्रशिक्षण दिलाया जाता है। इसमें व्याख्याताओं को ही प्रशिक्षण दिलाते हैं। छह दिन पढाने के बाद वह व्याख्याता अपने स्कूल चला जाता है। जबकि उसे फिर सीसीई पद्धति से कोई मतलब भी नहीं रहता है। अगर बीच सत्र में शिक्षकों को परेशानी आती है तो उनके पास कोईउपाय नहीं है। अगर कक्षा एक से पांच तक पढाने वाले शिक्षक को ही प्रशिक्षण दिलाकर केआरपी बनाया जाए तो उसका लाभ अधिक शिक्षकों को मिल सकता है। यहां ऐसा नहीं किया जाता है।

Education News

उपलब्धि

विज्ञान वर्ग में नागौर लगातार पांचवी बार प्रदेश का सिरमौर

पत्रिका

इंडेप्थ स्टोरी

सीकर, झुंझुनूं, कोटा, जयपुर जैसे जिलों को भी छोड़ा पीछे- विज्ञान वर्ग में नागौर का औसत परिणाम 91.27 प्रतिशत रहा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नागौर. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के बारहवीं विज्ञान वर्ग के परिणाम में नागौर ने लगातार पांचवें वर्ष में प्रदेश में टॉप करते हुए जीत का डंका बजाया है। शिक्षा में प्रदेश के कई जिलों से पिछड़ा होने के बावजूद नागौर जिले के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में पिछले कुछ वर्षों से अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठता सिद्ध कर रहे हैं। इस बार भी विज्ञान वर्ग के परिणाम में विद्यार्थियों ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। नागौर का औसत परिणाम 91.27 प्रतिशत रहा है। विज्ञान वर्ग में 90 प्रतिशत के साथ सीकर दूसरे व 89.99 प्रतिशत के साथ चूरू तीसरे स्थान पर रहा।

वाणिज्य वर्ग के परिणाम में पिछड़ा नागौर

वाणिज्य वर्ग में नागौर जिले का परिणाम इस बार आशा के अनुरूप नहीं रहा। हालांकि नागौर का औसत परिणाम 90.94 प्रतिशत रहा है, जो विज्ञान से मात्र दो कम है, लेकिन अन्य जिलों से तुलना की जाए तो नागौर का स्थान टॉप टेन में भी नहीं है। वाणिज्य वर्ग की बोर्ड परीक्षा में जिले में कुल 1366 विद्यार्थी पंजीकृत हुए, जिनमें से 1346 ने परीक्षा दी और 1224 उत्तीर्ण हुए। इसमें प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 668 है, जबकि द्वितीय श्रेणी वालों की संख्या 496 है। यहां भी छात्रों की तुलना में छात्राओं का परिणाम अच्छा रहा है। छात्रों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत जहां 88.56 प्रतिशत है, वहीं छात्राओं का 97.07 प्रतिशत रहा है। वाणिज्य वर्ग में प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहने वाले जिले सवाई माधोपुर में परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों की संख्या (423) नागौर से आधा भी नहीं है। इसी प्रकार द्वितीय स्थान पर रहे श्रीगंगानगर में परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थी की संख्या (791) भी नागौर से लगभग आधी है।

नागौर. हिन्द पब्लिक स्कूल में अच्छे अंक प्राप्त करने पर विद्यार्थियों का मिठाई खिलाकर बधाई देते संस्था निदेशक माणक चौधरी व अन्य।

विज्ञान वर्ग : औसत परिणम गिरा, लेकिन स्थान बरकरार

वर्ष	प्रतिशत	राज्य में स्थान
2014	89.47	प्रथम
2015	95.04	प्रथम
2016	93.77	प्रथम
2017	94.10	प्रथम
2018	91.27	प्रथम

वाणिज्य वर्ग : पहले से 21वें स्थान पर पहुंचा

वर्ष	प्रतिशत	राज्य में स्थान
2014	95.21	तीसरा
2015	91.97	प्रथम
2016	93.36	तीसरा
2017	92.93	सातवां
2018	90.94	इक्कीसवां

बेटियों का परिणाम बेटों से बेहतर

विज्ञान वर्ग की बोर्ड परीक्षा में 10 हजार 654 छात्र एवं 4 हजार 84 छात्राएं बैठी थीं। छात्रों में 9600 उत्तीर्ण हुए, जबकि छात्राओं में 3852 उत्तीर्ण हुईं। इस प्रकार उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का औसत 90.11 प्रतिशत रहा, जबकि छात्राओं का 94.32 प्रतिशत रहा।

बड़े जिलों को पछाड़ा

गौरतलब है कि साक्षरता की दर एवं शिक्षा के क्षेत्र में सीकर, झुंझुनूं, कोटा, जयपुर जैसे जिले नागौर से कहीं आगे है, लेकिन विज्ञान वर्ग के परिणाम में नागौर इन सब जिलों को पछाड़ते हुए प्रदेश में सिरमौर रहा है। गौरतलब है कि नागौर जिला पिछले चार-पांच वर्षों से बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम में टॉप 10 में रहता है।

14738 में से 10363 प्रथम

बारहवीं विज्ञान वर्ग की बोर्ड परीक्षा में नागौर जिले के 14 हजार 911 विद्यार्थी पंजीकृत हुए थे, जिनमें से 14 हजार 738 ने परीक्षा दी। इनमें से 13 हजार 452 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जिनमें 10 हजार 363 विद्यार्थी ऐसे हैं जो प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण हुए हैं।

Education News

नकल का खेल

ढाबे पर नकल, कॉलेज में जमा करवा दी कॉपी

धर्मेंद्र यादव
rajasthanpatrika.com

अलवर. मत्स्य विश्वविद्यालय की बीएड की इंटरनल परीक्षा में शहर के एक ढाबे पर खुले में नकल का खेल चलता देखा गया।

एनईबी के विरमानी शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय की एक प्रशिक्षणार्थी (छात्रा) अलवर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एक ढाबे में लेखराज नाम के विद्यार्थी की उत्तरपुस्तिका में से हूबहू नकल करते मिली। पूरी उत्तर पुस्तिका की नकल करने के बाद छात्रा वहां से निकली। पत्रिका संवाददाता ने प्रशिक्षणार्थी का पीछा किया तो वह एनईबी स्थित विरमानी शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय में पहुंची। वहां एक व्याख्याता को दोनों उत्तर पुस्तिकाएं संभलाई। उसी समय उत्तर पुस्तिकाओं के साथ प्रशिक्षणार्थी व शिक्षक का फोटो किया तो कॉलेज में हड़कम्प मच गया। पहले व्याख्याता बोला कि प्रशिक्षणार्थी अभी ऊपर से परीक्षा देकर आ रही हैं। फिर बोला ये तो इंटरनल एग्जाम हैं। आखिर में यही जवाब दिया कि आप प्राचार्य से बात करें।

> कॉलेज में इंटरनल एग्जाम चल रहे हैं। एक प्रशिक्षणार्थी गलती से किसी दूसरे विद्यार्थी की उत्तरपुस्तिका बाहर लेकर चली गई। नकल जैसी कोई बात नहीं है। यह इंटरनल एग्जाम है। इसमें एक बार अनुपस्थित रहने पर बाद में परीक्षा दिला देते हैं।
>
> **सुनील यादव,** प्राचार्य, विरमानी बीएड कॉलेज अलवर

Education News

मॉडल बनेगा बाड़मेर का इंजीनियरिंग कॉलेज, इसी सत्र से होंगे प्रवेश

1 जून से प्रवेश प्रक्रिया होगी शुरू

पांच विषयों में दिया जाएगा प्रवेश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बाड़मेर . बाड़मेर के इंजीनियरिंग कॉलेज में शिक्षा की उच्च गुणवत्ता मिलेगी। कॉलेज को पूरी तरह मॉडल बनाया जाएगा। पांच विषयों में प्रवेश प्रक्रिया 1 जून से शुरू होगी। जिसमें 300 विद्यार्थियों को वरियता सूची अनुसार प्रवेश मिलेगा। आर्थिक दृष्टि से पिछड़े विद्यार्थियों के लिए 15 सीटे अतिरिक्त हैं। कॉलेज परिसर में गुरुवार से हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। साथ ही प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद जुलाई में पढ़ाई शुरू हो जाएगी। यह जानकारी कॉलेज प्राचार्य डॉ. संदीप रांकावात ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि कॉलेज में अनुभवी प्रोफेसर्स का मार्गदर्शन मिलेगा। साथ ही श्रेष्ठ फेकल्टी की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। शिक्षण व्यवस्था के लिए अस्थायी स्टाफ मिल चुका है। साथ ही कॉलेज बिल्डिंग निर्माण के लिए जोधपुर रोड पर भूमि का आवंटन हुआ है। जहां पीडब्ल्यूडी विभाग जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करेगा। इसके लिए सरकार ने बजट का आवंटन कर दिया है।

विषय	सीटें
पेट्रो केमिकल	60
इलेक्ट्रीकल	60
मैकेनिकल	60
इलैक्ट्रॉनिक	60
सिविल इंजीनियरिंग	60
कुल	**300**

Education News

मायूसी

बॉर्डर से 185 किमी. दूर है विज्ञान वर्ग के स्कूल

सीमावर्ती क्षेत्र की 28 ग्राम पंचायतों में नहीं विज्ञान विषय

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

गडरारोड/बाड़मेर . प्रदेशभर में जहां बारहवीं विज्ञान के परिणाम को लेकर उत्साह था वहां बॉर्डर के विद्यार्थियों में मायूसी रही। यहां 28 ग्राम पंचायतों में 27 उच्च माध्यमिक विद्यालय है लेकिन कहीं पर भी विज्ञान विषय नहीं है। हर साल 5000 से अधिक विद्यार्थी दसवीं उत्तीर्ण करते हैं। इनको विज्ञान विषय की पढ़ाई करनी हो तो उपखण्ड मुख्यालय गडरारोड से 100 किमी दूर बाड़मेर जाना पड़ता है और बॉर्डर की बड़ी ग्राम पंचायत सुंदरा के लोगों के लिए तो बाड़मेर 170 किमी दूर पड़ता है। ऐसे में अधिकांश होनहार विद्यार्थी विज्ञान का मानस छोड़कर कला की पढ़ाई मन मसोस कर करते हैं। आर्थिक पिछड़ापन होने से अभिभावकों के लिए भी बाड़मेर शहर में रखकर विद्यार्थियों को पढ़ाई करवाना मुश्किल नहीं हो रहा है।

उपखण्ड मुख्यालय पर रही है मांग

गडरारोड उपखण्ड मुख्यालय पर विज्ञान वर्ग खोलने की मांग लंबे समय से रही है। यहां से प्रतिभाओं को पढ़ने का समुचित अवसर मिले और विशेषकर बालिकाओं के लिए विज्ञान विषय मुख्यालय पर हों तो सहूलियत रहती है।

विज्ञान विषय तो हो

क्षेत्र में विज्ञान विषय और कॉलेज की मांग लंबे समय से की जा रही है। राज्य सरकार को सीमावर्ती क्षेत्र के लिहाज से प्राथमिकता देनी चाहिए।

- हिन्दूसिंह तामलोर, सरपंच

सरकारी स्कूलों ने जड़ा शतक

बाड़मेर @ पत्रिका. जिले के सरकारी स्कूलों ने विज्ञान और वाणिज्य विषय में करीब 20 विद्यालयों का परिणाम शत प्रतिशत रहा है। निजी स्कूलों की प्रतिस्पर्धा में इन विद्यालयों का परिणाम बेहतर रहने पर ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला है।

यहां रहा शत प्रतिशत परिणाम (विज्ञान)

स्कूल	विद्यार्थी
अंतरीदेवी	2
गांधीचौक	19
बिशाला	2
मोकलसर	7
पचपद्रा	4
सरणू	9

यहां रहा शत प्रतिशत परिणाम (विज्ञान)

स्कूल	विद्यार्थी
धोरीमन्ना	4
पाटोदी	3
भीमथाल	12
हरसाणी फांटा	15
खत्रियों की बेरी	19
साता	13
शिवकर	18
लंगेरा	14
नौसर	14
परेऊ	22
सोहड़ा	22
हरपालिया	7

सभी प्लेटफार्म पर एक ही बात, रिजल्ट

सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम आदि पर रिजल्ट को लेकर ही मैसेज चले। कई बच्चे जो परिजनों से दूर हैं, उनके लिए तो मैसेज ही सबकुछ थे। पेरेंट्स हर पल बच्चों को मैसेज से ही जानकारी ले रहे थे। हर पल की खबर को शेयर किया जा रहा है। कई मैसेज तो ऐसे चल रहे हैं कि अब कितना समय और बचा। कुछ तो बकायदा सुबह से ही परिणाम का काउंटडाउन भी चला रहे थे।

Education News

रीट : नकल गिरोह का पर्दाफाश, अध्यापक सहित 5 गिरफ्तार

मुख्य आरोपी अब भी फरार

फरवरी में थी परीक्षा

डेली न्यूज, पाली। फरवरी माह में हुई रीट परीक्षा में नकल करवाने के लिए पाली आने वाले गिरोह का पुलिस ने राजफाश कर दिया है। पुलिस ने इस प्रकरण में जोधपुर के सालावास निवासी एक अध्यापक सहित पांच जनों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। प्रकरण में कई राज खुल सकते हैं। मुख्य आरोपी जालोर के चितलवाना का युवक फिलहाल फरार है। पुलिस का दावा है कि इस प्रकरण में और भी लोगों के शामिल होने का सामने आ रहा है, पुलिस इसकी तह तक जाने का प्रयास कर रही है। आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

तीन माह बाद खुलासा

पुलिस के अनुसार 11 फरवरी को प्रदेश में रीट परीक्षा हुई थी। इस दौरान पाली में औद्योगिक थाना पुलिस सेंटपॉल स्कूल के पीछे एक फार्म हाउस के बाहर दो कारों कारों में सवार पांच युवक भागने लगे। इस दौरान सालावास निवासी पप्पूसिंह प्रजापत को पुलिस ने पकड़ा। उसकी कार में पुलिस को लेपटॉप, ब्लूटूथ, तीन मोबाइल सहित अन्य सामग्री मिली। उस समय पुलिस ने जोधपुर के सालावास निवासी पप्पू सिंह (30) पुत्र केसाराम प्रजापत को गिरफ्तार किया था। आरोपी पप्पू सिंह कांकाणी के सरकारी स्कूल का अध्यापक भी है। इस प्रकरण में आरोपी पप्पू सिंह, चितलवाना जालोर निवासी राजूराम विश्नोई, किशनाराम उर्फ कृष्ण विश्नोई व अभ्यर्थी सुरेश व अशोक पटेल को गिरफ्तार किया।

Education News

प्रश्न लिखकर बाहर लाने पर दर्ज होगा केस

एम्स परीक्षा 26 और 27 को

डेली न्यूज

कोटा ▷ 23 मई

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली की ओर से मेडिकल प्रवेश परीक्षा एम्स-2018 का आयोजन 26 व 27 मई को किया जाएगा। राजस्थान सहित देश के 32 राज्यों में 155 केंद्रों पर परीक्षा होगी। राजस्थान में कोटा, अजमेर, अलवर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर व सीकर में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में एजुकेशन हब कोटा के करीब 40 हजार विद्यार्थियों सहित देशभर के करीब 3 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा ऑनलाइन मोड पर होगी। इससे छात्रों को एम्स नई दिल्ली, भोपाल, जोधपुर, ऋषिकेश, भुवनेश्वर, पटना, गुंटूर, नागपुर, रायपुर के मेडिकल कॉलेजों में दाखिला मिलेगा। परीक्षा देश के विभिन्न संस्थानों में 807 एमबीबीएस सीटों के लिए होगी।

दो पारियों में होगी परीक्षा

परीक्षा की अवधि साढ़े तीन घंटे की होगी। सुबह 9 बजे से दोपहर 12.30 बजे एवं दोपहर 3 बजे से शाम 6.30 बजे तक दो पारियों में परीक्षा होगी। परीक्षा में कुल 200 बहु वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएंगे। सही उत्तर के लिए एक अंक मिलेगा, वहीं गलत जवाब पर एक तिहाई अंक कटेगा। रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान से 60-60 प्रश्न पूछे जाएंगे। सामान्य ज्ञान से 20 प्रश्न आएंगे।

रफ वर्क के लिए पेपर शीट

कॅरिअर काउंसलर देव शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों में अक्सर यह भ्रांति है कि प्रवेश पत्र के पिछले हिस्से के अलावा रफवर्क के लिए कोई पेपर शीट नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं है। रफवर्क के लिए एक शीट प्रदान की जाएगी। यह रफशीट परीक्षा समाप्ति पर वापस ले ली जाएगी। प्रश्न पत्र से प्रश्न लिखकर बाहर ले जाने का कृत्य आपराधिक श्रेणी में माना जाएगा। ऐसा करने वाले स्टूडेंट के खिलाफमामला दर्ज होगा। परीक्षा में प्रश्न पत्र की भाषा बदलाव की सुविधा नहीं मिलेगी।

एम्स परीक्षा परिणाम 18 जून को

शर्मा ने बताया कि एम्स परीक्षा परिणाम 18 जून को घोषित होगा। इसके बाद मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया आरंभ होगी। काउंसलिंग का पहला चरण 3 से 6 जुलाई तक चलेगा। दूसरा चरण 2 अगस्त, तीसरा चरण 4 सितम्बर को रहेगा।

Education News

अभाव पीछे छोड़ प्रतिभाओं ने लहरा दिए परचम

12वीं विज्ञान वर्ग के परिणाम में निखरे जयपुर के छात्र

किसी के पिता मजदूरी पेशा, तो कोई किसान का बेटा

डेली न्यूज

जयपुर ▷ 23 मई

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से बुधवार को जारी हुए परिणामों में परीक्षार्थियों ने अच्छी पर्सेंटेज हासिल की है। कोई बड़ा होकर डॉक्टर, इंजीनियर बनना चाहता है तो कोई प्रशासनिक सेवा में जाकर देश की सेवा करना चाहता है। यूं तो परीक्षार्थियों ने 98 फीसदी तक अंक हासिल किए हैं, कुछ होनहारों ऐसे भी है, जिन्होंने अभावों के बावजूद अच्छे अंक हासिल किए हैं।

मो. अबरार : पिता के सपनों में भरा रंग

रामगढ़ मोड़ निवासी मोहम्मद अबरार ने विज्ञान वर्ग में 94.80 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। अबरार के पिता मो. इस्लाम कपड़े रंगाई का काम करते हैं। महीने में बमुश्किल 10 हजार रुपए कमा पाते हैं। अबरार के दो छोटे भाई-बहन हैं। अबरार ने बताया कि वह डॉक्टर बनना चाहता है और एमबीबीएस की तैयारी कर रहा है। अबरार का कहना है कि अभी उसके रोजे चल रहे हैं और अल्लाह से अच्छे नंबर की ही दुआ की थी, जो कबूल हुई।

सूरज : आंख एक, लेकिन हौसला दुगना

सांगानेर स्थित एक निजी स्कूल के छात्र सूरजप्रकाश सैनी ने विज्ञान वर्ग में 92.60% अंक हासिल किए। सूरज दिव्यांग है और वह एक आंख से देख नहीं पाता। इसके बावजूद उसने अपनी कमजोरी को ताकत बनाया और यह लक्ष्य हासिल किया। सूरज ने बताया कि उसके पिता बाबूलाल सैनी टोंक फाटक के पास सब्जी बेचते है और उसने यह उपलब्धि हासिल कर अपने माता-पिता का सपना पूरा किया है। सूरज ने हाल ही में जेईई मेस परीक्षा पास की थी और अभी जेईई एडवांस की परीक्षा दी है। वह बड़ा होकर प्रशासनिक सेवा में जाना चाहता है।

मुकुट: किसान का बेटा बनना चाहता है इंजीनियर

सांगानेर की ही निजी स्कूल में पढ़ने वाले मुकुट गुर्जर ने विज्ञान में 92.40% अंक हासिल किए हैं। मुकुट के पिता किसान है और वह भी उनकी खेती में उनकी मदद करता है। पूरा परिवार खेती पर ही निर्भर है। मुकुट ने बताया कि उसके पिता की इच्छा है कि वह बड़ा होकर इंजीनियर बने। इसके लिए उसने 10वीं कक्षा के बाद विज्ञान-गणित विषय चुना और पढ़ाई शुरू की। हालही में उसने जेईई मेस एग्जाम क्लीयर किया है और वह आईआईटी में दाखिला लेना चाहता है।

Education News

साठ फीसदी स्कूलों में भी नहीं बच्चों के लिए खेल की जगह

Education News

पत्रिका मुद्दा

हमें चाहिए खेल मैदान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर. गली-मोहल्लों के साथ स्कूलों में भी खेल मैदान सिमट रहे हैं। बच्चे न तो गली-मोहल्लों में बाहरी खेल खेल पा रहे हैं, न स्कूलों में। प्रदेश के करीब 60 फीसदी स्कूलों में खेल मैदान ही नहीं है। ऐसे में स्कूल के 5-7 घंटों में खेलों के नाम पर कोई गतिविधि नहीं होती। कई स्कूलों में इनडोर गेम्स खिलाकर खानापूर्ति की जा रही है।

निजी में ज्यादा खराब

शिक्षा विभाग की डाइस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार 43 फीसदी सरकारी स्कूलों में मैदान है। बाकी करीब 65 हजार स्कूलों में से करीब 28786 में ही मैदान है। निजी स्कूलों की हालत ज्यादा खराब है। केवल 35 प्रतिशत स्कूलों में ही खेलने के लिए पर्याप्त स्थान है। जबकि 65 प्रतिशत स्कूल केवल मकान जैसे स्थानों पर चल रहे हैं।

कहां खेलें हम

आधे से अधिक सरकारी व निजी स्कूलों में नहीं सुविधा

खेलने के लिए न स्कूल में जगह है, न कॉलोनी में। स्कूल में बस एक कमरा है, जहां एक-दो गेम ही खेल सकते हैं।
हर्षित टेलर, 9 साल

स्कूल में बस पढ़ाई होती है और घर पर खेलने की जगह नहीं है। गर्मी की छुट्टी में भी नहीं खेल पा रहे हैं।
-अभिषेक, 10 साल

आरटीई खेल मैदान आवश्यक

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत स्कूलों में बच्चों के बाहरी गेम्स खेलने के लिए स्थान होना अनिवार्य है। हालांकि वर्ष 2012 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नियमों में कुछ छूट देते हुए स्कूलों को थोड़ी सहूलियत दी थी। इसके तहत स्कूल परिसर में खेल मैदान होना आवश्यक नहीं है मगर बच्चों को आसपास के पार्क या अन्य मैदान में नियमित तौर पर खेल खिलाना जरूरी है।

गुर्जर ने समझाइश कर जाम | महिलाएं व बच्चे भी सड़कों पर | जहाजपुर प्रधान के नहीं पहुंचने पर | तीन पानी के टैंकरों से जलापूर्ति | गांव

आदेश

बच्चे नहीं बजाएंगे घंटी, झाड़ू से मिलेगा छुटकारा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

टोंक. जिले के माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में भी अब सहायककर्मी लग सकेंगे। इसके निर्देश माध्यमिक शिक्षा बीकानेर निदेशक ने जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए है। ऐसे में अब विद्यार्थियों को विद्यालय में झाड़ू नहीं पकड़नी पड़ेगी। जबकि सहायककर्मियों की कमी के चलते विद्यालय परिसरों की सफाई व्यवस्था अब तक विद्यार्थियों के भरोसे थी।

उल्लेखनीय है कि जिले के माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में सहायक कर्मियों का टोटा है। हालात यह है कि दो दशक से सहायक कर्मियों की भर्ती तक नहीं की गई। इस बीच लगे कर्मचारी भी समय बीतने के साथ सेवानिवृत्त होते गए। ऐसे में स्कूलों की सफाई व्यवस्था विद्यार्थियों के भरोसे थी। निर्धारित समय पर घंटे लगाना व शिक्षकों के जलपान की व्यवस्था भी विद्यार्थियों पर निर्भर है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक जिले के डेढ़ सौ से अधिक विद्यालयों में सहायक कर्मचारियों के पद रिक्त चले आ रहे हैं। जबकि 18 जून से विद्यालयों में फिर से नए सत्र की कक्षाएं शुरू होने लगेगी।

माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में लगेंगे सहायककर्मी

विद्यार्थियों के भरोसे थी सफाई

हां बीकानेर निदेशालय से आदेश मिले हैं। सभी संस्था प्रभारियों इसी सत्र से पार्टटाइम पर सफाईकर्मी रखने के लिए निर्देशित किया जा रहा है।

खुशीराम रावत, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक टोंक।

जिले में माध्यमिक स्तरीय विद्यालय

ब्लॉक	विद्यालय
टोंक	105
टोडारायसिंह	18
मालपुरा	46
देवली	36
उनियारा	30
निवाई	50

अंशकालिक लगेंगे, मिलेंगे 1200 रुपए

विद्यालय परिसर, कक्षा-कक्ष, शौचालय की नियमित साफ सफाई के लिए विद्यालय संस्था प्रधान 18 जून से सत्र प्रारम्भ होने के साथ अंशकालिक रूप से 1200 रुपए में सहायककर्मी रख सकेंगे। इसके लिए विद्यालय प्रबन्धन समिति(एसएमसी) या विद्यालय कोष एवं प्रबन्धन समिति (एसडीएमसी) की विशेष बैठक आयोजित कर इनकी सहमति से अधिकतम 1200 रुपए प्रति माह व कम से कम चार घंटे के लिए कार्मिक रख सकेंगे। इसके अलावा सहायक सामग्री झाड़ू, पानी टंकी, फिनाइल व साबुन आदि की व्यवस्था भी करनी होगी।

Education News

वरिष्ठ शिक्षकों का अनशन जारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बीकानेर. राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा के तत्वावधान में वरिष्ठ शिक्षकों आमरण अनशन बुधवार को शिक्षा निदेशालय के सामने जारी रहा।

आमरण अनशन पर ओमप्रकाश अटवाल, नीरज कुमार शर्मा, लक्ष्मण कुमार, मुनिराम, सोमदत्त बिश्नोई बैठे। राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा के प्रदेश उप सभाध्यक्ष व संयुक्त कर्मचारी जिला उपाध्यक्ष मोहरसिंह सलावद ने बताया कि बुधवार को प्रदेशाध्यक्ष भैरूराम चौधरी व संयुक्त कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष जयकिशन पारीक के नेतृत्व में निदेशालय से उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर के कार्यालय तक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद उपनिदेशक महावीरसिंह पूनिया को ज्ञापन सौंपा गया।

धरने पर गजेंद्र कुमार शर्मा, राजपाल फोगाट, बजरंग लोयल आदि उपस्थित रहे।

Education News

वाणिज्य में 89.69 फीसदी तथा विज्ञान में 77.96 फीसदी रहा परिणाम

बेटियां हमारी 'फर्स्ट क्लास' परिणाम में मारी बाजी

चित्तौड़गढ़ PLUS
rajasthanpatrika.com

चित्तौड़गढ़. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से बुधवार को जारी कक्षा 12 वाणिज्य व विज्ञान संकाय के परिणाम में चित्तौड़गढ़ जिले में एक बार फिर बेटियों ने श्रेष्ठता साबित कर दी है। वाणिज्य एवं विज्ञान दोनों संकायों में बेटियों का परीक्षा परिणाम बेटों से बेहतर रहा है। खास बात ये भी है कि दोनों संकायों में पचास फीसदी से अधिक छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई जबकि छात्रों में द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण होने वालों की संख्या अधिक रही। पिछले वर्ष की तुलना में वाणिज्य वर्ग का परिणाम बढ़ा वहीं विज्ञान वर्ग का परिणाम इस बार फिर घट गया।

जिले का वाणिज्य में 89.69 फीसदी तथा विज्ञान में 77.96 फीसदी परिणाम रहा। वहीं गत वर्ष वाणिज्य वर्ग का परिणाम 89.69 फीसदी था वही विज्ञान वर्ग का परिणाम 79.94 फीसदी था। शाम को जैसे ही बोर्ड की ओर से परिणाम जारी हुआ विद्यार्थी अपना रोल नंबर इंटरनेट पर सर्च करने में जुट गए। परिणाम जारी होने के बाद कई विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशियों की लहर दौड़ पड़ी तो कई आशाजनक परिणाम नहीं मिलने से परेशान दिखे। जिले में विज्ञान संकाय में 74.78 प्रतिशत छात्रों की तुलना में बेटियों का सफलता प्रतिशत 83.35 रहा। इसी तरह वाणिज्य संकाय में 88.39 प्रतिशत बेटों की तुलना में 92.01 प्रतिशत बेटियों ने सफलता का परचम फहराया।

चित्तौड़गढ़ में बाहरवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम आने के बाद खुशी मनाते बच्चे।

Education News

विज्ञान में पिछड़े

2016	80.67
2017	79.94
2018	77.96

कॉमर्स में आगे बढ़े

2016	84.30
2017	88.89
2018	89.96

कितने प्रतिशत अंक बने

परिणाम जारी होते हुए विद्यार्थी अपने मित्रों से तो परिणाम की जानकारी लेते रहे। विद्यार्थियों से भी अभिभावक अधिक उत्साह में दिखे। अभिभावक भी अपने अधिकारियों व मित्रों को अपने बच्चे के अच्छे अंकों से पास होने की सूचना देकर खुशी जाहिर करते रहे देर रात तक रिश्तेदार भी फोन पर कितने प्रतिशत बने इसकी सूचना मांगते रहे। कई बच्चो ने अच्छे अंकों से पास होने के बाद सोशल मीडिया पर भी पोस्ट डालते रहे।

आधी से अधिक छात्राएं प्रथम श्रेणी में

विज्ञान संकाय

श्रेणी	छात्र	छात्राएं
प्रथम	485	478
द्वितीय	599	245
तृतीय	07	01
पास	15	02
कुल	1106	726

वाणिज्य संकाय

श्रेणी	छात्र	छात्राएं
प्रथम	161	153
द्वितीय	280	121
तृतीय	54	14
कुल	495	288

डाक सेवक

आज यहां बिजली बंद रहेगी

ज्योति ने बढ़ाया जिले का गौरव

राजस्थान बोर्ड रोकेगा परिणाम : माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जताई नाराजगी

एक हजार से अधिक स्कूलों ने नहीं भेजे बच्चों के सत्रांक

कहा-स्कूल बिगाड़ रहे बच्चों का भविष्य

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

उदयपुर . राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा हुए लम्बा समय बीत गया, परिणाम आने शुरू हो गए, लेकिन अभी तक प्रदेश के करीब एक हजार स्कूलों ने बच्चों के सत्रांक ऑनलाइन नहीं किए हैं। ऐसे में बोर्ड ऐसे हजारों बच्चों के परिणाम रोकने की तैयारी कर रहा है। उल्लेखनीय है कि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षा के ऑनलाइन सत्रांक भरने के लिए 8 अप्रेल तक एक माह का समय दिया गया था। दूसरी ओर विलम्ब शुल्क के साथ 15 अप्रेल और दुगुने शुल्क के साथ 22 अप्रेल किया गया। तीन बार मौका मिलने पर भी स्कूलों ने लापरवाही से सत्रांक ऑनलाइन नहीं किए। ऐसे में माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि स्कूल ही बच्चों का भविष्य बिगाड़ रहे हैं। अकेले उदयपुर जिले में ही 210 स्कूलों ने अपने बच्चों के सत्रांक ऑनलाइन नहीं किए हैं।

संभाग के 360 स्कूल	
उदयपुर	210
बांसवाड़ा	54
चित्तौड़गढ़	43
प्रतापगढ़	42
राजसमन्द	07
डूंगरपुर	04

स्कूलों को चेताया कि खुद जिम्मेदार

निदेशक नथमल डिडेल ने स्कूलों को चेताया है कि यदि 25 मई तक ये सत्रांक ऑनलाइन नहीं किए गए, तो स्कूल स्वयं बच्चे के परीक्षा परिणाम रुकने के लिए जिम्मेदार होंगे। इतना ही नहीं यदि बच्चे का परिणाम रुकता है, तो आगे उसके प्रवेश से लेकर अन्य कई कार्य प्रभावित होते हैं, इसकी जिम्मेदारी भी स्कूलों को ही उठानी होगी। डिडेल ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आगाह किया है कि जिम्मेदारी के साथ ये कार्य पूर्ण हो, यदि नहीं होता है तो संबंधित प्रधानाचार्य के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई का तत्काल प्रस्ताव भेजा जाए।

सिस्टम में परेशानी के कारण ये स्थिति बनी है, बोर्ड में तत्काल सूचना देकर इसे ठीक करेंगे। ऑनलाइन में लॉक होने में कुछ परेशानी है, हम जल्द इसका निरोकरण निकाल रहे है, किसी बच्चे का नुकसान नहीं होने देंगे।

नरेश डांगी, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक प्रथम,उदयपुर

ये संख्या वाकई चौकाने वाली है, जिन जिलों के सत्रांक ऑनलाइन दर्ज नहीं हुए है, उन डीईओ को पैनल्टी भरनी होगी। बोर्ड बगैर पैनल्टी के सत्रांक मंजूर नहीं करेगा। तत्काल सभी डीईओ को तीन दिन के निर्देश दिए है, कि जरूरत पर व्यक्तिशः सत्रांक भेजकर बच्चों को नुकसान से बचाए।

भरत मेहता, उपनिदेशक माध्यमिक उदयपुर संभाग

Education News

शिविर की कमियों सुधारने के निर्देश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

गींगला पत्र. कुराबड़ ब्लॉक के बेमला में चल रहे ब्लॉक स्तरीय छह दिवसीय विषय आधारित ग्रीष्मकालीन आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को सहायक जिला कार्यक्रम समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान एवं रमसा मुरली चौबीसा ने निरीक्षण कर संभागियों से व्यवस्थाएं जानकर कोर ग्रुप की बैठक लेकर निर्देश दिए।

गौरतलब है कि राजस्थान पत्रिका के बुधवार के अंक में 'शिविर में अव्यवस्था पर शिक्षकों में आक्रोश' शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर शहर से दूर शिविर में होने वाली समस्याओं को उजागर किया था। खबर प्रकाशन के बाद बुधवार को उदयपुर से सर्व शिक्षा अभियान के एडीपीसी मुरली चौबीसा बेमला प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचे और शिविर स्थल का निरीक्षण कर संभागी शिक्षकों से जानकारी ली। जिसमें पाया गया कि पहले दिन कुछ समस्या हुई, लेकिन बीईईओ जयंतीलाल चौबीसा ने उन्हें दूर करने का प्रयास किया गया। इसके बाद उन्होंने केआरपी से प्रशिक्षण कोर की भी जानकारी ली। आवास, भोजन आदि भी देखा गया। वल्लभनगर विधायक रणधीर सिंह भींडर ने भी बेमला में जनसुनवाई के बाद शिविर का जायजा लिया। इस दौरान बीईईओ चौबीसा, शिविर प्रभारी चतरसिंह राठौड़, चम्पालाल शर्मा, देवीसिंह राठौड़ आदि मौजूद थे।

बेमला में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का संभागी शिक्षकों से जायजा लेते एडीपीसी। इनसेट : बैठक लेते हुए। गींगला

कोर ग्रुप की बैठक

इसके बाद एडीपीसी चौबीसा ने प्रशिक्षण स्थल पर एक कक्ष में समीक्षा बैठक ली। जिसमें सभी केआरपी, व्यवस्थापक, बीईईओ और संभागी शिक्षकों के प्रतिनिधि शामिल रहे। आवास, भोजन, प्रशिक्षण स्थल सहित शिक्षण सामग्री, पाठ्यक्रम कोर, प्रोजेक्टर, नवीन शिक्षण सामग्री आदि पर चर्चा कर फीडबैक लिया। आवास व्यवस्था की एक समिति का गठन किया जो नियमित देखरेख करेगी। कूलर भी सही लगवाए गए। आवास स्थल पर जनरेटर की व्यवस्था कर दी गई। भोजन में मिठाई नहीं होना पाया गया। इस पर ठेकेदार को पाबंद किया और एक समिति का गठन कर प्रतिदिन भोजन व्यवस्था की निगरानी कर गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाएगा। इस कमेटी में छगनलाल शर्मा, ईश्वरसिंह राठौड़, ओमप्रकाश चौधरी, गंगा जैन आदि को शामिल किया गया।

कमियां पाई...

"कुराबड़ ब्लॉक के शिविर का निरीक्षण किया और जो कमियां पाई गई, उन्हें सुधार किया गया है और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। शहर से दूर समिति सदस्यों की राय पर हुआ है और अगली बार इससे अधिक उपयुक्त और नजदीक स्थान मिल जाएगा तो वहां करवा लेंगे। इसके अलावा भोजन, आवास व्यवस्था के लिए कमेटी है, जो प्रतिदिन निरीक्षण करती है। कोर ग्रुप की बैठक कर सभी से जानकारी ली और अच्छा प्रशिक्षण शिविर आयोजित हो इसी लिए सभी को कहा गया।

मुरली चौबीसा, एडीपीसी, एसएसए उदयपुर

कलक्टर ने ली जानकारी

Education News

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

सत्रांक से हजारों विद्यार्थियों के परिणाम पर संकट

पत्रिका

एक्सक्लूसिव

रोका जा सकता है परिणाम

दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड का मामला

शिक्षा निदेशालय भी हुआ सख्त

वरुण भट्ट
rajasthanpatrika.com

बांसवाड़ा. प्रदेश में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक के हजारों विद्यार्थियों का इस बार परिणाम अटक सकता है। इसकी वजह संस्था प्रधानों की लापरवाही है, जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से तय समय में परीक्षार्थियों के ऑनलाइन सत्रांक ही प्रस्तुत नहीं किए। इसमें मुख्य रूप से दसवीं की परीक्षा के सत्रांक कई विद्यालयों ने नहीं भेजे हैं। अकेले बांसवाड़ा जिले के 50 से अधिक विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थी शामिल हैं।

यह है मामला

बोर्ड की ओर से माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा 2018 के ऑनलाइन सत्रांक प्रस्तुत करने के निर्देश देकर 8 अप्रेल 2018 तक एक माह का समय दिया गया था। इसके बाद विलंब शुल्क के साथ 15 अप्रेल एवं दुगुने विलंब शुल्क के साथ 22 अप्रेल तक समय दिया था।

इसके बाद भी बोर्ड ने 27 अप्रेल को व्यक्तिशः उपस्थित होकर विलंब शुल्क के साथ सत्रांक प्रस्तुत करने का एक और अवसर दिया था, लेकिन कई संस्था प्रधानों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

दो सूचियां की तैयार

ऑनलाइन सत्रांक के लिए तीन अवसर देने के अब बोर्ड ने दो सूचियां तैयार की हैं। एक में ऑनलाइन सत्रांक नहीं भरने वाले तथा दूसरी में आंशिक रूप से सत्रांक प्रस्तुत करने वाले विद्यालय शामिल हैं। ये सूची संस्था प्रधानों के पास पहुंचने के बाद हड़कंप मच गया हैऔर वे सत्रांक प्रस्तुत करने में जुटे हुए हैं।

अब गिरेगी गाज

शिक्षा निदेशक बीकानेर ने जिला शिक्षा अधिकारियों को भी पत्र भेजा है, जिसमें तीन दिन में सत्रांक प्रस्तुत कराने का कार्य कराने व लापरवाह संस्था प्रधानों व कर्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए हैं।

इनका कहना है

लाखों विद्यार्थियों का परिणाम तैयार करना होता है, ऐसे में समयबद्ध प्रक्रिया को लेकर निर्देश जारी किए थे। चार मौके देने के बावजूद कई विद्यालयों ने सत्रांक की जानकारी नहीं भेजी है। अब संस्था प्रधानों को बोर्ड जल्द विवरण देना होगा, ताकि आगे की प्रक्रिया पूरी हो सके।

जीके माथुर, उपनिदेशक गोपनीय, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

Education News

देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना

फर्जीवाड़ा प्रमाणित, दस छात्राओं की स्कूटी निरस्त

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने जारी किए आदेश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बांसवाड़ा. प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के तहत 10 छात्राओं का स्वीकृत की गई स्कूटी निरस्त कर दी गई है। इसमे बांसवाड़ा शहर के हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय की एक छात्रा भी शामिल है, जिसने माध्यमिक स्तर पर स्कूटी प्राप्त करने के बाद कॉलेज से फिर से स्कूटी के लिए फर्जी दस्तावेज के जरिए आवेदन किया था। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने गौरतलब है कि राजस्थान पत्रिका के 7 व 8 मई 2018 के अंक में मामला उजागर होने के बाद इसकी जानकारी आयुक्तालय तक भी पहुंची और अलग-अलग कारण बताते हुए 21 मई को स्कटी निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। बताया गया कि उदयपुर के मीरा गर्ल्स कॉलेज मे भी ऐसे ही मामले में कार्रवाई हुई है। इसके अलावा महारानी कॉलेज जयपुर में भी एक छात्रा के इंस्पायर अवार्ड स्कालरशिप में चयन के कारण स्कूटी रोक दी गई है। सात अन्य छात्राओं की स्कूटी आवेदन नहीं करने, बीएसटीसी में चयन, आवेदन के बाद परीक्षा नहीं देने के कारण निरस्त की गई है।

इधर, कार्रवाई का इंतजार

मेधावी बालिका स्कूटी योजना में आयुक्तालय स्तर पर कोई कारवाई नहीं की गई है, जबकि जिले में इस योजना में भी फर्जीवाड़ा उजागर हो चुका है।

Education News

5 जून को जारी होगा नीट का परिणाम

अजमेर @ पत्रिका. सीबीएसई के तत्वावधान में आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एन्ट्रेंस टेस्ट (नीट) का परिणाम 5 जून को जारी होगा। इसमें पास होने वाले विद्यार्थियों को वरीयता के अनुसार मेडिकल और डेंटल कॉलेज में प्रवेश मिलेंगे।सीबीएसई ने बीती 6 मई को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एन्ट्रेंस टेस्ट (नीट) परीक्षा कराई। पूरे देश में 13 लाख 26 हजार 72 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें से करीब 12 लाख से ज्यादा विद्यार्थी परीक्षा में बैठे। इनका परिणाम 5 जून को घोषित होगा। उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को वरीयता के अनुसार मेडिकल और डेंटल कॉलेज की 56 हजार से ज्यादा सीट पर प्रवेश मिलेंगे।

कई विद्यार्थी नहीं दे पाए परीक्षा

पूरे देश में करीब 1 लाख से ज्यादा विद्यार्थी नीट की परीक्षा में नहीं बैठ पाए। इनमें परीक्षा केंद्रों पर देरी से पहुंचने, खराब स्वास्थ्य और अन्य कारणों से अनुपस्थिति वाले विद्यार्थी शामिल है। मालूम हो कि सीबीएसई ने 6 मई को आयोजित नीट परीक्षा में सुबह 9.30 बजे बाद किसी भी स्थिति में विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिए थे।

एक-दो दिन में जारी होगी परिणाम की तिथि

परिणाम को अंतिम रूप देने में जुटा सीबीएसई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

अजमेर. सीबीएसई बारहवीं और दसवीं कक्षा के परिणाम को अंतिम रूप देने में जुट गया है। एक-दो दिन में नतीजे की तिथि जारी होगी। संभवत: पहले बारहवीं और उसके बाद दसवीं का परिणाम जारी होगा।

अजमेर, इलाहाबाद, चैन्नई, नई दिल्ली, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, पटना, देहरादून रीजन में बारहवीं और दसवीं कक्षा के 28 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है। सभी रीजन के बारहवीं के परिणाम की समीक्षा शुरू हो गई है। नियमानुसार सबसे पहले बोर्ड की रिजल्ट कमेटी की बैठक होगी। इसमें परिणाम को मंजूरी दी जाएगी। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि एक-दो दिन में बोर्ड परिणाम की तिथि जारी करेगा।

परीक्षा में आई कई परेशानी

बोर्ड और विद्यार्थी इस बार काफी तनाव में रहे थे। मार्च में दसवीं का गणित और बारहवीं का इकोनॉमिक्स का पेपर आउट हुआ था। इस घटना ने देश में हलचल मचा दी। जांच और तथ्यों के आकलन के बाद गणित का पेपर दोबारा नहीं कराने का फैसला हुआ। अलबत्ता बारहवीं का इकोनोमिक्स विषय का पेपर 25 अप्रेल को कराया गया। इसी तरह भारत बंद के चलते पंजाब में दसवीं और बारहवीं के कुछ विषयों के पेपर 27 अप्रेल को कराए गए थे।

फैक्ट फाइल

सीबीएसई के रीजन : अजमेर, नई दिल्ली, इलाहाबाद, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, देहरादून, पंचकुला, गुवाहाटी, पटना, भुवनेश्वर

कुल पंजीकृत विद्यार्थी : 28 लाख

अजमेर रीजन में विद्यार्थी : दसवीं में 1 लाख 81 हजार 304, बारहवीं में 1 लाख 43 हजार 228

Education News

5 जून को जारी होगा नीट का परिणाम

शिक्षकों के पदस्थापन आदेश जारी

गणित विषय में कुल 202 में से 195 उपस्थित, सात अनुपस्थित

अजमेर शिक्षा विभाग अजमेर मंडल में तृतीय श्रेणी से द्वितीय श्रेणी में पदोन्नत गणित विषय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का परामर्श शिविर (काउंसलिंग) बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तोपदड़ा में आयोजित किया गया। कुल 202 शिक्षकों में से 195 उपस्थित हुए तथा सात अनुपस्थित रहे। उपस्थित शिक्षकों को उनकी ओर से चयन किए गए विद्यालयों एवं शेष को विभाग के मंशा के अनुरूप पदस्थापन आदेश जारी कर दिए गए।

उप निदेशक सीताराम गर्ग ने बताया कि सुबह 9 बजे रजिस्ट्रेशन के बाद ऑनलाइन काउंसलिंग हुई। स्क्रीन पर दर्शाए गए अजमेर, नागौर, टोंक, भीलवाड़ा के रिक्त पद वाले विद्यालयों का वरीयता अनुसार शिक्षक-शिक्षिकाओं ने चयन किया। इसमें निःशक्त, विधवा, परित्यक्ता, महिला एवं बाद में शिक्षकों ने विद्यालयों का चयन किया। प्रभारी रमेश कुमार दायमा के अनुसार शाम को इन सभी शिक्षकों को चयन किए गए विद्यालयों एवं अनुपस्थित सातों अभ्यार्थियों को भी विभाग की ओर से रिक्त पदों वाले विद्यालयों में पदस्थापन आदेश जारी कर दिए गए।

आज संस्कृत एवं सिन्धी की काउंसलिंग : गुरुवार को संस्कृत के 153 एवं सिन्धी के एक पद के लिए काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को 9 बजे रजिस्ट्रेशन करवाना होगा।

Education News

सट्टे की

कार्यालय श्री साँवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

विभाग आया हरकत में, शिक्षक का तबादला निरस्त

तृतीय श्रेणी का द्वितीय श्रेणी में तबादला प्रकरण : माध्यमिक शिक्षा अजमेर मंडल के उप निदेशक गर्ग ने की कार्रवाई

23 मई को प्रकाशित खबर।

अजमेर. जिले के पीसांगन ब्लॉक में कार्यरत तृतीय श्रेणी के शिक्षक का द्वितीय श्रेणी में गलत तरीके से हुए तबादले को बुधवार निरस्त कर दिया गया। माध्यमिक शिक्षा अजमेर मंडल के उप निदेशक सीताराम गर्ग ने शिक्षक एवं प्रारंभिक शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड की जांच के बाद तबादला निरस्त के आदेश जारी कर दिए हैं। तथ्य छुपा कर शिक्षक का तबादला करने से संबंधित मामला राजस्थान पत्रिका में उजागर होने के बाद शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। उप निदेशक गर्ग ने बताया कि संबंधित शिक्षक की ओर से पातेय वेतन पर तृतीय श्रेणी में कार्यरत होने के बावजूद प्रारंभिक शिक्षा विभाग में गलत तथ्य एवं सूचना दी। वहीं इस संबंध में रिकॉर्ड भी जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा के अधीन रहता है। प्रारंभिक शिक्षा विभाग में अगर समय रहते रिकॉर्ड की जांच हो जाती तो इस तरह की गड़बड़ी उत्पन्न नहीं होती। शिक्षक की ओर से भी तथ्य छिपाए गए। पीसांगन ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कंवलाई में पातेय वेतन पर कार्यवाहक प्रधानाध्यापक देवेन्द्र रांकावत तृतीय श्रेणी में ही हैं, और पातेय वेतन के पद पर वे कार्यवाहक प्रधानाध्यापक हैं। ऐसे में द्वितीय श्रेणी में तबादले के लिए मान्य भी नहीं थे। मगर गलत तथ्यों के आधार पर उनका तबादला द्वितीय श्रेणी की सूची में हो गया, जबकि विभागीय डीपीसी में सामाजिक विज्ञान विषय की सूची में भी उनका नाम है। आगामी 26 मई को सामाजिक विज्ञान विषय की काउंसलिंग प्रस्तावित है। पीसांगन के बीईईओ राजेन्द्र सिंह ने कहा कि पीईईओ की ओर से रांकावत को दुबारा यथास्थान ज्वॉइन करवा दिया है।

Education News

मिशन एडमिशन

एनआईआरडी, हैदराबाद से रूरल मैनेजमेंट में करें पीजी डिप्लोमा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज, हैदराबाद ने दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मैनेजमेंट में एडमिशन के लिए आवेदन मांगे हैं। कैंडिडेट का चयन कैट/एक्सएटी/मैट 2018 के स्कोर के आधार पर किया जाएगा। कैंडिडेट आवेदन करने के लिए ऑनलाइन अप्लाई करें।

आवेदन की अंतिम तिथि:
15 जून, 2018

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातक 50 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। एसटी, एससी और दिव्यांगों के लिए 45 फीसदी अंक अनिवार्य है।

यहां नोटिफिकेशन देखें :
http://www.nird.org.in/nird_docs/pgdrdm/pgdrdm050518-modi.pdf

यहां ऑनलाइन आवेदन करें :
http://www.nird.org.in/pgdrdm.aspx

Education News

डेट रिमाइंडर

- **यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी)**
  पद : असिस्टेंट डायरेक्टर, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, साइंटिस्ट व अन्य पद (18)
  आवेदन की अंतिम तिथि : 31 मई, 2018
- **बिहार पुलिस रिक्रूटमेंट**
  पद : एक्साइज सब-इंस्पेक्टर (126)
  आवेदन की अंतिम तिथि : 30 जून, 2018
- **मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर**
  पद : लॉ क्लर्क कम रिसर्च असिस्टेंट (15)
  आवेदन की अंतिम तिथि : 13 जून, 2018
- **बिहार स्टेट पावर कंपनी लिमिटेड**
  पद : असिस्टेंट (90)
  आवेदन की अंतिम तिथि : 29 मई, 2018

रीडर्स कनेक्ट ईमेल से बताएं इस कॉलम से जुड़े सवाल और अपनी राय

ईमेल : sundayspecial.team@in.patrika.com

मिनी मी नेक्स्ट लिखकर अपने सुझाव भेजें

एसएससी-सीजीएल-2018

सरकारी सेवाओं में कॅरियर बनाने के लिए करें अप्लाई

ऐसे कैंडिडेट्स जो ग्रेजुएशन के बाद सरकारी नौकरी चाहते हैं वे एसएससी-सीजीएल के लिए अप्लाई कर सकते हैं। स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) एग्जाम-2018 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके लिए कैंडिडेट 4 जून 2018 तक आवेदन कर सकते हैं। सीजीएल की प्रारंभिक परीक्षा (टियर-1) 24 जुलाई से 20 अगस्त 2018 के बीच कराई जाएगी। जानते हैं योग्यता और एग्जाम पैटर्न के बारे में...

एग्जाम पैटर्न

परीक्षा चार चरणों में ली जाएगी। टियर-1 और टियर-2 कम्प्यूटर बेस्ड एग्जाम होगा। टियर-3 एग्जाम पेन और पेपर मोड में लिया जाएगा। टियर-4 में कम्प्यूटर प्रोफिशिएंसी, स्किल टैस्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शामिल हैं। टियर 1 और टियर 2 पास करने वाले कैंडिडेट को टियर-3 की परीक्षा देने का मौका मिलेगा। यह सब्जेक्टिव होता है। टियर-1 में निगेटिव मार्किंग होगी जिसमें गलत जवाब पर 0.50 अंक काट लिए जाएंगे। टियर-2 में गलत जवाब पर 0.25 अंक काटे जाएंगे। टियर-2 में पेपर 1 और 2 सभी पदों के लिए अनिवार्य हैं। टियर-3 डिस्क्रिप्टिव पेपर है जो अंग्रेजी व हिंदी भाषा में होगा। यह परीक्षा 100 अंकों की होगी।

यहां मिलेगी नौकरी

चयनित कैंडिडेट की भर्ती भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/ विभागों/ संस्थाओं में ग्रुप-सी व ग्रुप-डी पदों पर की जाएगी। इनमें असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर, असिस्टेंट अकाउंट्स ऑफिसर, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर, असिस्टेंट इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, असिस्टेंट एन्फोर्समेंट ऑफिसर, जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर जैसे पद शामिल हैं।

आवेदन कैसे करें

इस परीक्षा में शामिल होने के लिए कैंडिडेट्स ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट http://ssc.nic.in पर अप्लाई करें।

आवेदन शुल्क : अभ्यर्थी को 100 रुपए का भुगतान एसबीआई चालान/एसबीआई नेट बैंकिंग के माध्यम से करना होगा।

यहां देखें नोटिफिकेशन:
http://ssc.nic.in/SSC_WEBSITE_LATEST/notice/notice_pdf/CGLE_Notice_2018_05.05.2018.pdf

नौकरियों के अवसर

आईजीसीएआर ने 248 पदों पर निकाली भर्ती

इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च (आईजीसीएआर) ने टेक्निकल ऑफिसर, साइंटिस्ट असिस्टेंट, टेक्नीशियन, मानदेय ट्रेनी, स्टेनोग्राफर अन्य पोस्ट के 248 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। कैंडिडेट की उम्र 18 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं।

आवेदन करने की अंतिम तिथि: 17 जून, 2018

योग्यता : विभिन्न पदों के लिए योग्यता अलग-अलग है। अधिक जानकारी के लिए नोटिफिकेशन देखें।

चयन प्रकिया : कैंडिडेट का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।

यहां देखें नोटिफिकेशन :
http://www.igcar.gov.in/recruitment/Advt03_2018.pdf

यहां ऑनलाइन आवेदन करें :
https://igcar.onlinereg.in/home.html

Education News

शिक्षा निदेशालय व पंचायती राज विभाग को अवमानना नोटिस

चूरू@पत्रिका. रीट भर्ती 2016 सैकेंड लेवल अंग्रेजी विषय में नियुक्ति से बाहर किए गए अभ्यर्थियों के मामले में कोर्ट का आदेश नहीं मानने पर जोधपुर हाईकोर्ट के जज निर्मलजीत कौर ने प्राथमिक शिक्षा विभाग बीकानेर व पंचायती राज विभाग को अवमानना नोटिस दिया है। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि चार सप्ताह के अंदर दोनों विभागों ने अपना जवाब नहीं दिया तो दोनों विभागों को अदालत की कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। मामले की पैरवी कर रहे अभ्यर्थी व अधिवक्ता वेदपाल सुंदरिया ने बताया कि पांच मार्च को हाईकोर्ट के जज पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने वेदपाल व अन्य 34 अभ्यर्थियों की याचिका की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं को सात व आठ मार्च को होने वाली काउंसलिंग में शामिल करने का आदेश दिया था। लेकिन शिक्षा व पंचायती राज विभाग ने कोर्ट के आदेश को नहीं माना। 165 अभ्यर्थियों को जो हरियाणा, पंजाब व यूपी के विश्वविद्यालयों से अंग्रेजी एकल विषय से स्नातक की डिग्री लेकर आए थे उन्हे नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर कर दिया।इस वेदपाल ने कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी और खुद ही मामले की पैरवी की। वेदपाल ने बताया कि अपने ही नियम को ताक पर रखकर शिक्षा विभाग ने 165 में से तीन को बीकानेर जिले में नियुक्ति दे दी। जबकि प्रदेश में 162 अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

Education News

एग्जाम गाइड

1. निम्नलिखित में किस टेलिकॉम कम्पनी का भारती एयरटेल के साथ विलय हुआ?
(अ) वोडाफोन (ब) टेलिनॉर (स) डोकोमो (द) रिलायंस जियो

2. अमरीका ने तेल अवीव से हटाकर निम्नलिखित में से किस स्थान पर दूतावास आरंभ किया?
(अ) बगदाद (ब) करजई (स) येरुशलम (द) गाजा

3. हाल ही भारतीय सेना ने कितनी राशि की गोला-बारूद उत्पादन परियोजना को मंजूरी प्रदान की?
(अ) 15,000 करोड़ रुपए (ब) 20,000 करोड़ रुपए
(स) 5,000 करोड़ रुपए (द) 10,000 करोड़ रुपए

4. साउथ एशिया प्रेस फ्रीडम रिपोर्ट, 2017-18 के अनुसार किस देश में सबसे अधिक इन्टरनेट पर प्रतिबन्ध लगाया गया?
(अ) बांग्लादेश (ब) म्यांमार (स) पाकिस्तान (द) भारत

5. किस राज्य सरकार ने यूपीएससी और बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को क्रमशः 1 लाख रुपए और 50,000 रुपए देने की घोषणा की है?
(अ) झारखंड सरकार (ब) बिहार सरकार
(स) पंजाब सरकार (द) हरियाणा सरकार

6. रेगिस्तान वनारोपण एवं भू-संरक्षण केन्द्र कहां स्थित है?
(अ) जोधपुर (ब) कोटा (स) जैसलमेर (द) बाड़मेर

7. दिल्ली सल्तनत का वह प्रथम शासक कौन था, जिसने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया?
(अ) आरामशाह (ब) कुतुबुद्दीन ऐबक
(स) इल्तुतमिश (द) रजिया सुल्तान

8. औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा नेतृत्व किसके हाथों में था?
(अ) शम्भाजी (ब) राजाराम (स) जीजाबाई (द) ताराबाई

9. संविधान सभा के लिए चुनाव कब निश्चित हुआ?
(अ) जून 1946 (ब) जुलाई 1946
(स) सितम्बर 1946 (द) दिसम्बर 1946

10. चावल को पकाने में कहां पर अधिक समय लगता है?
(अ) समुद्र तट पर (ब) समुद्र की गहराई में
(स) शिमला में (द) माउण्ट एवरेस्ट पर

उत्तरमाला 1.ब 2.स 3.अ 4.द 5.ब 6.अ 7.स 8.द 9.ब 10.द

Education News

शिविर में शिक्षकों को कराया योगा का अभ्यास

भास्कर संवाददाता | सिंगोली चारभुजा

एसडीएम ने किया शिविर का निरीक्षण

वर्तमान जीवन शैली और बढ़ती महत्वाकांक्षा की पूर्ति में व्यस्त रहने के कारण मनुष्य के जीवन में तनाव बढ़ रहा है। तनाव अवसाद का कारण बन रहा है। इससे व्यक्ति गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। इनसे बचने के लिए व्यक्ति को ध्यान व योग का सहारा लेना चाहिए।

यह विचार बुधवार को शारदे बालिका छात्रावास, कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय सराणा में हो रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रीष्मकालीन आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में ब्रह्मा कुमारी केंद्र बिजौलिया की बहन रचना ने प्रकट किए। उन्होंने शिक्षकों को योग, ध्यान व राजयोग के बारे में बताया। बीईईओ कुलदीप कैलानी, शिविर प्रभारी बनवारीलाल जीनगर, दिनेशकुमार वर्मा आदि ने आभार प्रकट किया। 26 मई शनिवार को शिविर का समापन होगा।

भगवानपुरा. कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं शारदे छात्रावास में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का तीसरे दिन बुधवार को मांडल एसडीएम सीएल शर्मा व बीईईओ रविकांत दाधीच ने अवलोकन किया। शिविर में 212 शिक्षक उपस्थित थे। बीईईओ दाधीच ने कहा कि आवासीय शिविर छोड़कर रात में घर जाने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी। बावजूद इसके, बुधवार शाम भी कुछ शिक्षक अपने घर चले गए।

रायपुर. बच्चों को गतिविधि आधारित शिक्षण देते हुए विद्यालय से नियमित जोड़ने का प्रयास करें। यहां सिखाई जा रही गतिविधि को सूक्ष्मता से सीखें। यह विचार जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) कन्हैयालाल भट्ट ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय छह दिवसीय ग्रीष्मकालीन आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण के तीसरे दिन राजकीय मॉडल स्कूल रायपुर में निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए। इस दौरान शाहपुरा डाइट प्रिंसिपल युसूफ मोहम्मद, एसआईक्यूई जिला प्रभारी शशिपाल, ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी प्रभुदयाल योगी, राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला उपाध्यक्ष रमेशचंद्र वैष्णव, ब्लॉक अध्यक्ष तेज बहादुरसिंह चारण उपस्थित थे।

Education News

डीईईओ प्रथम भट्ट एपीओ

भास्कर संवाददाता | भीलवाड़ा

जिला शिक्षा अधिकारी(प्रारंभिक) प्रथम कन्हैया लाल भट्ट को सरकार ने बुधवार को एपीओ कर दिया।

शिक्षा(ग्रुप-2) विभाग के शासन उप सचिव कमलेश आबूसरिया ने डीईईओ भट्ट को एपीओ करते हुए मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर कर दिया। डीईईओ भट्ट को एपीओ करने के पीछे शिक्षामंत्री की नाराजगी बताई जा रही है। पिछले 23 अप्रैल को शिक्षा मंत्री के जिले के दौरे के दौरान भी डीईईओ भट्ट जिले से बाहर थे। इस पर शिक्षामंत्री ने नाराजगी व्यक्त की थी। शिक्षामंत्री के दौरे के दौरान जिले से बाहर होने पर उपनिदेशक प्रारंभिक व कलेक्टर ने कारण बताओ नोटिस जारी मांगा था। विगत दिनों निजी स्कूल संचालकों ने मान्यता को लेकर भी धरना प्रदर्शन किया था। शहर विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी ने भी डीईओ के समक्ष नाराजगी व्यक्त की थी।

Education News

शिक्षकों को निशुल्क शिक्षा के अधिकार, लैंगिक उत्पीड़न और मिड-डे-मील की जानकारी दी

शाहाबाद कस्बे के मां शारदे आवासीय छात्रावास में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में दी गई कानूनी जानकारी

भास्कर न्यूज | शाहाबाद

कस्बे के मां शारदे आवासीय छात्रावास में चल रहे छह दिवसीय विषय आधारित आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन प्रार्थना सत्र में मुख्य अतिथि एडवोकेट अरविंद शर्मा थे।

मुख्य अतिथि एडवोकेट शर्मा ने बालकों के अधिकार, महिला अधिकार, लैंगिक भेदभाव, निशुल्क शिक्षा के अधिकार, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, मिड-डे-मील आदि की कानूनी जानकारी दी। वहीं शिक्षकों के प्रश्नों के जवाब दिए। एडवोकेट शर्मा ने बताया कि बच्चों को शैक्षणिक स्तर के सुधार के लिए प्रयास किए जाएं, जिससे क्षेत्र के बच्चों में शिक्षा के प्रति रुझान बढ़े। शिविर में मौजूद शिक्षकों को हिंदी, पर्यावरण, गणित, अंग्रेजी पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सभी की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन से ली जा रही है। बीईईओ परसादीलाल मेहता, शिविर प्रभारी किशोर पारेता, प्रशिक्षण प्रभारी राजेश वर्मा, घनश्याम गर्ग ने भी शिविर की व्यवस्थाएं देखी।

शाहाबाद. प्रशिक्षण शिविर में कानूनी जानकारी देते एडवोकेट अरविंद शर्मा।

Education News

अंग्रेजी की विधियां व गणित के गुणा-भाग सीख रहे गुरुजी

ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविर में गुणात्मक शिक्षा को लेकर जिलेभर में चल रहे प्रशिक्षण शिविर

बारां | सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 1 से 5वीं कक्षा के विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा मिले। इसके लिए भीषण गर्मी के बीच गुरुजी तपती दोपहर में भी आवासीय प्रशिक्षण शिविरों में अंग्रेजी की विधियां व गणित के गुणा-भाग के सवाल सीख रहे हैं। शहर के कोटा रोड उच्च माध्यमिक स्कूल में सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से चल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष प्रशिक्षण शिविर में इन दिनों भीषण गर्मी के बावजूद भी ब्लॉक के अलग-अलग स्कूल से

बारां. शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को जानकारी देते दक्ष प्रशिक्षक।

Education News

शामिल 99 शिक्षक अंग्रेजी व गणित का ज्ञान संदर्भ व्यक्ति से ले रहे हैं, ताकि यहां से स्कूलों में अध्यापन के दौरान बेहतर ढंग से शिक्षण कार्य करवाकर बच्चों में नवाचार कर सकें। प्रशिक्षण प्रभारी गिरिश शर्मा व रविंद्र चौरसिया ने बताया कि बुधवार को अंग्रेजी विषय में एक अध्यापक द्वारा एक से अधिक कक्षाओं में एक साथ बेहतर तरीके से अध्यापन कराने के लिए अंग्रेजी की विभिन्न प्रकार की विधियों के माध्यम से शिक्षकों को समझाया। (शेष 19 पर)

अच्छी पहल जिला निष्पादक समिति की बैठक में कलेक्टर ने स्कूलों में कंप्यूटर लैब के लिए किया नवाचार

स्कूलों के विकास के लिए पूर्व छात्रों से लेंगे सहयोग

भास्कर न्यूज. झालावाड़

जिला निष्पादक समिति की बैठक बुधवार को कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय में हुई। इसमें कलेक्टर ने कहा कि 25 से 30 जून के मध्य प्रवेश वंदन शिक्षा चौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत न सिर्फ सभी राजकीय स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाए, बल्कि पूर्व छात्र-छात्राओं की भी बैठक आयोजित कर उनसे स्कूलों के विकास कार्य के लिए आर्थिक सहयोग लिया जाए।

उनसे कंप्यूटर लैब से वंचित स्कूलों में कंप्यूटर लैब स्थापना के लिए सहयोग लिया जाए। उन्होंने इस दौरान अकलेरा, बकानी, असनावर व चौमहला के शारदे छात्रावासों में बच्चों की सुविधाओं के मद्देनजर एक-एक अतिरिक्त सेप्टी टैंक की स्थापना के लिए प्रत्येक छात्रावास के लिए 50-50 हजार रुपए की राशि डीएमएफटी फंड से देने की बात कही।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्कूलों के लिए खेल मैदानों के लिए आवंटित भूमि पर स्वीकृत राशि से खेल मैदानों का निर्माण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 25 से 30 जून तक प्रवेशोत्सव के द्वितीय चरण के कार्यक्रम के अंतर्गत अधिक से अधिक बच्चों का सरकारी स्कूलों में प्रवेश करवाया जाए। इसके लिए बच्चों की प्रभात रैली, माला, ढोल-नगाड़े आदि से सुसज्जित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम करने की प्रक्रिया हर स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा अपनाई जाए। बैठक में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक ओमप्रकाश चौधरी, एडीपीसी हंसराज मीणा, रमसा के एडीपीसी प्रभारी प्रेमचंद सोनी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बुक बैंक का उपयोग करें अभ्यर्थी व विद्यार्थी

कलेक्टर ने निष्पादन समिति बैठक के दौरान बताया कि 1913 में स्थापित हुए हैरिटेज राजकीय हरिशचंद्र सार्वजनिक पुस्तकालय का संचालन गढ़ परिसर के नजदीक नगर परिषद के सामने स्थित भवन में किया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों, छात्र-छात्राओं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षार्थियों से आग्रह किया कि वे 105 वर्ष पूर्व स्थापित ऐतिहासिक पुस्तकालय में संग्रहित पुस्तकों का अध्ययन कर अपने जीवन को रूचि कर, ज्ञानवर्धक बनाएं।

Education News

शिक्षकों का अवासीय प्रशिक्षण शिविर शुरू, वक्ताओं ने प्रारंभिक शिक्षा को शिक्षा तंत्र की रीढ़ बताया

नोहर| नवनिर्मित बाइट भवन में चार दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवासीय प्रशिक्षण शिविर बुधवार को शुरू हुआ। पंचायत समिति प्रधान अमरसिंह पूनिया, सेनि. जिला शिक्षा अधिकारी भोजराज छिंपा, रमेशचंद्र व्यास अतिथि थे। प्रधान अमरसिंह पूनिया ने प्रारंभिक शिक्षा को संपूर्ण शिक्षा यंत्र की रीढ़ बताते हुए प्राथमिक शिक्षा से जुड़े अध्यापक- अध्यापिकाओं को बच्चों को स्नेहपूर्वक विशेष रूचि से पढ़ाने का आह्वान किया। भोजराज छिंपा ने कहा कि शिक्षक बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन व संस्कारवान बनाने में अपनी महत्ती भूमिका निभाते हैं। एबीईईओ श्योकत अली ने आवासीय प्रशिक्षण की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। जयदीप सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में 75 अध्यापक- अध्यापिकाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जो प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के शिक्षक हैं। इस अवसर पर पीईईओ भोगराना राजेश सोनी, पीईईओ मेघाना परमेश्वरदास स्वामी, पीईईओ नणाऊ राजेन्द्र प्रसाद, एमटी रोहिताश सिहाग, गंगाधर खिचड़, सहदेव, नरेश स्वामी, आरपी रामकुमार रेगर मौजूद रहे। ब्लॉक प्रा. शिक्षा अधिकारी दलीप कुमार पारीक ने आभार व्यक्त किया व शिविर का संक्षिप्त परिचय दिया।

भादरा में शिविर शुरू, 113 संभागी भाग ले रहे

भादरा| पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को श्रीमती गोरांदेवी बालिका राजकीय उमावि में शुरू हुआ। शिविर का उद्घाटन ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी विजयसिंह ख्यालिया ने मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्जवलित कर किया। एबीईईओ सुलतानसिंह मेहरड़ा ने प्रशिक्षण की महत्ता पर विचार रखे। शिविर प्रभारी शिशपाल मीणा ने शिविर में भौतिक व्यवस्थाओं के बारे में बताते हुए हर तरह से सुविधाएं उपलब्ध करवाने का आह्वान किया। व्यवस्थापक गोविंदराम व जयवीर सिंह ने भी प्रशिक्षण में नियमितता पर बल देते हुए अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। मौके पर सह प्रभारी सत्यभामा शर्मा, केआरपी पवन शर्मा, ओम सुड्ढा, हरीसिंह बिश्नोई, शिवराजसिंह, शिवकुमार मारोठिया, रामावतार जांगिड, देवीलाल सहू, आत्माराम समेत 113 संभागियों ने भाग लिया

नोहर . प्रधान अमरसिंह पूनिया का अभिनंदन करते हुए।

भादरा. शिविर में उपस्थित अध्यापक पवन व अन्य ।

Education News

राजस्थान बोर्ड का परिणाम जारी | कॉमर्स में 3 से 8वें व साइंस में 5 से 13वें स्थान पर पहुंचा हनुमानगढ़

93.73% कॉमर्स: हनुमानगढ़ एक मात्र जिला जहां बेटियां 100% पास

86.00% साइंस: एक साल में 1843 बच्चे घटे, परिणाम भी 5% गिरा

भास्कर संवाददाता | हनुमानगढ़

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 12वीं कक्षा के विज्ञान और वाणिज्य वर्ग का परिणाम बुधवार शाम को जारी हुआ। इस बार दोनों ही संकायों के परिणामों में पिछली बार से गिर गया। इस कारण प्रदेश में हनुमानगढ़ जिला का नंबर भी फिसला है। प्रदेश में इस बार साइंस में जिले की रैंकिंग पाचवें से गिर कर 13वें स्थान पर पहुंच गई है वहीं कॉमर्स में जिला तीसरे स्थान से नीचे आकर आठवें स्थान पर पहुंच गया। यानी दोनों संकायों में परिणाम गिरा है। हां, अच्छी बात ये है कि कॉमर्स में बेटियों ने जिले में के गिरते रिजल्ट को संभालते हुए 100 प्रतिशत रिजल्ट हासिल किया है। साइंस का परिणाम, जहां इस बार 86 प्रतिशत रहा है वहीं यह पिछले बार के परिणाम से 5.67 प्रतिशत गिरा है। साइंस में इस साल विद्यार्थियों की संख्या भी 1843 कम हुई है। वहीं कॉमर्स में इस बार परिणाम 93.73 प्रतिशत से पिछली बार की अपेक्षा 0.70 प्रतिशत गिरा है। वहीं सूत्रों के अनुसार सरकारी स्कूलों की बजाय प्राइवेट स्कूलों का परिणाम संतोषजनक रहा है।

इस तरह संभाला बेटियों ने रिजल्ट: कुल 131, सभी पास

कॉमर्स की बात करें तो कुल 131 बेटियों में से 110 बेटियां प्रथम श्रेणी से पास हुई हैं वहीं 21 बेटियों ने द्वितीय श्रेणी हासिल की है। यानि रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। जबकि बेटों की बात करें तो बेटों का रिजल्ट 90.25 प्रतिशत ही रहा है। इसी तरह साइंस संकाय की बात करें तो 2002 बेटियों में से 1732 बेटियां प्रथम और 262 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की है। ऐसे में इनका रिजल्ट 91.79 प्रतिशत रहा। जबकि बेटों का यह रिजल्ट 83. 26 प्रतिशत ही रहा है।

भास्कर एनालिसिस | पहला मौका, जब दोनों नतीजों में गिरावट दर्ज की गई

कॉमर्स

2018: 93.73% | 2017: 94.43%

पिछली बार से इस बार 0.70 फीसदी घटा रिजल्ट

ये है कॉमर्स का जिले का परिणाम

367 स्टूडेंट परीक्षा में बैठे | छात्र 213 | छात्राएं 131 | कुल उत्तीर्ण 344

सैकंड डिवीजन: 101 | फर्स्ट डिवीजन: 239 | जिले का प्रतिशत: 93.73

छात्राएं		छात्र	
131 परीक्षा में बैठी		213 परीक्षा में बैठे	
फर्स्ट डिवीजन	110	फर्स्ट डिवीजन	129
सैकंड डिवीजन	21	सैकंड डिवीजन	80
थर्ड डिवीजन	00	थर्ड डिवीजन	02
बेटियों का जिलेभर का परिणाम	100%	छात्रों का जिलेभर का परिणाम	90.25%

3 साल से बढ़ रहा था परिणाम इस बार गिरा

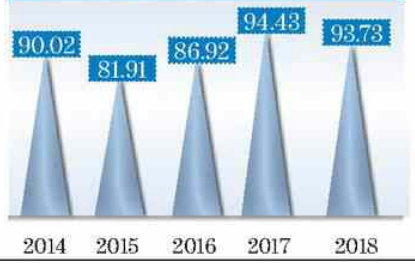

साइंस

2018: 86.00% | 2017: 91.67%

पिछली बार से इस बार 5.67 फीसदी गिरा परिणाम

ये है साइंस का जिले का परिणाम

6794 स्टूडेंट परीक्षा में बैठे | छात्र 3841 | छात्राएं 2002 | कुल उत्तीर्ण 5843

सैकंड डिवीजन: 1336 | फर्स्ट डिवीजन: 4377 | जिले का प्रतिशत: 86.00

छात्राएं		छात्र	
2002 परीक्षा में बैठी		3841 परीक्षा में बैठे	
फर्स्ट डिवीजन	1732	फर्स्ट डिवीजन	2645
सैकंड डिवीजन	262	सैकंड डिवीजन	1074
थर्ड डिवीजन	00	थर्ड डिवीजन	02
बेटियों का जिलेभर का परिणाम	91.79%	छात्रों का जिलेभर का परिणाम	83.26%

पांच साल में पहली बार आई इतनी गिरावट

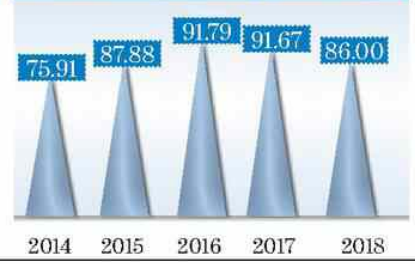

एक्सपर्ट व्यू

अंग्रेजी व हिंदी में नंबर कम इस कारण गिरा परिणाम

दीपक कुमार मिड्ढा, प्रधानाचार्य,

परिणाम गिरना चिंता का विषय है। इसका मुख्य कारण हिंदी और अंग्रेजी विषयों में बच्चों के नंबर कम आना है। क्यों कि फिजिक्स, कैमेस्ट्री और बायोलोजी में बच्चों ने 90 प्लस अंक पाए हैं जबकि हिंदी और अंग्रेजी में यह बच्चे फिसड्डी रहे हैं। इसके अलावा स्कूलों में साइंस के स्टाफ की कमी भी एक कारण है। यदि स्टाफ की उपलब्धता हो तो परिणाम सुधारा जा सकता है।

कॉमर्स में एकाउंटेंसी ने ही बिगाड़ा परिणाम का गणित

मनोज सिंगल, अध्यापक

कॉमर्स का परिणाम गिरने का कारण एकाउंटेंसी में नंबर कम आना है। इसी से प्रतिशत बढ़ता है। बच्चे इसे हल्के में ले लेते हैं। वहीं सबसे बड़ा कारण ये है कि बच्चों का रुझान पिछले कुछ वर्षों में कॉमर्स में कम हुआ है। पैरेंट्स बच्चों को साइंस या फिर कोई और विषयों की तरफ ले जाते हैं। इसके अलावा जहां साइंस में साइंस के हर विषय के क्लास वाइज वीडियो इंटरनेट पर उपलब्ध है। इनमें बच्चा थ्री डायमेंशन तस्वीरें देखकर टॉपिक को समझ सकता है। जबकि कॉमर्स एक मात्र ऐसा विषय है जिसमें बच्चों को कोई संसाधन या सुविधा विभाग की तरफ से नहीं दी जाती।

अगर आपके 90% से ज्यादा नंबर हैं तो आप अपना फोटो, मार्कशीट, लक्ष्य, माता-पिता व स्कूल का नाम अपने निकटतम दैनिक भास्कर कार्यालय में जमा करवाएं।

Education News

बाहरी अभ्यर्थियों का कोटा फिक्स ना करके राज्य के युवाओं पर कुठारघात कर रही है भाजपा की सरकार

भास्कर संवाददाता | सरमथुरा

बुधवार को कस्बा में राजस्थान एकीकृत बेरोजगार महासंघ की स्थानीय इकाई की बैठक आयोजित हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए इकाई संयोजक दिलीप परमार ने बताया कि राज्य सरकार बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों का कोटा फिक्स ना करके राज्य के युवाओं के साथ छलावा कर रही है जबकि बाहरी राज्य मध्य प्रदेश ,उत्तर प्रदेश,पंजाब,हरियाणा,छत्तीसगढ सहित अन्य कई राज्य बाहरी अभ्यर्थियों के लिए 5 प्रतिशत कोटा फिक्स कर चुकी है जिसके कारण स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए दर दर की ठोकरे खानी पड रही है। मध्य प्रदेश में हाल ही में पटवार भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। वही लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी ने बताया कि अभी बाहरी अभ्यर्थी 50 प्रतिशत में आवेदन करते है जो राज्य के बेरोजगारों के हितों पर कुठारघात है। राजस्थान एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव बेरोजगारों के हितों के लिए लगातार प्रयासरत है लेकिन राज्य सरकार की मंशा साफ है कि वो किसी भी भर्ती को पूरा करना नही चाहती है। वही कप्तान मीणा के अनुसार राज्य सरकार प्रत्येक भर्ती में कोई ना कोई कमी रखती है जिससे वो भर्ती लटकती रहे।

Education News

आरबीएसई 12वीं कॉमर्स व साइंस के नतीजे

साइंस में शाहनबाज तो कॉमर्स में प्रीति ने किया जिला टॉप

भास्कर संवाददाता | धौलपुर

12वीं कॉमर्स व साइंस का परीक्षा परिणाम बुधवार शाम जारी किया गया। यह दूसरा साल है कि जब बोर्ड ने मेरिट लिस्ट जारी नहीं की है।

जिले में कॉमर्स वर्ग में शारदे विद्यापीठ स्कूल में अध्ययनरत पुराना शहर के कपड़ा व्यवसायी रमाकांत सिंघल की पुत्री प्रीति सिंघल ने जिले में सर्वाधिक 83 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं साइंस में बाड़ी के राउमा विद्यालय के शाहनबाज पुत्र शाकिर अली ने 94.60 फीसदी अंक लाकर जिले में अपना अव्वल स्थान बनाया है। इसी तरह साइंस वर्ग में ही हनुमान पुरा निवासी गुरुकुल आदर्श विद्या मंदिर उम्मेदी नगर के छात्र आनंद मोहन शर्मा पुत्र अवध बिहारी शर्मा ने 94.20 फीसदी और राजकीय उमा विद्यालय मनियां के देवेंद्र शर्मा ने 92.40 फीसदी अंक लाकर जिले का मान बढ़ाया है। जिले में कॉमर्स 12वीं में कुल 161 छात्र-छात्रा रजिस्टर्ड थे, जिसमें से 158 ने परीक्षा दी। 12वीं कॉमर्स परीक्षा में 116 छात्र व 42 छात्राओं ने परीक्षा दी।

शाहनबाज 94.40 %

सीनियर सैकेंडरी स्कूल बाड़ी

सपना: प्रशासनिक सेवा

रिपोर्ट कार्ड	
हिंदी	85
अंग्रेजी	90
फिजिक्स	100
कैमेस्ट्री	98
मैथ	100
कुल	473

बाडी कस्बे के सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाड़ी के छात्र शाहनवाज पुत्र साकिर अली खान निवासी अजीतपुरा रोड गुम्मट विज्ञान विषय में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर 94.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं प्राप्त जानकारी के 500 अंकों में से 473 अंक प्राप्त किए शाहनवाज ने बताया कि वह प्रशासनिक सेवा में जाना चाहता है और अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता पिता और गुरुजनों को देता है।

आनंद मोहन 94.20 %

गुरुकुल स्कूल

सपना: आईएएस बनन

रिपोर्ट कार्ड	
हिंदी	89
अंग्रेजी	95
फिजिक्स	96
कैमेस्ट्री	98
मैथ	93
कुल	471

राजाखेड़ा बाइपास पर हनुमानपुरा निवासी अवध बिहारी शर्मा के बेटे आनंद मोहन के सभी दोस्तों के पास बाइक है। बेटे ने बाइक की मांग की तो पिता ने कहा कि 12वीं में 80 प्रतिशत अंक लाएगा तो उसे बाइक दिला देंगे। बेटे आनंद मोहन 94.20 प्रतिशत अंक लाया है। उसने मां सुनीता शर्मा से कहा कि बाइक नहीं स्कूटी दिला दो ताकि बहन और हम दोनों उसे चला सकेंगें।

प्रीति सिंघल 83 %

शारदे विद्यापीठ स्कूल

सपना: बैंक मैजेनर बनना

रिपोर्ट कार्ड	
हिंदी	86
अंग्रेजी	77
एकाउंट	72
बिजनेस स्टडी	81
इकोनोमिक्स	98
कुल	414

वाणिज्य वर्ग में जिले में सर्वाधिक अंक लाने वाली प्रीति सिंघल जब कक्षा 6वीं से ही बैंक के कामकाज ने प्रभावित किया। अपनी बहन को मोटिवेशन गुरु बताते हुए कहा कि आज मैं पढ़ाई में जिस तरह से आगे बढ़ रही हूं, उसमें मेरी दीदी ने हमेशा मुझे रास्ता दिखाया है। बैंक मैनेजर बनने की इच्छा तो लेकर प्रीति ने बताया कि मुझे लेन-देन वाले व्यवसाय में विशेष रुचि है, जिसे मैं बैंक में मैनेजर बनकर पूरा करना चाहती हूं।

Education News

12वीं साइंस में 1367 छात्र प्रथम श्रेणी से हुए पास जबकि छात्राएं 513 पर ही सिमटी

12वीं साइंस के परीक्षा परिणामों ने छात्रों ने छात्राओं को परीक्षा परिणाम में पीछा कर कब्जा जमाया। 1367 छात्रों ने फर्स्ट डिवीजन प्राप्त की। वहीं इस बार 513 लड़कियां ही फर्स्ट डिवीजन रहीं। 12वीं साइंस की परीक्षा में 3210 लड़के व 862 लड़किया कुल 4072 रजिस्टर्ड परीक्षार्थी थे, जिसमें 3149 लड़कों व 859 लड़कियों ने परीक्षा दी। साइंस का कुल परीक्षा परिणाम 80.9 फीसदी रिजल्ट रहा। 12वीं में साइंस में 94.20 फीसदी अंक लाने वाले आनंद ने कहा कि दादा रामलक्ष्मण शर्मा उसे हमेशा देश की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। इसलिए वह प्रशासनिक सेवा में जाकर समाजसेवा करना चाहता है।

12वीं साइंस परिणाम

- छात्र परिणाम: 1367 छात्र फर्स्ट डिवीजन, 1083 सैकंड डिवीजन व 19 थर्ड डिवीजन, 17 पास, कुल-2486, 78.85 फीसदी रिजल्ट।
- छात्रा परिणाम: लड़की-513 फर्स्ट डिवीजन, 206 सैकंड, 4 थर्ड, 1 पास, कुल 724, 84.28 फीसदी रिजल्ट
- कुल परिणाम: 1880 फर्स्ट, 1289 सैकंड, 23 थर्ड, 18 पास, कुल 3210, 80.9 फीसदी रिजल्ट रहा

कॉमर्स 12वीं रिजल्ट

- छात्र परिणाम: 36 फर्स्ट डिवीजन, 53 सैकंड डिवीजन व 13 थर्ड डिवीजन, कुल-102 छात्र, रिजल्ट 87.93 फीसदी।
- छात्रा परिणाम: 17 फर्स्ट डिवीजन, 20 सैकंड डिवीजन, 2 थर्ड डिवीजन, कुल 39 छात्रा, 92.86 फीसदी रिजल्ट
- कुल परिणाम: 53 फर्स्ट, 73 सैकंड, 15 थर्ड, कुल 141, 89.24 फीसदी रिजल्ट

निजी विद्यालय को टीसी और अंकतालिका देने के आदेश

भास्कर संवाददाता | भरतपुर

निजी विद्यालय को छात्र की टीसी व अंकतालिका एक माह में देने के जिला उपभोक्ता संरक्षण मंच ने आदेश दिए हैं।वकील संतोषी लाल गर्ग एडवोकेट के अनुसार तमरोली के खेमराज सिंह ने मंच के समक्ष परिवाद पेश किया था कि उसके व उसके दो भाइयों के पुत्र व पुत्री को ज्ञानोदय विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय बजरिया गोपाल गली में अध्ययन के लिए प्रवेश दिलाए थे। हर बार परिवादी व उसके दोनों भाइयों ने नियमानुसार अपने सभी पुत्र व पुत्रियों की फीस अदा करते रहे। अंतिम बार 30 मार्च 2016 को 10 हजार रुपए जमा कराए थे। परिवादी एवं उसके भाईयों ने अपने पुत्र पुत्रियों का प्रवेश किसी अन्य शिक्षण संस्था में दिलाने के लिए ज्ञानोदय विद्यालय के व्यवस्थापक से अंक तालिका एवं टीसी के लिए आवेदन किया, लेकिन उन्होंने आनाकानी की। व्यवस्थापक ने कहा कि यदि उक्त सभी बच्चों की टीसी चाहिए तो ढाई लाख रुपए अदा करने होंगे। इस पर विद्यालय व्यवस्थापक को रजिस्टर्ड नोटिस दिया और जिला शिक्षा अधिकारी व जिला कलेक्टर को पत्र लिखा गया। परंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई। 11 अगस्त 2016 के नोटिस के जबाव में लिखा कि ट्यूशन फीस व वाहन फीस आदि के 68 हजार 500 रुपए बाकी है। जबकि 16 अगस्त 2016 में कुछ और ही राशि की मांग की। इस संबंध में मंच के अध्यक्ष सत्यजीत राय व सदस्य दीपक कुमार शर्मा मुदगल ने दोनों पक्षों को सुना। उन्होंने विद्यालय व्यवस्थापक को आदेश दिए कि वह परिवादी व उसके भाइयों के बच्चों की टीसी व अंकतालिका एक माह में जारी कर परिवादी को दे। परिवादी को हुई मानसिक संताप की क्षतिपूर्ति स्वरूप व परिवाद व्यय स्वरूप 2 हजार रुपए भी अदा करे।

Education News

शिक्षक प्रशिक्षण आवासीय शिविर के खाने में बनी रोटियों में निकले कीड़े

भोपालगढ़ | राज्य सरकार ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षक प्रशिक्षक शिविर चला रही है। इसके तहत जिले के शारदा छात्रावास में बुधवार को आयोजित शिविर में शिक्षकों के लिए बनाई खाने की रोटियों में कीड़े (इल्लियां) निकलने का मामला सामने आया है। शिक्षकों ने इसकी शिकायत ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी से की, तो उन्होंने व्यवस्थाएं सुधारने का भरोसा दिलाया। आरपी रुपाराम शर्मा ने बताया कि शिविर का भोपालगढ़ पंचायत समिति के प्रधान चिमनसिंह चौधरी व ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश से पर्यावरण हिंदी का प्रशिक्षण सरोज चौधरी को दिया जाना था, लेकिन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश की अवहेलना करते हुए उनकी जगह डूंवार राम को प्रशिक्षण के लिए लगा दिया। इस संबंध में ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी भोपालगढ़ खीयाराम लोहिया ने बताया कि शिविर में खाने की रोटियों में इल्लियां मिलने की सूचना मिली है। व्यवस्थापक को व्यवस्थाओं में कोताही बरतने पर चेतावनी दी है।

Education Views

बायोमेट्रिक्स पद्धति से होगी शिक्षकों की उपस्थिति जुलाई में चुनिंदा सरकारी स्कूलों में होगी शुरुआत

माध्यमिक शिक्षा निदेशक नथमल डिडेल ने जोधपुर में कहा-बीईईओ कार्यालयों में डीईईओ को लगाने का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास विचाराधीन

एजुकेशन रिपोर्टर | जोधपुर

माध्यमिक शिक्षा निदेशक नथमल डिडेल ने कहा, कि प्रदेश की सरकारी स्कूलों में अब बायोमेट्रिक्स पद्धति से शिक्षकों की उपस्थिति होगी। जुलाई से चुनिंदा स्कूलों में प्रथम चरण के तहत इस प्रणाली से उपस्थिति ली जाएगी। बॉयोमेट्रिक मशीन प्रधानाचार्य के कक्ष में स्थापित की जाएगी। स्कूल में आने और जाने दोनों समय की हाजिरी इस प्रणाली से ली जाएगी।

डिडेल जोधपुर में हाईकोर्ट में एक मामले में पेश होने के लिए आए थे। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, कि मशीन में आकस्मिक अवकाश, उपार्जित अवकाश, मेडिकल अवकाश तथा प्रसूति जैसे अवकाश को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, कि बीईईओ कार्यालयों में डीईईओ को लगाने का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास विचाराधीन है। इसमें बीईईओ की जगह डीईईओ व डीईईओ की जगह डीडी को लगाया जाएगा। डीडी की जगह पर संयुक्त निदेशक बैठेंगे। इस व्यवस्था के लागू होने से प्रशासनिक कार्य में आसानी होगी।

सर्व शिक्षा अभियान व रमसा को मर्ज करने की स्वीकृति सरकार देगी

उन्होंने कहा, कि सर्व शिक्षा अभियान व रमसा को मर्ज करने की स्वीकृति राज्य सरकार देगी। उन्होंने कहा, कि प्रधानाचार्य से डीईओ के पद पर डीपीसी की जा रही है। इस अवसर पर उप निदेशक माध्यमिक बंशीधर गुर्जर, डीईओ माध्यमिक प्रथम रामेश्वरलाल जोशी, माध्यमिक द्वितीय हनुमान सहाय गुर्जर, रमसा एडीसीपी सोनिया शर्मा, एसएसए के एडीसीपी मदनलाल विश्नोई, एडीईओ माध्यमिक ओमसिंह राजपुरोहित और अशोक विश्नोई उपस्थित थे।

विभिन्न संगठनों और शिक्षक संघों ने सौंपे ज्ञापन

राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद प्रधानाचार्य प्रांतीय संघर्ष समिति के संयोजक डॉ. राजूराम चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष शीला आसोपा ने बताया, कि पीईईओ को केंद्र के समक्ष वेतन देने, विशेष भत्ता देने की मांग को लेकर प्रतिनिधि मंडल ने निदेशक को मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर किशोर कुमार, डॉ. निजामुदीन, डॉ. पूर्णिमा, जगदीश चौधरी, शंभूदान चारण उपस्थित थे। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने तृतीय श्रेणी से द्वितीय श्रेणी डीपीसी में हो रही विसंगतियों को दूर करने की मांग की। इस अवसर पर प्रदेश सह संगठन मंत्री नथाराम रिणवा, प्रदेश उपाध्यक्ष रूपाराम रलिया, संभाग मंत्री नरेश सोलंकी, महानगर अध्यक्ष हीरालाल सोनी सहित अनेक शिक्षक मौजूद थे।

Young Bhaskar
कल के अंक के साथ
10
7-14 वर्ष के लिए

अपने हॉकर से बुक करायें

Education News

प्रदेश में जिले की रैंकिंग भी सुधरी

पांच साल में पहली बार विज्ञान वर्ग का परिणाम 2.1 प्रतिशत गिरा

भास्कर संवाददाता | पाली

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा बुधवार को विज्ञान व वाणिज्य संकाय परिणामों में जिले की मेरिट में बेटियों ने अपना परचम लहराया है। बोर्ड द्वारा इस बार वरीयता सूची जारी नहीं की गई। इसके बाद भी सरकारी व निजी स्कूल अपनी तरफ से रिजल्ट को लेकर दावे करते रहे। पिछले 5 साल में पहली बार विज्ञान वर्ग के परिणाम में कमी दर्ज की गई, तो वाणिज्य वर्ग के परिणाम में इस बार सुधार हुआ। प्रदेश की रैंकिंग में दोनों विषयों में जिले की स्थिति में सुधार नजर आ रहा है। दोनों विषय में टॉप 15 में भी हमारा जिला नहीं रहा। वाणिज्य में 19वें व विज्ञान वर्ग में 17वे स्थान पर रहे। विज्ञान वर्ग कुल परिणाम 84.80 प्रतिशत व वाणिज्य वर्ग का 91.13 प्रतिशत रहा। दोनों विषयों के परिणाम में बेटियों ने बाजी मारी। विज्ञान वर्ग में छात्राओं का परिणाम 88.01 प्रतिशत रहा, वहीं छात्रों का परिणाम 83.46 प्रतिशत रहा। इसी तरह वाणिज्य वर्ग में 93.62 प्रतिशत छात्राओं ने बाजी मारी। वाणिज्य में छात्र 90.14 प्रतिशत के साथ फिर से छात्राओं से पिछड़ गए।

- विज्ञान वर्ग में परिणाम में 2.1 प्रतिशत की कमी तो वाणिज्य वर्ग में 2.51प्रतिशत की वृद्धि
- बोर्ड द्वारा प्रदेश व जिले में की वरीयता सूची जारी नहीं करने को लेकर पर विद्यार्थियों में प्रतिशत को लेकर चर्चा रही।

3.48 प्रतिशत बेटियां रही बेटों से आगे

▪ वाणिज्य वर्ग में जहां कुल परिणाम 91.13 प्रतिशत रहा। वहीं बेटियों का कुल परिणाम 93.62 प्रतिशत रहा, जो बेटों से 3.48 प्रतिशत अधिक है। बेटों का परिणाम 90.14 प्रतिशत ही रहा। जो कुल परिणाम से भी 1 प्रतिशत कम हैं।

तृतीय से पास हुई मात्र 3 छात्राएं

▪ वाणिज्य वर्ग में एक बार फिर से बेटियों आगे रही। परीक्षा परिणाम में तृतीय श्रेणी में मात्र 3 छात्राएं ही रही है, जबकि छात्र वर्ग में 55 छात्र तृतीय श्रेणी से पास हुए हैं। यानी ज्यादातर विद्यार्थियों के फ़र्स्ट व सैकेंड डिवीजन बना है।

Education News

अभावों से मिले कामयाबी के सूत्र- बन गए विज्ञानी | बाली के मनोज सीरवी के पास किताबों के सिवा कोई सुविधा नहीं, पहुंचा शिखर पर

कमठे पर मजदूरी कर बेटे की फीस भरी, बाली का विवेक विज्ञान में 96.60 प्रतिशत अंकों के साथ जिले का टॉपर

भास्कर संवाददाता | पाली

सुविधाएं किसी व्यक्ति की कामयाबी में मददगार हो सकती हैं। लेकिन अभावों को भी ताकत बनाकर मेहनत की जाए तो कामयाबी तय है। यह साबित किया है बाली के छात्र मनोज सीरवी ने।

बुधवार को जारी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 12वीं विज्ञान के रिजल्ट में विवेक स्कूल, बाली का यह छात्र 96.60 फीसदी अंक हासिल कर जिले का टॉपर रहा है। मां कमला देवी और पिता ओगड़राम ने कभी स्कूल नहीं देखी। बेटे को पढ़ाने व परिवार की आजीविका के लिए कमठे पर मजदूरी करते हैं। दसवीं में 93 फीसदी अंक लाया तो स्कूल ने फीस आधी कर दी। परिवार में छोटा भाई निशक्त है और एक छोटी बहन भी। घर में सुविधाओं के नाम पर उसे मिला तो पढ़ने को किताबें और स्कूल। और इन्हीं को अपनी ताकत बनाकर मनोज ने यह कामयाबी हासिल की।

बेटे को पढ़ाने व परिवार की आजीविका के लिए कमठे पर मजदूरी करते हैं माता-पिता

मां आज भी चूल्हे पर बनाती है रोटी, पिता कमठे पर जाकर चलाते हैं आजीविका, मगर बेटे ने अभावों के बीच जिले में मनवाया अपनी प्रतिभा का लोहा। फोटो | प्रकाश पालीवाल

Education News

सेल्फ स्टडी ही सबसे बड़ी ताकत

घर पर पढ़ने के लिए अलग कमरा, टेबल-कुर्सी, कंप्यूटर-लैपटॉप, ट्यूशन जैसी एक भी सुविधा मनोज को उपलब्ध नहीं, घर की हालत के कारण कामकाज में भी हाथ बंटाया, जहां जगह मिली, जितना समय मिला, तभी पढ़ा और बन गया परिवार की खुशियों तथा उम्मीदों का इंजीनियर।

जब भी पिता को तपती दुपहरी और कड़ाके की सर्दी में कमठे पर पसीना बहाते देखता, पढ़ाई के लिए और समय निकालता ▪ मनोज का कहना है कि माता-पिता उसे भले ही पढ़ाई को लेकर कभी गाइड नहीं कर पाए। लेकिन मेरे लिए उन्हें दिन-रात मेहनत करता देखता तो मेरा हौसला और बढ़ जाता। मैं पढ़ाई के लिए और समय निकालता। विवेक स्कूल की व्यवस्थापिका मैडम मंजू राव मुझे हमेशा प्रेरित करती रहीं।

बाली की हर्षिता और पाली का हितेष 96.20 फीसदी अंकों के साथ दूसरे स्थान पर ▪ विज्ञान संकाय में विवेक स्कूल बाली की छात्रा हर्षिता सोनी पुत्री महेंद्र कुमार सोनी तथा वंदेमातरम स्कूल, पाली के हितेष कुमार पुत्र रमेश कुमार 96.20 फीसदी अंकों के के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

मनोज के फिजिक्स में तो बाली की ही हर्षिता के बॉयो में 100 अंक ▪ मनोज ने साइंस मैथ्स में 96.20 फीसदी अंक अर्जित किए। उसके फिजिक्स में 100 में से 100 अंक आए। वहीं इसी स्कूल की हर्षा ने बॉयो में 100 अंक प्राप्त किए।

पिता मजदूरी करते, मम्मी झाड़ू-पोंछा, बेटा गजेंद्र लाया 90 फीसदी अंक ▪ नया गांव निवासी गजेंद्र दास के पिता फैक्ट्री में श्रमिक हैं तो मम्मी झाड़ू-पोंछा कर परिवार चलाते हैं। बेटे को पढ़ाने के लिए दोनों ने काम किया। वंदेमातरम स्कूल का विद्यार्थी गजेंद्र ने विज्ञान संकाय में 90.20 फीसदी अंक लाकर दोनों का सपना पूरा किया।

किसान पिता की बेटी रिंकू लाई 92 फीसदी अंक ▪ खेतावास के सुखलाल की बेटी रिंकू भायल ने 12वी विज्ञान वर्ग में 92 प्रतिशत अंक लाकर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया गया है। रिंकू के पिता किसान हैं। खेती बाडी करके ही परिवार चलाते हैं। जब भी समय मिलता रिंकू खेती में माता-पिता का हाथ बंटाती। वंदे मातरम स्कूल की छात्रा रिंकू ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व स्कूल संचालक राजेंद्र सिंह भाटी को दिया है।

सफाई कर्मचारी भर्ती | एससी के कई अभ्यर्थी अन्य कैटेगरी में हुए शामिल, सूची में भी कई खामियां

कई अभ्यर्थियों की बदली कैटेगरी, अभ्यर्थी परेशान

इंफ्रा रिपोर्टर | अजमेर

नगर निगम ने सफाई कर्मचारियों की भर्ती के लिए आए आवेदनों की सूची भले ही मंगलवार को जारी कर दी, लेकिन इनमें तकनीकी गलतियों के चलते अभ्यर्थी बुधवार को निगम में परेशान घूमते दिखे। कई अभ्यर्थियों की कैटेगरी बदल गई है, वे निगम अधिकारियों से गलती सुधरवाने के लिए गुहार लगाते दिखे। निगम प्रशासन के अनुसार अभी सूची जारी की गई है, उनकी जांच का काम चल रहा है, जल्द ही अंतिम सूची जारी की जाएगी। उसके बाद आपत्तियां मांगी जाएंगी। नगर निगम की ओर से 1115 पदों के लिए सफाई कर्मियों की भर्ती निकाली गई है। इसके लिए कुल 4787 आवेदन आए। मंगलवार रात निगम प्रशासन ने प्राप्त हुए आवेदनों की सूची चस्पा कर दी। रात से ही सूची के अवलोकन के लिए अभ्यर्थियों और उनके परिजनों की भीड़ लगी है। इस दौरान कंप्यूटर में फीडिंग करते समय कई खामियां रह गईं। कई एससी अभ्यर्थियों की कैटेगरी जनरल या ओबीसी हो गई है। कुछ ऐसा ही जनरल और ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ भी हुआ है।

राजस्थान ही नहीं, पंजाब-यूपी से भी आवेदन

सफाई कर्मचारी पद के लिए राजस्थान के विभिन्न जिलों से तो आवेदन आए ही हैं, पंजाब, यूपी सहित अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों ने भी आवेदन किए हैं। निगम परिसर में चस्पा सूची में भरतपुर, अलवर, चूरू, जयपुर, झुंझुनूं, भीलवाड़ा, सीकर, धौलपुर, दौसा, नीम का थाना, नागौर, जोधपुर, श्रीगंगानगर, करौली, सवाई माधोपुर, बूंदी सहित अन्य जिलों से भी आवेदन आए हैं।

लॉटरी से ही होगा चयन | नगर निगम के महापौर धर्मेंद्र गहलोत ने अभ्यर्थियों को हिदायत दी है कि वे किसी के बहकावे में नहीं आएं। भर्ती प्रक्रिया कंप्यूटर या खुली रूप से लॉटरी के माध्यम से की जाएगी। भर्ती में कोई धांधली न हो और कोई सवाल न उठे, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा और पारदर्शिता के साथ भर्ती की जाएगी।

जनरल, ओबीसी, एसटी-एससी से भी आए आवेदन | आवेदकों में सभी वर्गों के लोग शामिल हैं। जनरल के साथ ही ओबीसी और एससी एसटी के अभ्यर्थियों ने भी आवेदन किए हैं। अब इन सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगली सूची जारी की जाएगी।

जिस पद पर भर्ती, वही काम करना होगा | महापौर गहलोत ने बताया कि अभ्यर्थी यह न सोचें कि लॉटरी में उनका चयन होने के बाद उन्हें नगर निगम में शिक्षा के आधार पर या अन्य कोई कारणों के चलते सफाई के अलावा दूसरे काम में लगा दिया जाएगा। जिस काम के लिए और जिन पदों पर भर्ती की जा रही है, उस पद पर अगर अभ्यर्थी का चयन हो जाता है तो उसे वही काम करना होगा।

सफाई ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज करें

अजमेर | अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारियों व सदस्यों ने नगर निगम महापौर धर्मेंद्र गहलोत को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने फर्जी अनुभव प्रमाण-पत्र देने वाले सफाई ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। मांग करने वालों में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष ओमप्रकाश गोयर, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस नगर निगम के महामंत्री ओम प्रकाश चौहान, भारतीय नगर निगम मजदूर संघ के अध्यक्ष नौरतमल डेंडवाल आदि हैं।

Education News

प्रशिक्षण शिविर में नहीं पहुंचे आठ शिक्षक, नोटिस जारी

कोटा| प्रारंभिक शिक्षा विभाग की ओर से 21 मई से शुरू हुए छह दिवसीय शिक्षक ट्रेनिंग कैंप में कोटा ब्लॉक में आठ शिक्षक उपस्थित नहीं हुए। शैक्षिक प्रकोष्ठ अधिकारी देवलाल गोचर और एबीईईओ शशि प्रकाश गौतम ने बुधवार को रंगबाड़ी स्थित मदर टेरेसा स्कूल में चल रहे केंद्र का निरीक्षण किया।

उन्होंने कैंप में प्रशिक्षण सहित अन्य व्यवस्थाओं की जांच की। एबीईईओ गौतम ने बताया कि निरीक्षण में आठ शिक्षक अनुपस्थित मिले हैं। उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से कक्षा एक से 5वीं के शिक्षकों के लिए छह-छह दिवसीय कैंप का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण 16 जून तक संचालित होंगे। इनमें कुल 2393 शिक्षकों की ट्रेनिंग होगी। उन्होंने बताया कि इसमें कोताही बरतने वाले शिक्षकों के खिलाफ नियमानुसार विभागीय कार्रवाई होगी।

इधर, टोंक जिले के 19 प्रिंसिपल रहे अनुपस्थित

वहीं, रमसा की ओर से दादाबाड़ी में चल रही टोंक जिले के प्रधानाचार्यों के प्रशिक्षण शिविर में 120 में से 19 अनुपस्थित रहे। रमसा एडीपीसी संजय मीना ने बताया कि शिविर में टोंक जिले के 120 प्रतिभागियों को ट्रेनिंग के लिए बुलवाया था। इसमें 19 अनुपस्थित मिले हैं। इस संबंध में कार्रवाई के लिए डीईओ टोंक को पत्र भिजवा दिया है।

Education News

पहले से पद भरे हैं, लेकिन डीईओ और डिप्टी डायरेक्टर माध्यमिक ऑफिस में कर दी नियुक्ति

माध्यमिक शिक्षा में हुई पोस्टिंग का मामला

सिटी रिपोर्टर | कोटा

शिक्षा विभाग माध्यमिक में इन दिनों हुए तबादलों में डिप्टी डायरेक्टर और डीईओ में दो अधिकारियों के पदों की चर्चा बनी हुई।

डीईओ माध्यमिक में एडीईओ के दो पद शैक्षिक प्रकोष्ठ में नरेंद्र गहलोत और प्रशासनिक एडीईओ में राजेश चंदेल भरा होने के बाद भी यहां सांगोद बीईईओ पर नियुक्त महेश नागर को लगा दिया है। वहीं, दूसरी ओर डिप्टी डायरेक्टर माध्यमिक में पहले से सहायक निदेशक अजीत लुहाड़िया और एडीईओ तारादेवी शर्मा नियुक्त हैं, लेकिन, निदेशालय के आदेश के बाद अमरपुरा प्रिंसिपल अखिलेश जैन को लगा दिया है। शिक्षा विभाग में अचानक हुए इन तबादलों को लेकर हलचल है कि आखिर इन पदों पर कौन रहेगा? वहीं, दूसरी ओर जिले की 12 स्कूलों में अतिरिक्त एक-एक प्रिंसिपल भी लगा दिया है। डिप्टी डायरेक्टर रामस्वरूप मीना ने बताया कि जहां अतिरिक्त अधिकारी लगाए हैं। वहां की दूसरी लिस्ट अभी नहीं आई है। यह लिस्ट आने के बाद संबंधित अधिकारी रिलीव हो सकेंगे।

Education News

डवलपमेंट | जनसहभागिता से साफ सुथरे-टॉयलेट उपलब्ध करवाए जाएंगे

जिले के 1077 स्कूलों में 20 करोड़ रुपए की लागत से मिलेगी टॉयलेट की सुविधा

सिटी रिपोर्टर | कोटा

डीसीएम श्रीराम व शिक्षा विभाग के एमओयू से बदलेंगे हालात, चार साल में खर्च होंगे 20 करोड़ रुपए

कोटा जिले में 1072 सरकारी स्कूल हैं और इनमें से 650 से अधिक स्कूलों टॉयलेट की हालत इतनी खराब हैं कि उनका उपयोग ही नहीं किया जा सकता है। कुछ स्कूल अभी भी ऐसे है जिनमें टॉयलेट नहीं है। दैनिक भास्कर द्वारा पिछले दिनों इस सच्चाई को उजागर करते हुए खबरें भी प्रकाशित की थी। अब इन सभी स्कूलों में 20 करोड़ रुपए की लागत से जनसहभागिता द्वारा साफ सुथरे टायलेट उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसका एक एमओयू कलेक्टर गौरव गोयल की उपस्थिति में डीसीएम और शिक्षा विभाग के बीच बुधवार को किया गया।

डीसीएम श्रीराम द्वारा कॉरपोरेट सीएसआर के तहत श्रीराम सेनिटेशन अभियान जिले के सभी 1072 स्कूलों चलाया जाएगा। जिन स्कूलों में टायलेट नहीं हैं वहां टायलेट बनाया जाएगा तथा जहां टायलेट है, लेकिन उपयोग के काबिल नहीं है, उनका रेनोवेशन किया जाएगा। इसमें जिले के पांचों ब्लॉकों में 777 प्राथमिक स्कूलों, 295 माध्यमिक स्कूलों में 3 से 4 वर्ष तक लगातार अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 15 से 20 करोड़ रुपए का बजट रखा गया हैं।

पहले चरण में लाडपुरा ब्लॉक के 144 स्कूलों में चलेगा अभियान

डीसीएम श्रीराम की तरफ से प्रेसीडेंट फर्टिलाइजर एवं सीमेंट वीनू मेहता ने बताया कि श्रीराम सेनिटेशन अभियान के तहत प्रथम चरण में लाडपुरा ब्लॉक के 144 स्कूलों में यह अभियान शुरू किया गया है। चार साल के अंदर सभी स्कूलों में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवा दी जाएगी। फिनिश सोसायटी के प्रोजेक्ट मैनेजर योगेश शर्मा ने बताया कि संस्था अभियान में शिक्षण संस्थाओं में बने शौचालयों की साफ-सफाई के लिए सफाई कर्मियों को प्रशिक्षित करेगी। उन्हें यूनिफार्म एवं स्वच्छता उपकरण श्रीराम फाउंडेशन की तरफ से उपलब्ध कराएंगे। इस अवसर पर डीसीएम श्रीराम की तरफ से जनरल मैनेजर प्रशासन यूएन शर्मा, सीएसआर कॉरपोरेट जॉय मुखर्जी, सीनियर मैनेजर प्रशासन आरएस सेंगर, राजेश दाधीच व करणी सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी एंजिलिका पलात, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र गहलोत उपस्थित रहे।

भास्कर इम्पैक्ट

स्कूल में बेटियों के लिए टॉयलेट बनाने का अभियान चलाया था भास्कर ने। इसके बाद जिले भर के 20 स्कूलों में बने टॉयलेट

हर ब्लॉक में एक मॉडल स्कूल तैयार करें: कलेक्टर

कलक्टर गोयल ने कहा कि कोटा जिले के स्कूलों को साफ रखने में यह एमओयू कारगर साबित होगा। स्कूलों में टायलेट का निर्माण व रखरखाव के साथ विद्यार्थियों में मानसिक परिवर्तन के लिए यह करार किया गया है। उन्होंने सुझाव दिया कि ब्लॉकवार आधारभूत सुविधाओं की आवश्यकताओं को चिन्हित कर प्रत्येक चरण में एक स्कूल को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाए। स्टूडेंट्स के साथ-साथ अभिभावकों एवं अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। साथ ही शहरी क्षेत्र में भी कच्ची बस्ती के लोगों को जागरूक करने काम इस अभियान में शामिल करें।

Education News

कोटा सहित देश के 155 केंद्रों पर 26-27 मई को होगा एम्स एंट्रेंस

एजुकेशन रिपोर्टर | कोटा

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) एंट्रेंस का ऑनलाइन एग्जाम 26 व 27 मई को होगा। परीक्षा राजस्थान सहित देश के 32 राज्यों के 155 केंद्रों पर आयोजित होगी। राजस्थान में कोटा, अजमेर, अलवर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर व सीकर में परीक्षा के केंद्र रहेंगे।

807 सीट के लिए 3 लाख स्टूडेंट्स देंगे एग्जाम

कोटा के करीब 40 हजार स्टूडेंट्स सहित देशभर के करीब 3 लाख स्टूडेंट परीक्षा देंगे। इस परीक्षा के द्वारा छात्रों को एम्स के न्यू दिल्ली, भोपाल, जोधपुर, ऋषिकेश, भुवनेश्वर, पटना, गुंटूर, नागपुर एवं रायपुर के मेडिकल कॉलेजों में दाखिला मिलेगा। यह परीक्षा देश के विभिन्न संस्थानों में 807 एमबीबीएस सीटों के लिए होगी। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12.30 बजे और दोपहर 3 बजे से शाम 6.30 बजे तक दो पारियों में होगी। कुल 200 मल्टीपल सवाल पूछे जाएंगे। सही उत्तर के लिए एक अंक मिलेगा, वहीं गलत जवाब पर एक तिहाई अंक कटेंगे।

Education News

18 जून को रिजल्ट, काउंसलिंग का पहला चरण 3 जुलाई से

एक्सपर्ट शैलेंद्र माहेश्वरी ने बताया कि एम्स का रिजल्ट 18 जून को आएगा। इसके बाद एम्स में दाखिले के लिए काउंसलिंग शुरू होगी। काउंसलिंग का पहला चरण 3 से 6 जुलाई तक चलेगा। इसके बाद काउंसलिंग का दूसरा चरण 2 अगस्त व तीसरा चरण 4 सितम्बर को रहेगा। इसके बाद 27 सितम्बर को ओपन काउंसलिंग होगी।

12वीं बोर्ड का परिणाम जारी | कॉमर्स में 32 से सीधे दूसरे नंबर तो साइंस में 20 से 8वें नंबर पर लगाई छलांग

जिस जीएसटी से सब डर रहे थे, उसी ने सुधारा कॉमर्स का परिणाम, एक ही साल में 82 से 97% पर पहुंचे, प्रदेश में हम दूसरे नंबर पर, साइंस में 88% की हैट्रिक

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को 12वीं कामर्स व विज्ञान का रिजल्ट जारी किया। कॉमर्स में श्रीगंगानगर जिले का परिणाम पिछले साल की तुलना में 14.79 प्रतिशत बढ़ा है और जिला 96.84 प्रतिशत रिजल्ट के साथ पूरे राज्य में दूसरे स्थान पर रहा। वर्ष 2017 में कॉमर्स में श्रीगंगानगर 82.05 प्रतिशत के साथ 32वें नंबर पर रहा था। वहीं, विज्ञान संकाय में जिले का रिजल्ट 0.27 प्रतिशत कम हुआ है लेकिन 88.10 प्रतिशत रिजल्ट के साथ जिला पूरे राज्य में 8वें स्थान पर रहा है। वर्ष 2017 में श्रीगंगानगर विज्ञान संकाय में 20वें स्थान पर रहा था। कॉमर्स में 791 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए थे। इसमें से 766 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। वहीं, विज्ञान में 4540 विद्यार्थी शामिल हुए थे, इसमें से 3952 छात्र-छात्राएं सफल हुए। भास्कर ने कॉमर्स के परिणाम को लेकर प्राध्यापकों से बात की तो बड़ा रोचक कारण सामने आया। प्राध्यापकों का मानना था कि इस बार जीएसटी नया विषय जोड़ा गया था। चूंकि इसका ज्ञान किसी को नहीं था। इसलिए बच्चों ने फेल होने के डर से कॉमर्स में अधिक मेहनत की।

कॉमर्स में सवाईमाधोपुर व विज्ञान में नागौर के बाद हम

श्रीगंगानगर कॉमर्स में दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, विज्ञान संकाय में जिले को 7वां स्थान मिला है। कॉमर्स में सवाई माधोपुर 97.87 प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर रहा है। इसके बाद श्रीगंगानगर जिला 96.84 प्रतिशत के साथ दूसरे पर है। इन दोनों के बाद चुरु, करौली व झालावाड़ का नंबर है। वहीं, विज्ञान संकाय में नागौर 91.27 प्रतिशत के साथ अव्वल रहा है। इसके बाद सीकर, चुरू , जोधपुर, झुंझनूं, जयपुर, भीलवाड़ा हैं। श्रीगंगानगर जिला 88.10 प्रतिशत के साथ 8वें स्थान पर रहा है। वर्ष 2016 में श्रीगंगानगर 15वें व वर्ष 2017 में 20वें स्थान पर रहा था।

भास्कर एनालिसिस | दोनों ही संकायों में बेटियों का परिणाम बेटों से बेहतर

कॉमर्स — 2018: 96.84% | 2017: 82.05%

पिछली बार से इस बार ...फीसदी घटा रिजल्ट

ये है कॉमर्स का जिले का परिणाम

791 स्टूडेंट परीक्षा में बैठे — छात्र 491, छात्राएं 300 — कुल उत्तीर्ण 766

सैकंड डिवीजन 276 | फर्स्ट डिवीजन 478 | जिले का प्रतिशत 96.84

छात्राएं		छात्र	
300 परीक्षा में बैठी		491 परीक्षा में बैठे	
फर्स्ट डिवीजन	230	फर्स्ट डिवीजन	248
सैकंड डिवीजन	61	सैकंड डिवीजन	215
थर्ड डिवीजन	01	थर्ड डिवीजन	07
बेटियों का जिलेभर का परिणाम 97.33%		छात्रों का जिलेभर का परिणाम 96.54%	

साइंस — 2018: 88.10% | 2017: 88.37%

पिछली बार से इस बार 0.27 फीसदी गिरा परिणाम

ये है साइंस का जिले का परिणाम

4486 स्टूडेंट परीक्षा में बैठे — छात्र 3072, छात्राएं 1414 — कुल उत्तीर्ण 3952

सैकंड डिवीजन 806 | फर्स्ट डिवीजन 2901 | जिले का प्रतिशत 88.10

छात्राएं		छात्र	
1414 परीक्षा में बैठी		3072 परीक्षा में बैठे	
फर्स्ट डिवीजन	1118	फर्स्ट डिवीजन	1783
सैकंड डिवीजन	170	सैकंड डिवीजन	636
थर्ड डिवीजन	00	थर्ड डिवीजन	03
बेटियों का जिलेभर का परिणाम 93.35%		छात्रों का जिलेभर का परिणाम 85.68%	

कॉमर्सः हर दूसरे साल गिरता है परिणाम

साइंसः तीन साल से परिणाम 88% पर टिका

अगर आपके 90% से ज्यादा नंबर हैं तो अपना फोटो, मार्कशीट, लक्ष्य, माता-पिता व स्कूल का नाम दैनिक भास्कर कार्यालय में जमा करवाएं। आपके फोटो निशुल्क प्रकाशित होंगे।

इन 5 कारणों से जानिए परिणाम बढ़ने की वजह

1. जीएसटीः जब से जीएसटी लागू हुआ है, बच्चों का रुझान एकाएक बढ़ा है और कॉम्पिटिशन फाइट करने के लिए बच्चों ने इस बार जबरदस्त मेहनत की।

2. कॉरपोरेटः जीएसटी के चलते बच्चों की रुचि कॉरपोरेट जगत की ओर भी अधिक हो गई है। यही कारण है कि यहां के व्यापारियों के बच्चे कॉमर्स में अधिक रुचि दिखा रहे हैं।

3. बैंकिंग क्षेत्र में अच्छा स्कोपः पिछले कुछ सालों से बैंकिंग में खूब नौकरियां मिली हैं। मल्टीनेशनल कंपनीज, इनकम टैक्स, बैंक आदि में भी रोजगार को लेकर स्कोप अच्छा बढ़ा है।

4. सिलेबस में बदलावः इस बार सिलेबस भी बदला। रोकड़ प्रवाह विवरण चैप्टर हटाया और लेखांकन अनुपात को सीमित किया। दोनों ही अध्याय काफी कठिन थे।

5. नई भर्तीः इसी शैक्षिक सत्र के शुरू में जुलाई में वाणिज्य व्याख्याताओं को नई पोस्टिंग भी दी थी। इससे रिक्त पद भरे। सीधा फायदा बच्चों को हुआ।

एक्सपर्ट पैनल

अंकुश अरोड़ा, कॉमर्स लेक्चरर

पूजा वासन, कॉमर्स व्याख्याता

साइंसः शिक्षकों को पदोन्नत किया, लेकिन अभी अनुभव की कमी, इसी से और सुधरेगा परिणाम

मैं इसका सबसे बड़ा कारण जो मानता हूं वो ये है कि स्कूलों को मर्ज करने के समय और बाद में सेकंड ग्रेड शिक्षकों को फ़र्स्ट ग्रेड में प्रमोशन दिया है, उन शिक्षकों में अपेक्षाकृत अनुभव की कमी है। कारण कि वे पहले 10वीं तक पढ़ाते थे और अब उन्हें सीधा 11वीं, 12वीं को पढ़ाना पड़ रहा है और इन दोनों कक्षाओं का स्टेंडर्ड हाई लेवल का है। जब तक ये शिक्षक तीन साल प्रॉपर पढ़ा नहीं लेंगे और बच्चों से डिस्कस नहीं कर लेंगे, सुधार संभव नहीं है। ऐसा नहीं कि ये शिक्षक मेहनत नहीं करते, बहुत करते हैं पर अनुभव मायने रखता है।

प्रभात शर्मा, फिजिक्स लेक्चरर

Education News

प्रतिभा, समझ और संघर्ष के ऐसे ही उदाहरणों की केमिस्ट्री से भीलवाड़ा ने विज्ञान और वाणिज्य संकाय में सफलता का यह परिणाम दिया

▪ प्रतिभा | समझाने का ऐसा तरीका कि कक्षा में टीचर का मौका भी नवदीप को, फीस माफ की स्कूल ने... नवदीप धाकड़ अपनी कक्षा में टीचर भी रहा। कंसेप्ट समझने और समझाने का इतना अच्छा तरीका है कि वह स्टूडेंट्स को ग्रुप डिस्कशन में कंसेप्ट समझाता था। पिता सुरेश कपड़ा फैक्ट्री में श्रमिक हैं। मयूर स्कूल के प्रिंसिपल कैलाश जैन का कहना है कि इंटेलीजेंट होने से नवदीप की दो साल की फीस माफ कर दी। मैथ्स में 100 अंक हैं। 12वीं में 95.60% मार्क्स मिले।

▪ समझ | एक पाठ समझे बिना दूसरा पाठ शुरू नहीं करती साक्षी नतीजा - मैथ्स-इंग्लिश में 100-100 मार्क्स... साइंस में 96.40 प्रतिशत मार्क्स लाने वाली साक्षी माहेश्वरी किसी भी लेसन में कंसेप्ट क्लियर हुए बगैर आगे का चैप्टर नहीं पढ़ती। साक्षी मयूर स्कूल की स्टूडेंट हैं। साक्षी के पिता टीचर व मां गृहिणी है। उसे मैथ्स व इंग्लिश में 100-100 मार्क्स मिले हैं। साक्षी 10वीं तक सीबीएसई में थीं लेकिन 11वीं के बाद वह आरबीएसई में आई और उसे 10वीं में 9.8 सीजीपीए था।

▪ संघर्ष | पिता ने मां को छोड़ा, मामा के पास पढ़कर 93.40% अंक लाई संगीता... सुवाणा निवासी संगीता जाट के पिता ने कुछ सालों पहले मां को छोड़ दिया। इसके बाद संगीता अकेली हो गई। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी इसलिए मां अपने भाई के घर चली गई। महिला आश्रम में पढ़ने वाली संगीता कहती हैं कि मुझे बताना है कि मां ने पैरों पर खड़ा किया। संगीता को साइंस में 93.40 प्रतिशत अंक मिले हैं। आईएसएस बनना चाहती है।

साइंस में राज्य में पहली बार 21 से 7वीं, कॉमर्स में 12.82% रिजल्ट सुधरा तो 33 से 12वीं रैंक

भास्कर संवाददाता | भीलवाड़ा

प्रदेश में कॉमर्स सिटी के नाम से मशहूर भीलवाड़ा में बुधवार को घोषित 12वीं कॉमर्स व साइंस के रिजल्ट और रैंकिंग में जबरदस्त सुधार हुआ है। पिछले साल से 1.44 प्रतिशत रिजल्ट में सुधार के साथ साइंस में जिले में पहली बार स्टेट में 7वीं रैंक मिली है। कॉमर्स में पिछले साल के मुकाबले रिजल्ट में 12.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल भीलवाड़ा सबसे नीचले पायदान (33वीं रैंक) पर था। इस बार सुधार हुआ और रैंकिंग 12 पर पहुंच गई।

पिछले साल के मुकाबले साइंस में 4.95 प्रतिशत स्टूडेंट्स बढ़े जबकि चिंताजनक बात है कि कॉमर्स सिटी में पहली बार 12.72 प्रतिशत स्टूडेंट घटे हैं। वर्ष 2013 में कॉमर्स के रिजल्ट में भीलवाड़ा की दूसरी रैंकिंग थी लेकिन भीलवाड़ा अभी तक इस आंकड़े को वापस नहीं छू पाया जबकि साइंस में पहली बार सातवीं रैंक हासिल की है। पांच साल में प्रदेश में 31वीं रैंक से हम छलांग लगाकर इस साल 7वीं रैंक पर आ गए। जबकि कॉमर्स में वर्ष 2013 के सैकंड रैंक को आंकड़े को अभी तक वापस नहीं छू पाए हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से पिछले साल राज्य व जिला मेरिट की व्यवस्था खत्म कर देने से इस बार यह जानकारी सामने नहीं आई कि भीलवाड़ा से कौनसे स्टूडेंट राज्य व जिला मेरिट में जगह बना पाए हैं।

40% पद खाली फिर भी सरकारी स्कूलों का रिजल्ट बेहतर... 12वीं नतीजों में इस बार सरकारी स्कूल निजी के मुकाबले श्रेष्ठ रहे। शिक्षकों के करीब 38% से अधिक पद रिक्त होने के बाद भी परिणाम सुधरा। स्टूडेंट्स ने अपने दम पर अच्छा रिजल्ट हासिल किया है।

राजस्थान बोर्ड : वाणिज्य 92.57% और विज्ञान में 88.77%

जीएसटी के डर ने बढ़ाए अंक

▪ जब से जीएसटी लागू हुआ है, बच्चों का रुझान एकाएक बढ़ा है और कॉम्पिटिशन फाइट करने के लिए बच्चों ने इस बार जबरदस्त मेहनत की।

▪ जीएसटी के बाद बच्चों का रुझान कॉरपोरेट जगत की और एकाएक अधिक हो गया है। एक बड़ा कारण व्यापारी वर्ग के बच्चे अधिक रूचि दिखाने लगे हैं।

▪ कुछ सालों से बैंकिंग में खूब नौकरियां मिली हैं। मल्टीनेशनल कंपनीज, इनकम टैक्स आदि में भी अच्छा स्कोप दिखा।

▪ इस बार सिलेबस भी बदला। रोकड़ प्रवाह विवरण चैप्टर हटाया और लेखांकन अनुपात को सीमित किया। दोनों ही अध्याय काफी कठिन थे।

अब यह चिंता दूर करनी होगी

▪ एक समय भीलवाड़ा में कॉमर्स को लेकर जो बूम था अब वह नहीं रहा है। सीए ज्यादा होने से अब नए सीए के लिए मुंबई में 15-20 हजार की नौकरी भी मुश्किल हो गई।

▪ स्टूडेंट्स कम नहीं हो रहे हैं, लेकिन बूम जरूर थम गया। सीए, सीएस टफ होने के अलावा इंजीनियरिंग में नौकरियां घटने के कारण स्टूडेंट्स बीएससी, एमएससी की ओर रुख कर रहे हैं।

▪ साइंस में गवर्नमेंट व प्राइवेट सेक्टर में नौकरियों की डिमांड रहती है। इसलिए साइंस में एडमिशन बढ़ रहे हैं। भीलवाड़ा में स्टूडेंट्स में कॉमर्स का रुझान कम हो रहा है। इसी कारण सीपीटी में पहले की अपेक्षा रजिस्ट्रेशन कम हुआ है।

विज्ञान में 4.95% स्टूडेंट्स बढ़े, कॉमर्स में 12.72 % घटे

साइंस के रिजल्ट में हर स्तर पर सुधार हुआ है। लगातार साइंस पढ़ने वाले स्टूडेंट्स की संख्या भी बढ़ रही हैं। हालांकि फर्स्ट आने वाली की संख्या घटी है जबकि सैकंड आने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस बार रिजल्ट में हमेशा की तरह बेटियां आगे रहीं। गर्ल्स का रिजल्ट 94.19% रहा जबकि 85.58% बॉयज ही पास हुए हैं। जिन स्कूलों का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा है उनमें अधिकांश स्कूल गांवों के हैं।

▪ **24 सरकारी स्कूलों का शत प्रतिशत परिणाम...** विज्ञान में 24 सरकारी स्कूलों ने शत प्रतिशत परिणाम दिया। इनमें डॉ. भीमराम आंबेडकर बालिका आवासीय विद्यालय आटूण, बालिका बापूनगर, बालिका पुर, बालिका आसींद, ओजियाणा, किशनगढ़ कोटड़ी, बीगोद, बनेड़ा, बालिका जहाजपुर, बड़लियास, सुवाणा, पारोली, भोजरास, रायला, सांगरिया, बेमाली, निंबाहेड़ा जाटान, मोखुंदा स्कूल हैं।

▪ **कॉमर्स में 20 स्कूल ने फहराया परचम** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा बुधवार को घोषित 12 वीं कॉमर्स के परीक्षा परिणाम में जिले के 20 सरकारी स्कूलों ने 100 प्रतिशत परिणाम दिया है। इनमें गुलमंडी बालिका, बापूनगर बालिका, सहाड़ा,बागोर, शाहपुरा, गुलाबपुरा, बिजौलिया, बालिका पुर, कारोई, भूणास, रायला, करेड़ा, रोपा, सलावटिया, भगवानपुरा, कोटड़ी, रायपुर, महेंद्रगढ़ व पाटन स्कूल शामिल है।

एक्सपर्ट पैनल

रोशनलाल तोतला
पूर्व अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक)

रामअवतार शर्मा
व्याख्याता, सांगानेर राजकीय स्कूल

प्रदेश के 2103 संस्थाप्रधानों ने नहीं भेजे सत्रांक, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने मांगा जवाब | प्रदेश के 2 हजार 103 संस्था प्रधानों ने गंभीर लापरवाही बरती है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा-2018 के ऑन लाइन सत्रांक प्रस्तुत नहीं करने पर इन स्कूलों के छात्र-छात्राओं परिणाम रोकने की नौबत आ गई थी। विगत 9 मार्च को विज्ञप्ति जारी करके बोर्ड ने एक माह का समय प्रदान करते हुए 8 अप्रैल तक का समय सत्रांक ऑन लाइन करने के लिए दिया था। इसके बाद भी विलंब शुल्क के साथ 15 अप्रैल एवं दुगुने विलंब शुल्क के साथ 22 अप्रैल तक के दो अवसर दिए गए थे। लेकिन ऑनलाइन सत्रांक प्रस्तुत करने के लिए दिए गए तीन अवसरों की समय सीमा बीतने के एक माह बाद भी भारी संख्या में स्कूलों ने ऑन लाइन नहीं किए। यहीं नहीं 27 अप्रैल को बोर्ड ने फिर विज्ञप्ति जारी करके ऐसे विद्यालयों को बोर्ड में व्यक्तिगत उपस्थित होकर विलंब शुल्क के साथ सत्रांक प्रस्तुत करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था।

▪ **यह चेतावनी दी...** संस्था प्रधानों की लापरवाही के कारण संबंधित विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रोके जाने की स्थितियां पैदा हो गई। इससे इन विद्यार्थियों का न केवल भविष्य प्रभावित हो सकता था, वरन दूरगामी परिणाम भी संवीक्षा तक प्रभावित होंगे।

▪ **निदेशक ने दी कार्रवाई की चेतावनी...** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने ऐसे विद्यालयों की सूची माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भेजी है। निदेशक नथ मल डिडेल ने सभी माध्यमिक जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिए कि तीन दिन में सत्रांक बोर्ड को भिजवाने के निर्देश दिए। निर्धारित समय पर कार्य नहीं होने पर जिला शिक्षा अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी दी गई। साथ ही निदेशक डिडेल ने ऐसे संस्था प्रधानों के विरुद्ध कार्रवाई के प्रस्ताव भी निदेशालय भेजने के निर्देश दिए।

▪ विज्ञान...5 साल में 26.54% बढ़ा

रिजल्ट: 61.63 से बढ़कर 88.77% हुआ

2013 रिजल्ट : 61.63% स्टेट रैंकिंग: 31वीं

2018 रिजल्ट : 88.77% स्टेट रैंकिंग: 7वीं

वर्ष 2014	वर्ष 2015	वर्ष 2016	वर्ष 2017
रिजल्ट : 74.56%	रिजल्ट : 78.56%	रिजल्ट : 84.45%	रिजल्ट : 87.33%
स्टेट रैंकिंग: 25वीं	स्टेट रैंकिंग: 28वीं	स्टेट रैंकिंग: 24वीं	स्टेट रैंकिंग: 21वीं

तुलनात्मक स्थिति....

वर्ष 2017	वर्ष 2018
ओवरऑल रिजल्ट: 87.33 %	ऑवर ऑल रिजल्ट: 88.77 %
रजिस्टर्ड : 3635	रजिस्टर्ड : 3815
अपीयर: 3599	अपीयर: 3766
फर्स्ट: 2376	फर्स्ट: 2058
सैकंड: 763	सैकंड: 1259
थर्ड: 01 / पास : 03	थर्ड: 06 / पास : 20

छात्रों का परिणाम

सेगमेंट	वर्ष 2016	वर्ष 2017	2018
रिजल्ट	83.12%	86.36%	85.58%
रजिस्टर्ड	1934	2273	2411
अपीयर	1913	2243	2372
फर्स्ट	888	1387	1149
सैकंड	696	547	858
थर्ड	05	00	04
पास	01	03	19

138 स्टूडेंट बढ़े और रिजल्ट 0.78% घटा

छात्राओं का परिणाम

सेगमेंट	वर्ष 2016	वर्ष 2017	2018
रिजल्ट	87.06%	88.94%	94.19%
रजिस्टर्ड	982	1362	1404
अपीयर	974	1356	1394
फर्स्ट	587	989	909
सैकंड	261	216	401
थर्ड	00	01	02

42 संख्या बढ़ी और रिजल्ट 5.25% बढ़ा

▪ वाणिज्य...5 साल में 04.49% बढ़ा

रिजल्ट: 88.08 से बढ़कर 92.57% हुआ

2013 रिजल्ट : 88.08% स्टेट रैंकिंग: 2वीं

2018 रिजल्ट : 92.57% स्टेट रैंकिंग: 12वीं

वर्ष 2014	वर्ष 2015	वर्ष 2016	वर्ष 2017
रिजल्ट : 87.58%	रिजल्ट : 77.78%	रिजल्ट : 81.63%	रिजल्ट : 79.75%
स्टेट रैंकिंग: 23वीं	स्टेट रैंकिंग: 28वीं	स्टेट रैंकिंग: 28वीं	स्टेट रैंकिंग: 33वीं

तुलनात्मक स्थिति....

वर्ष 2017	वर्ष 2018
ओवरऑल रिजल्ट: 79.75%	ऑवर ऑल रिजल्ट: 92.57%
रजिस्टर्ड : 1188	रजिस्टर्ड : 1037
अपीयर: 1180	अपीयर: 1023
फर्स्ट: 393	फर्स्ट: 404
सैकंड: 501	सैकंड: 455
थर्ड: 47	थर्ड: 88

छात्रों का परिणाम

सेगमेंट	2016	2017	2018
रिजल्ट	77.37%	76.80%	90.64%
रजिस्टर्ड	919	798	685
अपीयर	906	793	673
फर्स्ट	231	190	228
सैकंड	404	381	310
थर्ड	66	38	72

113 स्टूडेंट घटे और रिजल्ट 13.84% बढ़ा

छात्राओं का परिणाम

सेगमेंट	2016	2017	2018
रिजल्ट	90.65%	85.79%	96.29%
रजिस्टर्ड	433	390	352
अपीयर	428	387	350
फर्स्ट	223	203	176
सैकंड	155	120	145
थर्ड	10	09	16

38 संख्या घटी और रिजल्ट 10.50% बढ़ा

अगर आपके 90% से ज्यादा नंबर हैं तो आप अपना फोटो, मार्कशीट, लक्ष्य, माता-पिता व स्कूल का नाम भास्कर कार्यालय में जमा करवाएं।

▪ भास्कर टीम | नरेंद्र जाट, प्रहलाद तिवारी

Education News

2260 अभ्यर्थियों को डीएलएड प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | भीलवाड़ा

मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के निर्देश पर राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की ओर से सेमुमा गर्ल्स स्कूल में चल रहे 12 दिवसीय डीएलएड प्रशिक्षण का सोमवार को समापन हुआ। जिले के 11 केंद्रों पर 11 मई से शुरू हुए प्रशिक्षण में 2260 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

परीक्षा 31 से

सेमुमा में आयोजित शिविर का समापन समारोह को संबोधित करते हुए।

Education News

सेमुमा स्कूल में शिविर का समापन पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी जगदीश पुरोहित के सानिध्य में हुआ। प्रिंसिपल अरुणा गारू ने बताया कि प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों ने पाठ योजना, प्रश्न पत्रों का निर्माण, ब्लू प्रिंट, अध्ययन सामग्री बनाना, शिक्षण विधियां सहित उसके सूत्र के बारे में सीखा।

12 दिवसीय प्रशिक्षण के 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। केंद्र समन्वयक राजकुमार शर्मा ने बताया कि समापन समारोह में सभी अभ्यर्थियों ने शिविर के अनुभव साझा किए। इस दौरान पर्ल कॉलेज की लेक्चरर अरुणा भट्ट, सेमुमा गर्ल्स स्कूल की वरिष्ठ व्याख्याता ज्योति जीनगर व सावलकुमार ओझा, भागचंद पाटनी, शिवा उपाध्याय व सुनील पाटनी उपस्थित थे। शर्मा ने बताया कि पेपर 501,502 व 503 की परीक्षा 31 मई से दो जून तक होगी। परीक्षा केंद्र सेमुमा गर्ल्स स्कूल, राजेंद्र मार्ग, लेबर कॉलोनी व सुभाषनगर स्कूल में दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक होगी। प्रवेश पत्र ऑनलाइन उपलब्ध है।

साइंस में 90 और कॉमर्स में 92.76 फीसदी पास

- साइंस में पिछले साल की तुलना में रिजल्ट 3.50% कम रहा, जबकि 92.66% बेटियां सफल हुईं
- कॉमर्स में पिछले साल की तुलना में परिणाम 2.06% बढ़ा, बेटियों का रिजल्ट 97.14 फीसदी रहा

सबसे बड़ी खुशी-
साइंस में प्रदेश में दूसरे नंबर पर रहे, 1161 स्टूडेंट्स बढ़ें

सबसे बड़ी चिंता-
कॉमर्स की तरफ रुझान घटा, 331 स्टूडेंट्स कम हुए

भास्कर संवाददाता | सीकर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं साइंस व कॉमर्स का रिजल्ट बुधवार शाम को जारी कर दिया। जिले का साइंस का रिजल्ट 90 फीसदी और कॉमर्स का परिणाम 92.76 फीसदी रहा। रिजल्ट का एक शब्द में विश्लेषण करें तो यह समझ आता है कि कॉमर्स के स्टूडेंट्स ने बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन कॉमर्स की तरफ रुझान तेजी से घटता नजर आ रहा है। कॉमर्स में पिछले साल की तुलना में 331 स्टूडेंट्स कम हो गए। जबकि डॉक्टर-इंजीनियर बनने के लिए साइंस की तरफ रुझान बढ़ता दिख रहा है। साइंस में पिछले साल से इस बार 1161 स्टूडेंट्स ज्यादा शामिल हुए थे। दैनिक भास्कर ने एक्सपर्ट्स और आंकड़ों की मदद से दोनों रिजल्ट का विश्लेषण किया है।

साइंस वर्ग में सीकर ने अपना स्थान जरूर रखा। प्रदेश में हम दूसरे नंबर पर रहे। पिछले साल की तुलना में साइंस का रिजल्ट इस बार 3.50 फीसदी कम रहा। 17910 स्टूडेंट्स फर्स्ट डिविजन से पास हुए। साइंस वर्ग में छात्रों का रिजल्ट 88.98 और छात्राओं का परिणाम 92.66 प्रतिशत रहा। कॉमर्स में स्टूडेंट्स ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रदेश में 15वें नंबर से हम नौवें स्थान पर आ गए। जबकि रिजल्ट भी पिछले साल की तुलना में 2.06 प्रतिशत बढ़ा। रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा। वहीं, छात्रों का परिणाम 90.76 प्रतिशत और छात्राओं का परिणाम 97.14 फीसदी रहा। जिले के सरकारी स्कूलों का रिजल्ट भी 95 से 100 फीसदी तक रहा है। भास्कर ने जिले के करीब 10 बड़े स्कूलों का रिजल्ट देखा तो पता चला कि इस बार उनके रिजल्ट में जबरदस्त सुधार है।

सीकर. विद्याश्रम स्कूल में जश्न मनाते स्टूडेंट्स।

साइंस-कॉमर्स के रिजल्ट को कुछ खास बातों से समझिए

साइंस संकाय

16678 कुल छात्र पास हुए		6702 कुल छात्राएं पास हुईं	
फर्स्ट	12104	फर्स्ट	5806
सैकंड	3936	सैकंड	865
थर्ड	18	थर्ड	01
पास	620	पास	30

कुल 23380 छात्र-छात्राएं पास

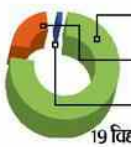

19 विद्यार्थी थर्ड डिवीजन से पास हुए।

साइंस में उड़ान रुकी, रिजल्ट पिछले साल से 3.50% कम हुआ

दो बड़ी बातें

1. सीकर का रिजल्ट कम हुआ, लेकिन प्रदेश में दूसरा स्थान नहीं छोड़ा। इस बार स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ी।
2. पिछले साल की तुलना में साइंस का रिजल्ट इस बार 3.50 फीसदी कम रहा। इस बार रिजल्ट 90 फीसदी रहा।

हैरान करने वाली 2 बातें

1. पिछले साल की तुलना में सफलता 3.78 प्रतिशत तक घट गई। इस साल रिजल्ट 88.98 फीसदी रहा। पिछले साल 92.76 प्रतिशत था।
2. छात्रों का रिजल्ट पिछले साल से 2.89 फीसदी कम रहा। इस साल 92.66 फीसदी लड़कियां सफल हुईं।

कॉमर्स में रिजल्ट 6.44% बढ़ा, 90.76% बेटे रहे सफल

1. प्रदेश में 15वें से नौवें नंबर पर आए। रिजल्ट भी पिछले साल की तुलना में 2.06 प्रतिशत बढ़ा। रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।
2. छात्राओं ने भी अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया। पिछले साल की तुलना में रिजल्ट 6.44 फीसदी तक बढ़ा है। इस बार छात्राओं का रिजल्ट 92.66 फीसदी रहा है।

1. छात्र वर्ग का रिजल्ट लगातार कम हो रहा था, इस बार रिजल्ट पिछले साल की तुलना में 3.1 फीसदी बढ़ा। 90.76 फीसदी छात्र कामयाब हुए।
2. लड़कियों ने कॉमर्स में भी लड़कों को पीछे कर दिया। लड़कियों का रिजल्ट 97.14 फीसदी रहा, जो कुल परिणाम 90 फीसदी से भी 7.14 फीसदी ज्यादा है।

कॉमर्स संकाय

1178 कुल छात्र पास हुए		577 कुल छात्राएं पास हुईं	
फर्स्ट	545	फर्स्ट	430
सैकंड	551	सैकंड	140
थर्ड	80	थर्ड	07
पास	02	पास	00

कुल 1755 छात्र-छात्राएं पास

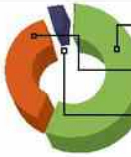

02 विद्यार्थी केवल पास हुए।

...साइंस में फिजिक्स विषय की वजह से पीछे रहे विद्यार्थी

साइंस वर्ग में रिजल्ट कमजोर रहने में अहम भूमिका फिजिक्स ने निभाई। प्रदेश में इस विषय का परिणाम 88.82 फीसदी रहा। वहीं, मैथेमेटिक्स व बायोलॉजी स्कोरिंग रहे। कई स्टूडेंट्स ने इनमें 100 में से 100 फीसदी मार्क्स भी हासिल किए। केमेस्ट्री व मैथ्स की स्टूडेंट्स काफी अच्छे से तैयारी करते हैं, क्योंकि- आईआईटी और मेडिकल की तैयारी भी वे 12वीं के साथ ही कर रहे होते हैं।

...कॉमर्स के हर सब्जेक्ट ने स्कोरिंग अच्छी दी, इसलिए स्थिति सुधरी

कॉमर्स में प्रदर्शन बेहतर जरूर हुआ, लेकिन यह चिंता का विषय है कि इस संकाय की तरफ बच्चों का रुझान कम हो रहा है। इस साल कॉमर्स वर्ग में 331 बच्चे कम हो गए। पिछले साल भी 400 स्टूडेंट्स कम शामिल हुए थे। इस बार हिंदी, अंग्रेजी के अलावा इकोनॉमिक्स, मैथ्स, अकाउंटेंसी व बिजनेस स्टडीज में स्टूडेंट्स ने 92 से 99 फीसदी तक अंक हासिल किए हैं। इससे रिजल्ट में सुधार हुआ।

Education Wala

विज्ञान में 21 व वाणिज्य में 12 स्कूलों का रिजल्ट 100 फीसदी रहा

साइंस में जिले के 21 स्कूल ऐसे रहे जिनका रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। राउमावि हल्दीना, शेरपुर, लंगड़वास, कोटकासिम, माचड़ी, बड़ौदामेव, गर्ल्स स्कूल थानागाजी, खेड़ा कल्याणपुर, दरीबा प्रोजेक्ट, चतरपुरा स्कूल में सभी बच्चे उत्तीर्ण हुए हैं। राउमावि झिवाणा का रिजल्ट 36.36 प्रतिशत रहा। कॉमर्स में जिले के राउमावि यशवंत, एसएमडी, रसगण, बानसूर, खैरथल, बहरोड़, माजरीकलां, तिजारा, मुंडावर, किशनगढ़बास, बगड़ राजपूत, सिमलवाड़ा स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। राजकीय प्रताप स्कूल में 33 फीसदी बच्चे ही पास हुए।

अभिषेक मीणा
पिता : चंद्रप्रकाश
प्रतिशत : 94.60
स्कूल : राजकीय सीनियर स्कूल, रैणी

राजू मीणा
पिता : छोटेलाल
प्रतिशत : 95
स्कूल : एसवीएम सी.सै. स्कूल, थानागाजी

मानसी शर्मा
पिता : ओमप्रकाश शर्मा
प्रतिशत : 96.40
स्कूल : स्वामी गंगा भारती सी.सै. स्कूल, राजगढ़

शुभम खंडेलवाल
पिता : मुरारीलाल
प्रतिशत : 96.20
स्कूल : अपूर्वा सीनियर माध्यमिक विद्यालय, राजगढ़

विनोद कुमार
पिता : पुष्कर लाल
प्रतिशत : 92.40
स्कूल : अरावली उच्च माध्यमिक विद्यालय, कठूमर

गणपत लाल
पिता : नत्थूलाल
प्रतिशत : 90.40
स्कूल : अरावली उच्च माध्यमिक विद्यालय, कठूमर

पुष्पेंद्र सैनी
पिता : फूलसिंह सैनी
प्रतिशत : 90.40
स्कूल : आइडियल स्कूल, खैरथल

नेहा चौहान
पिता : प्रीतम सिंह
प्रतिशत : 96.60
स्कूल : राजेश सीनियर सैकंडरी स्कूल रामगढ़

खुशबू मारवाड़ी
पिता : किशनलाल
प्रतिशत : 91.40
स्कूल : राजेश सीनियर सैकंडरी स्कूल रामगढ़

शिप्रा जैन
पिता : नरेंद्र जैन
प्रतिशत : 93.80
स्कूल : टैगोर उच्च माध्यमिक विद्यालय खेड़ली

यशु शर्मा
पिता : देवेंद्र शर्मा
प्रतिशत : 92.60
स्कूल : विद्या देवी सीनियर सैकंडरी स्कूल खेड़ली

दर्शिक अग्रवाल
पिता : महेश चंद सिंघल
प्रतिशत : 91.80
स्कूल : कुंजी लाल मैमोरियल सी सैकंडरी स्कूल, खेड़ली

प्रिंसी सिंघल
पिता : अवधेश कुमार
प्रतिशत : 90.40
स्कूल : कुंजीलाल मैमोरियल सी. सै. स्कूल, खेड़ली

लोकेश सैनी
पिता : मोहन लाल सैनी
प्रतिशत : 94.60
स्कूल : अरावली उच्च मा. वि, कठूमर

छविकांत शर्मा
पिता : जगमोहन शर्मा
प्रतिशत : 91.20
स्कूल : न्यू मॉडर्न पब्लिक सी सै स्कूल कठूमर

हिमांशु अवस्थी
पिता : रविंद्र अवस्थी
प्रतिशत : 90.80
स्कूल : न्यू मॉडर्न सी सै स्कूल कठूमर

प्रवीण जैन
पिता : अशोक जैन
प्रतिशत : 90.20
स्कूल : गैलेक्सी वीएम सी सै स्कूल कठूमर

अरूण सिंह
पिता : ओमबीर सिंह
प्रतिशत : 92.60
स्कूल : अरावली उच्च माध्यमिक विद्यालय कठूमर

हर्ष निशांत
पिता : मुकेश चंद जाटव
प्रतिशत : 91.40
स्कूल : अरावली उच्च माध्यमिक विद्यालय कठूमर

अंकित मीना
पिता : हरीकिशन मीना
प्रतिशत : 90.80
स्कूल : अरावली उच्च माध्यमिक विद्यालय कठूमर

Education News

पढ़ाई के दौरान पोता अकेलापन महसूस नहीं करे इसलिए दादी भी जागती थी रात 2 बजे तक

गंज निवासी देवेंद्र झारेड़ियां ने विज्ञान संकाय में 96.20 प्रतिशत अंक किए हासिल

भास्कर न्यूज | किशनगढ़बास

गांव गंज निवासी देवेंद्र झारेड़िया पुत्र कैलाश चंद सैनी ने 12वी कक्षा के गणित वर्ग में 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। देवेंद्र की मां प्रेमलता सैनी चिकित्सा विभाग में जीएनएम पद पर है। पिता कैलाशचंद सैनी गांव गंज में निजी स्कूल संचालक है। देवेंद्र झारेड़िया खैरथल कस्बे के आइडियल एकेडमी का छात्र है। देवेंद्र ने इस सफलता का श्रेय अपनी दादी भगवती देवी एवं आइडियल स्कूल खैरथल की टीम व माता-पिता को देते हैं। देवेंद्र ने बताया कि मेरी दादी मेरे साथ रात को 2 बजे जागती थी। मैं जब तक नहीं सोता था तब तक वह जागती रहती थी। ताकि मुझे अकेलापन महसूस नहीं हो। मैं घर पर करीब 7-8 घंटे रोज पढ़ता था। देवेंद्र आगे चलकर आईएएस बनना चाहता है। छात्र देवेंद्र ने 10वीं कक्षा में भी 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेरिट में स्थान पाया था। 10वी में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर छात्र देवेंद्र को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर परिसर में शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी गुरुवार को सम्मानित करेंगे।

पिता के पास खेती के लिए जमीन नहीं, पंचर लगाते हैं, बेटे लोकेश के 94.60 % अंक

भास्कर न्यूज | कठूमर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के नतीजे जारी विज्ञान का 86.44 व कॉमर्स का 90.33 फीसदी परिणाम

भास्कर संवाददाता | अलवर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान ने बुधवार को 12वीं कॉमर्स और विज्ञान संकाय के नतीजे जारी कर दिए हैं। राज्य व जिला स्तर पर कोई मैरिट जारी नहीं की गई है। बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस बार कॉमर्स के स्टूडेंट साइंस के स्टूडेंट से दो कदम आगे निकल गए हैं। साइंस का रिजल्ट 86.44 प्रतिशत रहा और कॉमर्स का रिजल्ट 90.33 प्रतिशत रहा।

साइंस में एक ही साल में रिजल्ट में 4.34 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि कॉमर्स का रिजल्ट 2.75 प्रतिशत बढ़ा है। कॉमर्स में छात्रों के रिजल्ट में पिछली बार के रिजल्ट से 4.57 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पिछले वर्ष यह रिजल्ट 83.59 प्रतिशत रहा था। साइंस में छात्र व छात्राओं दोनों के ही रिजल्ट से निराशा हाथ लगी है। साइंस में पिछले वर्ष के मुकाबले छात्रों का रिजल्ट 4.71 प्रतिशत और छात्राओं का 3.84 प्रतिशत कम रहा। पिछले वर्ष साइंस में 89.12 प्रतिशत और छात्राओं का रिजल्ट 95.38 रहा था, जो इस बार छात्रों का 84.41 और छात्राओं का 91.54 प्रतिशत ही रह गया। जबकि कॉमर्स के रिजल्ट में छात्रों ने बाजी मारी है और छात्राएं लगभग पिछली साल के बराबर ही रही हैं। कॉमर्स में छात्रों का पिछली बार प्रतिशत 83.59 था, जो इस बार बढ़कर 88.16 हो गया। इस प्रकार रिजल्ट में 4.57 प्रतिशत का इजाफा हुआ। छात्राओं का पिछली बार रिजल्ट 94.70 था जो इस बार 94.13 रहा।

साइंस से 2 कदम आगे निकले कॉमर्स स्टूडेंट, एक साल में साइंस में 4 प्रतिशत गिरा रिजल्ट, कॉमर्स में 2 प्रतिशत बढ़ा

बच्चों को समझने और गले लगाने का दिन

फिल्म हैप्पी न्यू ईयर का एक संवाद : दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक विनर और दूसरे लूजर। जिंदगी हर लूजर को एक मौका जरूर देती है, जब वह विनर बन सकता है।

Education News

अपने बच्चे को विनर या लूजर घोषित करने से पहले ये 4 सवाल हर माता-पिता अपने आप से जरूर पूछें

1. बच्चों ने आपको कितनी बार अच्छे या बुरे माता-पिता की कैटेगरी में रखकर व्यवहार किया है? क्या कभी अपने दोस्तों के माता-पिता से आपकी तुलना की?

2. बच्चे को सालभर के दौरान घर में कैसा माहौल मिला? बच्चा पढ़ रहा था, तब कितनी बार आप बच्चे के साथ देर रात तक जागे या कितनी बार आपने अपना पसंदीदा टीवी शो बच्चों की वजह से नहीं देखा?

3. आपने अपने कामकाज में से कितना समय बच्चों को दिया? सालभर में ऐसा कितनी बार हुआ, जब आप बच्चों को अकेला छोड़कर खुद किसी शादी-विवाह या पार्टी में चले गए?

4. जब आप पढ़ते थे, तब आपका रिजल्ट कैसा था? क्या तब आपके माता-पिता ने आपको लूजर माना था? बच्चे आपके ही हैं, इनकी क्षमताओं को पहचानें।

रिजल्ट को ऐसे समझें

साइंस : साइंस के नतीजों में 2018-19 में 86.44 प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए हैं। इसमें 16 हजार 758 छात्र-छात्राओं में से 14 हजार 485 (86.44) छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए हैं। उत्तीर्ण होने वालों में छात्रों की संख्या 10 हजार 127 (84.41) और छात्राओं की संख्या 4358 (91.54) रही।

कॉमर्स : कॉमर्स में 2018-19 में रिजल्ट 90.33 प्रतिशत रहा। इनमें 1830 छात्र-छात्राओं में से 1653 उत्तीर्ण रहे। उत्तीर्ण होने वालों में से छात्र 1028 (88.16) और छात्राएं 625 (94.13) प्रतिशत रहा।

शिक्षा नगरी कोटा से 2 कदम आगे अलवर : प्रदेश की शिक्षा नगरी के नाम से विख्यात कोटा को अलवर के बच्चों ने 2 कदम पीछे छोड़ दिया है। कोटा का साइंस का रिजल्ट 84.00 प्रतिशत रहा है। जबकि अलवर के बच्चों ने 86.44 प्रतिशत रिजल्ट देकर अपना दमखम साबित किया है। अलवर के साइंस वर्ग के बच्चे प्रदेश में 1वें नंबर पर रहे हैं।

कुछ खास उदाहरण, जिन्होंने बदला इतिहास

मां के निधन के बाद जिम्मेदारी फिर भी 90.60 फीसदी अंक

रैणी| कस्बे के राजकीय सीनियर स्कूल की छात्रा ने कठिन परिस्थितियों में भी बारहवीं की परीक्षा में 90.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

गांव परवेणी की छात्रा ईशा जैन की माता का एक वर्ष पहले कैंसर की बीमारी के चलते देहांत हो गया था। इसके बाद से खाना बनाने सहित घर के सभी कामों की जिम्मेदारी ईशा जैन पर आ गई। ईशा रोज सुबह घर का खाना बनाकर साइकिल से स्कूल आती व स्कूल से लौटकर शाम को खाना बनाती। यहां तक कि एग्जाम देने के लिए स्कूल आने से पहले घर का खाना बनाकर आती। ईशा के पिता नरेश जैन गांव में परचून की दुकान करते हैं। ईशा का एक बड़ा भाई है वह बाहर रह कर पढ़ाई कर रहा है। ईशा जैन ने कठिन परिस्थितियों में भी अच्छे अंक हासिल किए हैं।

94.40% रिक्शा पर आइसक्रीम बेचते हैं मंजू के पिता

खैरथल| इंजीनियर्स पाइंट खैरथल में पढ़ने वाली 12वीं कक्षा के विज्ञान वर्ग में

94.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली बंबोरा निवासी मंजू कुमारी का कहना है कि किसी ने आर्थिक सहयोग किया तो वो पीएमटी करके डॉक्टर बनना चाहेगी। उसका कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। सहयोग नहीं मिलने पर बीएससी करेगी। मंजू ने बताया कि उसके पिता भीमसिंह गांवों में जाकर रिक्शा पर आइसक्रीम बेचते हैं। इसके अलावा थोड़ा खेती बाड़ी का काम है। इनकी बड़ी बहन अंजू बीएससी कर रही है। भाई वीरेंद्र बीएससी करके बेरोजगार है।

94.80% स्कूल से आने के बाद दो घंटे कपड़ों की प्रेस

थानागाजी| कस्बे निवासी संतोष धोबी के पुत्र मोहित धोबी ने विज्ञान संकाय में 94.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। मोहित कस्बे में संचालित ज्योति एकेडमी

विद्यालय का छात्र है। मोहित के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। मोहित का परिवार कस्बे में एक कमरे में जीवन गुजारते हैं व ग्रामीणों के कपड़ों के प्रेस करके जीवन यापन करते हैं। मोहित भी रोजाना विद्यालय से आने के बाद दो घंटे अपने पिता के कार्य में सहयोग करता है। विद्यालय के अलावा वह घर पर प्रतिदिन 6 घंटे अध्ययन करता था। मोहित की माता गृहिणी है व एक बहन है जो कक्षा 9वीं में अध्ययनरत है। मोहित आगे भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना चाहता है।

धौलपुर के विज्ञान व गणित के सेकंड ग्रेड के शिक्षक ले रहे हैं प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता | दौसा

नांगल राजावतान स्थित राउमावि में चल रहे शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा मुकेश कुमार शर्मा ने निरीक्षण किया। शिविर की व्यवस्था को देख उपनिदेशक शर्मा खुश थे।

उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों से भी बात की और शिविर की गतिविधियों के बारे में फीड बैक लिया। साथ ही दोपहर के भोजन की क्वालिटी की जांच की। भोजन की क्वालिटी से वे सतुंष्ट थे। वहीं पक्षियों के लिए परिंडा लगाया और सभी शिक्षकों से घरों में पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने के लिए प्रेरित किया। शिविर में बुधवार को 120 शिक्षकों में से 79 शिक्षक मौजूद थे, जिसमें विज्ञान सब्जेक्ट के 43 और गणित के 36 थे। इस दौरान शिविर में शिक्षकों को संबोधित करते हुए उपनिदेशक शर्मा ने कहा कि शिक्षकों को सकारात्मक सोच के साथ काम करना चाहिए। इसी कड़ी में रमसा एडीपीसी सुशील शर्मा ने कहा कि शिक्षकों को शिविर में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। शिविर प्रभारी नंदाराम मीणा ने शिविर गतिविधियों के बारे में बताया। वहीं प्रधानाचार्य ने सभी का माला पहनाकर स्वागत किया। अर्जुनलाल गुर्जर, मुरारीलाल जांगिड़, अशोक कुमार विजय, प्रभुलाल शर्मा, दिनेश चंद शर्मा आदि दक्ष प्रशिक्षण मौजूद थे।

EducationNews

फाइव स्टार जैसी सुविधा और माहौल में प्रशिक्षण ले रहे हैं दौसा के शिक्षक

नांगल बैरसी रोड पर फ्रेम इंटरनेशनल स्कूल में चल रहा है ब्लॉक के शिक्षकों का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर

कार्यालय संवाददाता | दौसा

आम तौर पर शिक्षक व्यवस्थाओं को लेकर हल्ला करने में आगे रहते हैं, लेकिन नांगल बैरसी रोड पर फ्रेम इंटरनेशनल स्कूल में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में सुविधा और माहौल दोनों से शिक्षक खुश हैं। फ्रेम इंटरनेशनल स्कूल की आलीशान बिल्डिंग में फाइव स्टार जैसी सुविधा और माहौल के बीच प्रशिक्षण ले रहे शिक्षक-शिक्षिकाओं को लग्जरी रूम, पीने के लिए आरओ का पानी, नहाने के लिए स्वीमिंग पूल तथा बास्केटबॉल, क्रिकेट व स्केटिंग की सुविधा है। साथ ही गेस्ट के लिए एसी रूम की सुविधा भी है। सुरक्षा की दृष्टि से भी पूरी तरह सेफ है। मुख्य गेट पर विदेशी नस्ल के दो कुत्ते रहते हैं।

फ्रेम इंटरनेशनल स्कूल में दौसा ब्लॉक के हिंदी-पर्यावरण व अंग्रेजी-गणित विषय के शिक्षक प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसमें हिंदी-पर्यावरण में 40-40 के दो बैच हैं, जबकि अंग्रेजी-गणित में 40 शिक्षक/शिक्षिकाओं का एक बैच है। कुल 120 में से बुधवार को 115 शिक्षक उपस्थित थे, जो 5 शिक्षक अनुपस्थित रहे वे हिंदी-पर्यावरण सेकंड बैच के थे। ग्राउंड फ्लोर के कमरे ठंडे हैं। इसके बावजूद शिक्षकों की सुविधा के लिए 2-2 कूलर लगा रखे हैं। साथ में पंखे भी हैं। बैठने के लिए गद्दे और साफ-सुथरी सफेद चद्दर है। कमरों में पेंटिंग की हुई है और पर्दे भी लग रहे हैं। कमरों में प्रवेश करते ही कूल-कूल लगता है। खाने की क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों ही बढ़िया हैं। सुबह नाश्ते के बाद लंच में दाल-चावल के साथ एक सब्जी, सलाद, चपाती दी जाती हैं। इसी प्रकार शाम को डिनर में भी दो सब्जी के साथ चपातियां परोसी जाती हैं। आरओ के पानी की सुविधा 24 घंटे हैं।

शिक्षक ले रहे रुचि

शिक्षकों को प्रशिक्षण स्थल पर किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो, इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है। शिक्षकों को बेहतर से बेहतर सुविधा देने की कोशिश की गई है।

-बृजमोहन गुप्ता, बीईईओ दौसा

व्यवस्थाएं बेहतर

शिक्षक सुचारू रूप से चल रहे हैं। मैंने बुधवार को फ्रेम इंटरनेशनल स्कूल में चल रहे दौसा ब्लॉक, भारतीय महाविद्यालय बड़गांव में लवाण ब्लॉक और नांगल राजावतान में धौलपुर के सेकंड ग्रेड शिक्षकों के शिविरों का निरीक्षण किया, जहां तीनों ही जगह व्यवस्था बेहतर पाई गई।

-रामनिवास शर्मा, एडीईईओ मा. शैक्षिक प्रकोष्ठ

शिविर का डिप्टी डायरेक्टर ने किया निरीक्षण

दौसा ग्रामीण| बड़ागांव व नांगलराजावतान मुख्यालय पर में चल रहे शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का उपनिदेशक मुकेश शर्मा, प्राचार्य राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय बसवा डाइट के प्राचार्य पृथ्वी सिंह एडीपीसी माध्यमिक सुशील शर्मा ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपनिदेशक ने एक एक संभागी की नाम बोलकर उपस्थिति दर्ज की। उन्होंने शिक्षकों की क्लास लेकर प्रशिक्षण शिविर में दी जा रही शिक्षा के बारे में टेस्ट लेकर शिक्षा की गुणवत्ता की जांच की। जांच के दौरान कई शिक्षक शुद्ध शब्द तक नहीं लिख पाए, जिस पर उपनिदेशक ने मौके पर शिक्षकों को शब्दों, उच्चारणों, मात्राओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर बालकों में शिक्षा की लौ फैलाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही बालकों को गुणवत्ता व संस्कारवान शिक्षा देकर राष्ट्र का निर्माण करता है

निदेशक महेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज निजी स्कूलों के मुकाबलों मे सरकारी व आर्दश स्कूलें पिछड़ रही है। जिसका मुख्य कारण शिक्षकों का शिक्षा के प्रति रुझान कम होना है। ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी राजाराम मीणा ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों का विद्यालय को स्वयं के स्तर पर मूल्यांकन करना प्रशासनिक व वित्तीय संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना, विभाग की और से आधुनिक एवं नवीनतम विधियों की जानकारी के साथ साथ प्रतिस्पर्धा के युग मे बालको को सरकारी स्कूलों मे निजी स्कूलों के मुकाबले बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराया जाना है। इस दौरान इकबाल खान, रामबाबू शर्मा कपिल शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, सहित अनेक लोग मौजूद थे ।

शिक्षा अधिकारी ने किया शिविर का निरीक्षण

कासं | बांदीकुई

ग्रीष्मकालीन अवकाश में चल रहे शिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रेमवती शर्मा ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दोपहर को यहां पहुंची जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक प्रेमवती शर्मा तथा रमसा के एडीपीसी सुशील शर्मा ने शिविर में शिक्षकों के बीच जाकर उनसे शिविर की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने आवास व्यवस्था की तारीफ करते हुए शिक्षकों के भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान डाइट व्याख्याता राकेश घीया, आरपी दयाराम मीना, लोकेश कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

Education News

अच्छी खबर कॉलेज बिल्डिंग निर्माणाधीन, पॉलिटेक्निक कॉलेज में होगा संचालन, आज से शुरू होगी हेल्प डेस्क

इसी सत्र इंजीनियरिंग कॉलेज की पांच ब्रांचों में मिलेगा प्रवेश

भास्कर संवाददाता | बाड़मेर

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बाड़मेर का शैक्षणिक कार्य इसी सत्र में प्रारंभ होगा। कॉलेज भवन का काम निर्माणाधीन होने से फिलहाल राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में ही कॉलेज चलेगा। 5 ब्रांचों में 300 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। प्राचार्य डॉ. संदीप रांकावत ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, सिविल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग की प्रत्येक ब्रांच में 60 विद्यार्थियां को प्रवेश दिया जाएगा। इसके अलावा अल्प आय वर्ग के लिए टीएफडब्ल्यूएस की पांच प्रतिशत सीटें होगी। इन सीटों पर कम फीस लगेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की राजस्थान केंद्रीयकृत इंजीनियरिंग प्रवेश प्रक्रिया आरईएपी 2018 के माध्यम से 1 से 29 जून तक 700 रुपए फीस जमा करवाकर प्रवेश-प्रक्रिया में भाग लिया जा सकता है। इसके लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री, गणित विषय के साथ बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। संपूर्ण राजस्थान की आरईएपी -2018 वरियता सूची जी मैन्स एवं बारहवीं कक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर बनाई जाएगी। जिन विद्यार्थियों ने जी मैन्स नहीं दिया है या चयन नहीं हुआ है, वे भी बारहवीं कक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। भवन निर्माण के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग को नोडल एजेन्सी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि 24 मई से महाविद्यालय में इंजीनियरिंग के लिए प्रवेश के इच्छुक छात्रों के लिए हेल्प डेस्क प्रारंभ की जाएगी।

तीन जिलों की पहली उच्च अध्ययन व तकनीकी संस्थान : उन्होंने जैसलमेर, जालोर व बाड़मेर के पिछड़े क्षेत्र की पहली उच्च अध्ययन व तकनीकी संस्थान राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बाड़मेर होगी। विद्यार्थियों से संपर्क एवं मार्गदर्शन के लिए आगामी माह में जैसलमेर, जालोर और बाड़मेर जिले में कॅरिअर सेमिनार का आयोजन करने की योजना है।

रूसा के तहत मिले 13 करोड़, 13 और मिलेंगे : रूसा के तहत कॉलेज को 26 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। इनमें से पहली किश्त के रूप में 13 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संयुक्त रूप से बजट आवंटित करवाया जा रहा है। जोधपुर रोड पर कॉलेज की बिल्डिंग का काम जोर-शोर से चल रहा है। लैब, लाइब्रेरी की स्थापना का कार्य केंद्र राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान से किया जा रहा है। इसके लिए प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

Education News

12वीं बोर्ड के नतीजे

विज्ञान में 84.16 प्रतिशत वाणिज्य में 89.73 फीसदी होनहार पास

पांच साल बाद ब्रेक ; नतीजा

साइंस में 7.49% कॉमर्स में 3.15% सिस्टम फेल

गत साल थे चौथे और छठे स्थान पर इस बार प्रदेश में 14 व 16 वां नंबर

भास्कर संवाददाता | बाड़मेर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित 12वीं साइंस व कॉमर्स का रिजल्ट बुधवार की शाम 6.15 बजे जारी किया गया। बाड़मेर में साइंस का रिजल्ट 84.16% व कॉमर्स का रिजल्ट 89.73% रहा। गत सालों के मुकाबले इस बार परीक्षा परिणाम कमजोर रहा है। 2013 से पांच साल में साइंस का 8.42% तो कॉमर्स का 6.27 % बढ़ा। जबकि इस बार एक ही साल में साइंस में 6.27% तो कॉमर्स में 3.15 घट गया। लगातार दूसरी बार कॉमर्स व साइंस में बेटियों का दबदबा रहा है। 12वीं साइंस परीक्षा परिणाम में लगातार दूसरे साल भी बेटियों का दबदबा रहा। 2016 में छात्र 89.67% तो छात्राएं 95.97%, 2017 में छात्राओं का 92.44% तो छात्रों का 91.72% रिजल्ट रहा। इस साल छात्राएं 87.32% तो छात्र 83.32% उत्तीर्ण हुए। हालांकि गत सालों के मुकाबले कम पास हुए है। 12वीं कॉमर्स परीक्षा परिणाम में तीसरे साल भी बेटों से बेटियां आगे रही। 2016 में छात्र 80.47% तो छात्राएं 81.01%, 2017 में छात्रों का 90.75% तो छात्राओं का 96.39% रिजल्ट रहा। इस साल छात्राएं 92.66% तो छात्र 88.25% पास हुए। गत साल के मुकाबले इस पर 3.15% रिजल्ट कम रहा है।

लगातार तीसरी साल बेटों से आगे बेटियां

साइंस : 12वीं साइंस परीक्षा परिणाम में लगातार दूसरे साल भी बेटियों का दबदबा रहा। 2016 में छात्र 89.67% तो छात्राएं 95.97%, 2017 में छात्राओं का 92.44% तो छात्रों का 91.72% रिजल्ट रहा। इस साल छात्राएं 87.32% तो छात्र 83.32% उत्तीर्ण हुए। हालांकि गत सालों के मुकाबले कम पास हुए है।

कॉमर्स : 12वीं कॉमर्स परीक्षा परिणाम में तीसरे साल भी बेटों से बेटियां आगे रही। 2016 में छात्र 80.47% तो छात्राएं 81.01%, 2017 में छात्रों का 90.75% तो छात्राओं का 96.39% रिजल्ट रहा। इस साल छात्राएं 92.66% तो छात्र 88.25% पास हुए। गत साल के मुकाबले इस पर 3.15% रिजल्ट कम रहा है।

जिला टॉपर दीपक खत्री (बीच में) अपने सफल साथियों के साथ

भास्कर रिजल्ट इंफोग्राफिक

पांच साल से बढ़ रहा परिणाम, इस बार साइंस में 7.49% व कॉमर्स में 3.15% कम रहा परिणाम

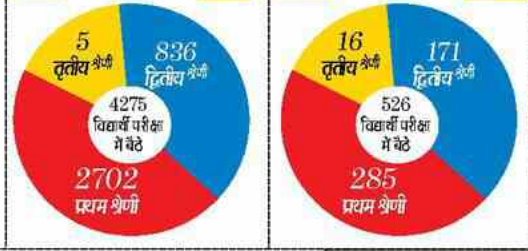

परीक्षा के दिनों में ही नहीं बल्कि रोज 5-6 घंटे पढ़े टॉपर

12वीं विज्ञान वर्ग में जिले में टॉपर रहने वाले दीपक खत्री का कहना है कि अधिकांश बच्चे परीक्षा के दिनों में 5-6 घंटे पढ़ते है, जबकि क्लास शुरू होने से लेकर अंतिम परीक्षा नहीं हो जाए तब तक उन्हें रोजाना 5-6 घंटे पढ़ना चाहिए। उन्होंने रेगुलर तैयारी की थी, इसी वजह से वो इस मुकाम तक पहुंचे है। 10वीं में 91 प्रतिशत हासिल कर 12वीं विज्ञान में 96.80 प्रतिशत हासिल किए। पिता जलप्रदाय विभाग में एकाउंटेंट है। माता अध्यापिका है। आगे दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़कर देश की सेवा के लिए कलेक्टर बनने का सपना है।

• 11 साल की उम्र में पिता की मौत हो गई : श्रवण

विज्ञान वर्ग में जिले में दूसरे स्थान पर रहे छात्र श्रवण कुमार का कहना है कि शुरू से ही सुबह-शाम टाइम मैनेजमेंट के साथ पढ़ाई करते थे। 10वीं में 88.50 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि 12वीं साइंस में 95.40 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में दूसरे स्थान पर रहा। जब छठी क्लास में था तब पिता ने साथ छोड़ दिया। माता ने पालन-पोषण कर 8वीं तक गांव में ही पढ़ाया। 9वीं के बाद बाड़मेर में महाराजा स्कूल में एडमिशन दिलाया। चार सालों से आवासीय रहकर पढ़ाई करता रहा। आगे सरकारी कॉलेज से ही पढ़कर आईएएस बनने का सपना है।

इन स्कूलों का 100% रहा रिजल्ट

साइंस : 12वीं विज्ञान में मयूर नोवल्स एकेडमी, राउमावि. कालूडी, राउमावि. जगसा बालोतरा, सिवाना, अरविंद विद्या मंदिर गुड़ामालानी, राउमावि. धोरीमन्ना, सोनड़ी, पाटौदी, खत्रियों की बेरी, भीमथल (धोरीमन्ना), हरसाणी फांटा, सांता (चौहटन), गणेश विद्या मंदिर शिवकर रोड, महाराजा पब्लिक स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर विशाला रोड शिवकर, सुभाष पब्लिक सिणधरी, राउमावि.हरपालिया, मंडली, लंगेरा, वायतु, नौसर, परेऊ, विजय मेमोरियल धोरीमन्ना का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। जबकि 10 प्रतिशत से कम रिजल्ट राउमावि. पचपदरा का 6.61 % रहा।

कॉमर्स : 12वीं कॉमर्स में राउमावि. बाल मंदिर बाड़मेर, राउमावि. गांधी चौक, विशाला, मोकलसर, राउमावि. बालोतरा, सरणू, जसोल, चौहटन, गागरिया व आदर्श विद्या मंदिर बालोतरा का रिजल्ट 100 % रहा।

सब्जेक्ट ट्रेंड

विज्ञान : 2016 में 2904, 2017 में 3969, 2018 में 4325 बच्चों ने विज्ञान विषय लिया, जो लगातार बढ़ रहा है।

वाणिज्य : 2016 में 599, 2017 में 660, 2018 में 533 बच्चों ने ही कॉमर्स विषय लिया। पिछले साल की तुलना में अभ्यर्थी घटे है।

जीवन में कभी भी किसी भी परीक्षा में फेल हो जाएं तो हताश होने की आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि फेल का मतलब है F फर्स्ट A अटेंप्ट I इन L लर्निंग

एपीजे अब्दुल कलाम का यह कथन इसलिए क्योंकि इसी शख्सियत ने हमारे पोकरण में परमाणु शक्ति का परीक्षण कर भारत को विश्व की सर्वोच्च ताकत बनाया

भास्कर विचार : फेल का मतलब आखिरी नहीं बल्कि आगे बढ़ने के लिए फिर से खड़े होना है क्योंकि फेल ये भी हुए, महात्मा गांधी, डॉ.कलाम, और अलबर्ट आइंस्टीन लेकिन इन्होंने पूरे विश्व में सफलता का डंका बजाया

इस साल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से जारी पहला परीक्षा परिणाम बाड़मेर के आशा अनुरूप नहीं रहा। इसके पीछे हमारे बच्चों में कमी नहीं बल्कि कमजोरी है सिस्टम की। पढ़ाने वालों के रिक्त पद और स्कूलों पर हावी राजनीति है। इसी का नतीजा है कि पिछले साल से विज्ञान का परिणाम 6.27 और वाणिज्य का परिणाम 3.17 फीसदी कम रहा है। जबकि गत वर्ष विज्ञान में हमारे बच्चों ने प्रदेश में छठा स्थान दिलाया था।

Education Key News

घर-घर जाकर बीएलओ करेंगे मतदाताओं के नाम का सत्यापन

1 जून से शुरू होगा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम

भास्कर संवाददाता | पोकरण (आंचलिक)

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार माह नवंबर व दिसंबर माह 2018 में होने वाले आम चुनाव के परीपेक्ष्य में भारत निर्वाचन आयोग अर्हता 1 जनवरी 2018 के संदर्भ में दुबारा एक बार द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन से पूर्व प्री रिविजन एक्टिव के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजन करने के लिए 1 से 15 जून तक बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं एसडीएम रेणु सैनी ने बताया कि पोकरण विधान सभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों को आम चुनाव को देखते हुए द्वितीय विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। इसके तहत सभी बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं के घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। सैनी ने बताया कि 21 जून से 20 जुलाई तक मतदान केन्द्रों का सत्यापन एवं पुनर्गठन का कार्य करेंगे। सैनी ने बताया कि हाल में सभी बूथ लेवल अधिकारियों को घर-घर जाकर सत्यापन की कार्रवाई की जानी है।

28 मई से शुरू होगा द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण : निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं एसडीएम रेणु सैनी ने बताया कि मतदाता सूचियों के द्वितीय संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम से पूर्व विभिन्न प्री रिविजन एक्टिविस संपादित करने के लिए 28 मई से संबल अभियान के तहत प्राप्त सभी लंबित आवेदन पत्रों की डाटा एंट्री, ईआरो नेट पर निस्तारण एवं ईआरएमएस डाटा बेस में सभी प्रपत्रों को सम्मिलित करेंगे। सैनी ने बताया कि 14 से 30 जून तक अर्हता 1 जनवरी 2018 के क्रम में मतदाता सूचियों के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची की चैक लिस्ट का मुद्रण एवं आवश्यकतानुसार मेन्युअली मतदाता की शिफ्टिंग, पूरक सूची 2 के पीडीएफ फाइल के मुद्रण की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

Education News

बारहवीं बोर्ड का विज्ञान व वाणिज्य का परिणाम घोषित : गत साल कॉमर्स में प्रदेश भर में टॉप पर रहा था जैसलमेर और इस बार आखिरी पायदान पर, साइंस में भी कमजोर

जैसलमेर का विज्ञान में 73.58 व वाणिज्य में 76.99 फीसदी परिणाम, पिछले पांच साल में सबसे खराब, प्रदेश में अंतिम स्थान पर, कारण स्कूलों में पद खाली

भास्कर संवाददाता | जैसलमेर

इस बार जैसलमेर का रिजल्ट पूरे प्रदेश में खराब रहा। पिछले कुछ सालों से शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े जैसलमेर जिले के होनहारों ने परचम लहराने शुरू किए थे। लेकिन इस बार जिले भर का परिणाम बदतर रहा।

कॉमर्स में तो गत साल जैसलमेर ने प्रदेश में टॉप किया था लेकिन इस बार आखिरी पायदान पर रहा। इसी तरह साइंस में जैसलमेर पिछली बार की तुलना में तीन पायदान गिरकर आखिरी पायदान पर रहा है। कुल मिलाकर इस बार जैसलमेर जिले का साइंस व कॉमर्स का परिणाम बिगड़ गया। बुधवार को शाम साइंस व कॉमर्स का परिणाम घोषित किया गया। जैसलमेर में साइंस का परिणाम 73.58 प्रतिशत और कॉमर्स का परिणाम 76.99 प्रतिशत रहा। पिछले साल की तुलना में साइंस का परिणाम 12 प्रतिशत और कॉमर्स का परिणाम 18 प्रतिशत गिर गया। पिछले 5 सालों में सबसे कम परिणाम इस बार रहा।

9 स्कूलों का परिणाम 100 % इसमें सात सरकारी स्कूल

हर बार की तरह इस बार भी सरकारी स्कूलों ने बेहतर परिणाम दिया है। कॉमर्स व साइंस में कुल 9 स्कूलों ने 100 प्रतिशत परिणाम दिया है जिसमें से केवल दो निजी विद्यालय है और शेष 7 सरकारी स्कूल हैं। साइंस में राउमावि फतेहगढ़, एके पब्लिक पोकरण, राउमावि सांकड़ा, सोन, रूपसी व नरसिंगों की ढाणी का परिणाम शत प्रतिशत रहा। इसी तरह कॉमर्स में गांधी बाल मंदिर, राउमावि लाठी व भणियाणा का परिणाम 100 प्रतिशत रहा।

व्याख्याताओं की कमी का रोना नहीं चलेगा

जैसलमेर का रिजल्ट खराब रहने के पीछे शुरुआती तौर पर कारण यही समझ में आ रहा है कि स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था पर जोर नहीं रहा। हर बार की तरह इस बार जिम्मेदार व्याख्याताओं की कमी का रोना नहीं रो सकते हैं क्योंकि इस बार पिछले सालों की तुलना में साइंस व कॉमर्स के अधिकांश पद भरे हुए हैं। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मन्नाराम मीना ने कहा कि जरूरी नहीं है कि हर बार रिजल्ट अच्छा रहे, उतार चढ़ाव चलता रहता है।

जैसलमेर जिले का इस तरह रहा परीक्षा परिणाम

साइंस वर्ग के कुल विद्यार्थी 492

छात्र	छात्राएं
356	136
प्रथम श्रेणी 174	प्रथम श्रेणी 91
द्वितीय श्रेणी 59	द्वितीय श्रेणी 12
तृतीय श्रेणी 25	तृतीय श्रेणी 01

72.47% रिजल्ट छात्र — 76.47 रिजल्ट छात्राएं

कॉमर्स वर्ग के कुल विद्यार्थी 113

छात्र	छात्राएं
84	29
प्रथम श्रेणी 25	प्रथम श्रेणी 29
द्वितीय श्रेणी 31	द्वितीय श्रेणी 05
तृतीय श्रेणी 03	तृतीय श्रेणी 01

70.24% रिजल्ट छात्र — 86.55 रिजल्ट छात्राएं

5 साल का परीणाम

वर्ष	साइंस	कॉमर्स
2015	87.59	87.85
2016	90.97	94.56
2017	84.94	95.38
2018	73.58	76.99

पिछले पांच साल में वर्ष 2016 में दोनों संकायों और 2017 में वाणिज्य संकाय में ये थे नतीजे

जैसलमेर जिले के विज्ञान संकाय में उत्तीर्ण हमारे ये होनहार

नाम : रोहित दोयल
पिता का नाम : जसवंत दोयल
माता का नाम : संतोषी दोयल
प्रतिशत : 90 प्रतिशत
स्कूल : मॉडेसोरी बाल निकेतन, जैसलमेर
लक्ष्य : आईआईटी

नाम : ज्योति सुथार
पिता का नाम : जगदीश सुथार
माता का नाम : निर्मला देवी
89 प्रतिशत
स्कूल : मॉडेसोरी बाल निकेतन, जैसलमेर
लक्ष्य : डॉक्टर

नाम : तुषार छंगाणी
पिता का नाम : जितेंद्र छंगाणी
माता का नाम : संतोष
88.90 प्रतिशत
स्कूल : सरस्वती विद्या मंदिर पोकरण
लक्ष्य : प्रशासनिक सेवा

नाम : आरती राठी
पिता का नाम : पृथ्वीराज राठी
माता का नाम : चंद्रकांता
85.60 प्रतिशत
स्कूल : सरस्वती विद्या मंदिर पोकरण
लक्ष्य : प्रशासनिक सेवा

नाम : राजसिंह
पिता का नाम : जसवंत दोयल
माता का नाम : छग्मा कंवर
प्रतिशत 89
स्कूल : रूपादेवी पब्लिक स्कूल, देवीकोट
लक्ष्य : डॉक्टर

नाम : वत्सल भाटी
पिता का नाम : पदमसिंह
माता का नाम : गीता देवी
प्रतिशत 89
स्कूल : मॉडेसोरी बाल निकेतन, जैसलमेर
लक्ष्य : डॉक्टर

नाम : मनीष पालीवाल
पिता का नाम : लक्ष्मीनारायण
माता का नाम : लक्ष्मी
प्रतिशत 87
स्कूल : सरस्वती विद्या मंदिर पोकरण
लक्ष्य : इंजीनियर

नाम : रिद्धी बिस्सा
पिता का नाम : हरीश प्रसाद
माता का नाम : नीलम
प्रतिशत 85.40
स्कूल : मॉडेसोरी बाल निकेतन, जैसलमेर
लक्ष्य : डॉक्टर

जैसलमेर में वाणिज्य संकाय में उत्तीर्ण हमारे ये होनहार

नाम : मोनिका राठी
पिता का नाम : अनिल कुमार
माता का नाम : संतोष
90.60 प्रतिशत
स्कूल : सरस्वती विद्या मंदिर पोकरण
लक्ष्य : सीए

नाम : प्रमिला चौधरी
पिता का नाम : गिरधारीराम
माता का नाम : आंची देवी
87.60 प्रतिशत
स्कूल : मॉडेसोरी बाल निकेतन, जैसलमेर
लक्ष्य : प्रशासनिक सेवा

नाम : मयंक शर्मा
नाम : कमल
नाम : नीलम
मॉडेसोरी बाल निकेतन, जैसलमेर
लक्ष्य : सीए

नाम : वर्षा
पिता का नाम : पाताराम
माता का नाम : कमला
प्रतिशत 87.60
स्कूल : सरस्वती विद्या मंदिर पोकरण
लक्ष्य : सीए

नाम : अनुराधा दवे
पिता का नाम : हरिओम प्रकाश
माता का नाम : हेमा
प्रतिशत 84.60
स्कूल : मॉडेसोरी बाल निकेतन, जैसलमेर
लक्ष्य : सीए

Education News

खुशियों का परिणाम

5 साल से नागौर ने विज्ञान के परिणाम में रिकॉर्ड रखा जारी, वाणिज्य में 11 पायदान पीछे

90.11 प्रतिशत के साथ राज्य में नागौर के बेटे प्रथम, 94.32% अंक के साथ बेटियां द्वितीय, क्योंकि साइंस की बेस्ट फैकल्टी हमारे यहां

भास्कर संवाददाता | नागौर

माध्यमिक शिक्षा के 12वीं बोर्ड के विज्ञान वर्ग के बुधवार को जारी परिणाम में नागौर जिला 5वीं बार प्रदेश में लगातार प्रथम स्थान पर बना रहा। इस बार के परिणाम में नागौर के होनहार विद्यार्थियों की पढ़ाई के सामने बड़े-बड़े कोटा जैसे साइंस हब कहलाने वाले कई जिले भी पीछे रह गए। इसके पीछे प्रमुख कारण सरकारी और निजी स्कूलों की बेस्ट फैकल्टी व पढ़ाई में काम आने वाले विज्ञान के सूत्र बोर्ड पर अंकित करवा स्कूलों में लगाना भी मुख्य माने जा रहे है। पिछले कुछ दिनों से नागौर जिले में विज्ञान संकाय के क्षेत्र में कई शहरों से बेस्ट फैकल्टी ने यहां पर अध्यापन कराना शुरू किया तो धीरे-धीरे विज्ञान जैसे जटिल माने वाले विषय में भी विद्यार्थियों ने उसी गति के साथ अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में अच्छी तैयारी कर परीक्षा में सर्वाधिक अंक हासिल कर नागौर जिले का पिछले कुछ सालों से चले आ रहे रिकॉर्ड को कायम रखने में अपना अहम योगदान निभाया है।

नागौर के अलावा शिक्षा नगरी के नाम से पहचाने जाने वाले शहर कुचामन की भी इसमें अहम भूमिका रही है। यहां की विभिन्न सरकारी व निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने सर्वाधिक अंक हासिल करते हुए न केवल प्रदेश स्तर पर नागौर का मान बढ़ाने में योगदान निभाया। बल्कि यह भी साबित कर दिया कि अब नागौर के विद्यार्थी बड़े शहरों की ओर रुख करने की बजाए अपने शहर में ही और अपने परिजनों के बीच रहकर अव्वल बन सकते है। इसका प्रमुख कारण यह है कि विज्ञान वर्ग के परिणाम से सबसे ज्यादा प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थी यहीं से है। पिछले 4 शैक्षणिक सत्र के परिणाम पर नजर डालें तो जिले में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 5148 तक बढ़ गई है। जबकि 4 साल में परीक्षा देने वाले कुल-विद्यार्थियों की संख्या-6235 ही बढ़ी है। यही कारण रहा कि लगातार 5वीं साल नागौर जिला विज्ञान वर्ग में सीकर, चूरू, झुंझुनूं, जोधपुर सहित अन्य कई जिलों को पछाड़ परिणाम में एकबार फिर सिरमौर बना है।

90 % को पार नहीं कर पाया कोई जिला

साइंस संकाय के परिणाम में इस बार 90 प्रतिशत के आंकड़े को नागौर को छोड़कर कोई भी जिला इसे पार नहीं कर पाया। सीकर 90 प्रतिशत के साथ दूसरे व 89.99 फीसदी के साथ चूरू जिला तीसरे स्थान पर रहा।

बेटियों का परचम — अड़कसर की मेघना के 97.60% अंक

5वीं साल विज्ञान वर्ग के परिणाम में जिले को प्रथम स्थान पर रखने में बेटियों की अहम भूमिका रही। वर्ष-2014 में 1841 छात्राओं ने परीक्षा दी। परिणाम-91.01% रहा। 2015- में 2268 ने परीक्षा दी। 96.52% परिणाम रहा। 2016 में 3536 परीक्षा में शामिल हुई। परिणाम-95.90% रहा। इस बार 3852 ने परीक्षा दी व परिणाम 94.32% रहा, जो प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। अड़कसर निवासी मेघना जांगिड़ ने 97.60% अंक हासिल किए।

वर्ष	परीक्षा दी	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
2014	8503	5215	2314	20
2015	9709	7462	1716	04
2016	13483	10718	1725	02
2017	14738	10363	2559	09

बेटों का दबदबा — 7 घंटे पढ़ विजय ने पाए 96.80% अंक

टॉप 3 जिले विज्ञान

91.27% नागौर प्रथम
90.00% सीकर द्वितीय
89.99% चूरू तृतीय

विज्ञान वर्ग में 5वीं साल जिले को अव्वल बनाने में बेटों की खास भूमिका रही। वर्ष 2015 में 7441 ने परीक्षा दी। कुल परिणाम 94.58% रहा। इस बार के परिणाम में बेटों ने राज्य में 90.11 % के साथ पहला स्थान दिलाया। रसाल के विजय ने रोजाना 7 घंटे पढ़ाई कर 96.80 फीसदी अंक हासिल किए।

टॉप 3 जिले वाणिज्य

97.87% सा.मथेपुर प्रथम
95.74% चूरू द्वितीय
95.15% गंगानगर तृतीय

नागौर का 6वर्षों का विज्ञान वर्ग का परिणाम

वर्ष	प्रतिशत	स्थान
2012-13	88.74	द्वितीय
2013-14	89.47	प्रथम
2014-15	95.04	प्रथम
2015-16	93.77	प्रथम
2016-17	94.10	प्रथम
2017-18	91.27	प्रथम

नागौर का 6वर्षों का वाणिज्य वर्ग का परिणाम

वर्ष	प्रतिशत	स्थान
2012-13	87.37	द्वितीय
2013-14	95.21	तृतीय
2014-15	91.97	द्वितीय
2015-16	93.26	तृतीय
2016-17	92.93	सप्तम
2017-18	90.94	अठारवें

संघर्ष की 2 कहानियां

पिता ने मजदूरी कर उठाया खर्च, बेटे सुरेश ने सरकारी स्कूल में पढ़ हासिल किए 92.60 प्रतिशत अंक

यह कहानी दो मजदूर पिता के बेटों की है। एक के पिता बेटे को आईएएस बनाना चाहते है। लेकिन उनके पास पढ़ाने के लिए उतने पैसे नहीं थे। गरीब पिता की दर्द भरी कहानी सुन शहर के एक निजी स्कूल संचालक ने निशुल्क पढ़ाई का जिम्मा लिया। तो वहीं दूसरे मजदूर के बेटे ने पिता के सपने को पूरा करने सरकारी स्कूल में ही पढ़ाई कर कड़ी मेहनत की। दोनों मजदूर के बेटों की मेहनत बोर्ड द्वारा बुधवार शाम को जारी किए परिणाम में सामने आई। एक ने 92.60 तो दूसरे ने 92.20 प्रतिशत अंक हासिल कर मजदूर पिताओं के सपने को नहीं टूटने दिया।

रोज 10 घंटे पढ़ाई, सोते 12.30 बजे, अंक-92.60%

जायल के राउमावि में अध्ययनरत सुरेश भार्गव के पिता प्रकाश चंद मजदूर है। पिता चाहते है कि बेटा पढ़-लिख बड़ा अफसर बने। इसलिए बेटे सुरेश ने पिता के सपने को सच करने के लिए स्कूल समय के अलावा प्रतिदिन 9 से 10 घंटे पढ़ाई में जुट गए। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण पिता मजदूरी कर उनका स्कूल खर्च उठाते लगे। सुरेश ने विज्ञान वर्ग के परिणाम में 92.60 प्रतिशत अंक हासिल कर सरकारी स्कूल का नाम रोशन करने सहित पिता के सपने में नया रंग भर दिया।

मजदूर पिता के पास नहीं थे बेटे की पढ़ाई के पैसे, स्कूल संचालक ने ले लिया गोद, अब कहा - मैं बनूंगा आईएएस

डीडिया गांव निवासी मजदूर भंवरलाल देवल चाहते हैं कि उनका बेटा कमलेश आईएएस बने। लेकिन उनके पास इतने पैसे नहीं है कि वो बेटे की पढ़ाई का खर्च उठा सके। इसे लेकर शहर के श्री गुरुकुल क्लासेज के निदेशक ताराचंद जांगिड़ ने पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली। पिता के सपने को सकार करने बेटे ने कड़ी मेहनत शुरू कर दी। बुधवार को उनकी मेहनत रंग भी लेकर आई। उन्होंने विज्ञान वर्ग के परिणाम में 92.20 प्रतिशत अंक हासिल किए। पिता बोले- मुझे तो 10वीं में 33 प्रतिशत अंक मिले थे, लेकिन बेटा 12वीं में 92.20 प्रतिशत अंक लाया। मुझे गर्व है बेटे पर, वो जरूर आईएएस बनेगा। कमलेश ने कहा, वह आईएएस बन अपने पिता का सपना पूरा करेगा।

Education News

आरिफ कुरैशी | अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पद की कुर्सी पिछली बार 80 दिन बाद भरी थी, इस कुर्सी को खाली हुए 20 दिन पूरे हो चुके हैं। अब तक सरकार की ओर से इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की गई है। सरकार किसी नए व्यक्ति को चेयरमेन लाएगी या फिर मौजूदा सदस्यों में से ही किसी को अध्यक्ष पद के लिए प्रमोट करेगी इसका भी कोई खुलासा नहीं है। आयोग के अब तक के अंतिम अध्यक्ष के रूप में डॉ. राधेश्याम गर्ग अपनी पारी पूरी कर 1 मई को विदा हो गए हैं। उन्होंने किसी को अपने पद का कार्यभार नहीं सौंपा था और पद त्याग कर चले गए थे। तब से ही अध्यक्ष पद की कुर्सी खाली है। सरकार का ध्यान अब इस कुर्सी को भरने पर कब पड़ता है, यह कहना फिलहाल मुश्किल है।

कुछ सालों से ही गड़बड़ा रही है यह व्यवस्था :

आयोग के वर्ष 2010 से अब तक के कार्यकाल का जायजा लिया जाए तो मालूम होगा कि यह व्यवस्था कुछ सालों से ही गड़बड़ा रही है। फरवरी 2010 से सितंबर 2014 तक ही सही समय पर कुर्सी भरी गई। इसके बाद पहले गेप रहा और फिर समय पर भर गई और बाद में फिर वापस अंतराल आ गया।

आईपीएस कुमावत से गौराण तक सही चला मामला :

आयोग में आईपीएस एमएल कुमावत ने अध्यक्ष के रूप में अपनी पारी की शुरूआत 28 फरवरी 2010 को शुरू की थी। वह इस पद पर 1 जुलाई 2011 तक रहे। तत्कालीन सरकार ने एक दिन की भी देरी नहीं की और उनका कार्यकाल पूरा होने वाले दिन ही आयोग के सदस्य प्रो.बीएम शर्मा को अध्यक्ष बना दिया। शर्मा का कार्यकाल 31 अगस्त 2012 को पूरा हो गया। यहां भी सरकार ने नए अध्यक्ष को लगाने में देरी नहीं की। आयोग के सदस्य हबीब खान गौराण आईपीएस को प्रमोट कर अध्यक्ष का पद संभला दिया।

गौराण के बाद बिगड़ी स्थिति :

आईपीएस गौराण को कांग्रेस सरकार ने अध्यक्ष बनाया था। जब प्रदेश में सरकार बदली तो गौराण को किन्हीं कारणों के चलते इस्तीफा देना पड़ा। गौराण ने 22 सितंबर 2014 को पद से इस्तीफा दे दिया। मौजूदा भाजपा सरकार ने उनके स्थान पर किसी को अध्यक्ष नहीं लगाया। आयोग के ही वरिष्ठ सदस्य डॉ. आर डी सैनी को कार्यवाहक अध्यक्ष का चार्ज संभला दिया।

Education News

आईआईटी ने माना-एडवांस्ड एग्जाम में कुछ केंद्रों पर रही बिजली-नेटवर्किंग की दिक्कत

ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन ने एग्जाम के बाद जारी किया स्टूडेंट्स का फीडबैक

कोटा | आईआईटी कानपुर की ओर से आयोजित जेईई एडवांस्ड के दौरान कुछ केंद्रों पर इलेक्ट्रिसिटी और नेटवर्किंग की प्रॉब्लम आई थी। जेईई एडवांस्ड 2018 के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन ने पोस्ट एग्जामिनेशन स्टूडेंट्स फीडबैक को सार्वजनिक करते हुए यह बात कही है। उन्होंने कहा कि इस एग्जाम को देखते हुए पहले से तैयारी की गई थी। इसके बावजूद जो कमियां रह गई थीं, उस पर गंभीरता से विचार करके एक्शन लिया जाएगा।

कुछ जगहों पर एग्जाम का प्रोटोकॉल किस कारण टूटा है, आईआईटी इसका पता लगा रही है। साल 2019 के जेईई एडवांस्ड से पहले जो भी दिक्कत आई है, उसको दूर कर लिया जाएगा। जेईई एडवांस्ड होने के तुरंत बाद पहली बार इस प्रकार का फीडबैक आईआईटी की ओर से जारी किया गया है।

पहली बार इतना बड़ा एग्जाम दो शिफ्ट में : आईआईटी की ओर से रिलीज सूचना के अनुसार पहली बार ही ऐसा हुआ है कि एक ही दिन में दो पारियों में ऑनलाइन मोड में कोई एग्जाम हुआ है। कुछ जगह ही दिक्कत का सामना करना पड़ा है।

ये फीचर्स पसंद आए स्टूडेंट्स को

फीडबैक में स्टूडेंट्स ने बताया है कि कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम के काफी फीचर्स उनको पसंद आए हैं। 20 मिनट पहले ही निर्देशों की हार्ड कॉपी स्टूडेंट्स को देना, सवालों को हिंदी व अंग्रेजी माध्यम में देखना, मॉक टेस्ट पेपर पहले जारी कर देना, आंसर को रिव्यू करने का सिस्टम सहित अन्य फीचर्स काफी पसंद किए गए हैं। इस फीडबैक के आधार पर यह भी तय माना जा रहा है कि अगले साल भी जेईई एडवांस्ड पूरी तरह से ऑनलाइन मोड पर ही होगा।

Education News

374 पदोन्नत सैकंड ग्रेड टीचर्स को पोस्टिंग की तैयारी

शिक्षा विभाग। विषयवार काउंसलिंग कल से विशेष श्रेणी को मिलेगी प्राथमिकता

बीकानेर | माध्यमिक शिक्षा विभाग में वर्ष 2018-19 की डीपीसी में थर्ड ग्रेड से सैकंड ग्रेड पदों पर पदोन्नत हुए शिक्षकों को पोस्टिंग के लिए मंडल स्तर पर काउंसलिंग की तिथि निर्धारित कर दी गई है।

मंडल स्तर पर डीपीसी में प्रमोट हुए 374 सैकंड ग्रेड टीचर्स को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया है। मंडल उपनिदेशक महावीर सिंह पूनिया ने बताया कि विषयवार चयनित शिक्षकों की काउंसलिंग 24-25 मई को मंडल कार्यालय में दो पारियों में होगी। प्रथम पारी में सुबह 8 से 9.30 बजे तक रजिस्ट्रेशन होगा उसके बाद काउंसलिंग तथा द्वितीय पारी में दोपहर 1 से 2.30 तक रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। काउंसलिंग के दौरान विशेष श्रेणी में शामिल शिक्षकों को पदस्थापन में प्राथमिकता दी जाएगी। वरीयता का लाभ लेने के लिए चयनित शिक्षको को आवश्यक प्रमाण-पत्र साथ लाने होंगे। उन्होंने बताया कि मंडल की ओर से चयन सूचियों का प्रकाशन कर संबंधित डीईओ को भेजे दी गई है।

काउंसलिंग का टाइम टेबल

- 24 मई- हिंदी (प्रथम पारी), अंग्रेजी, उर्दू, विज्ञान, विशेष शिक्षा (द्वितीय पारी)।
- 25 मई- गणित, सामाजिक विज्ञान, शारीरिक शिक्षक (प्रथम पारी), संस्कृत, पंजाबी, हैड टीचर (द्वितीय पारी)

पदोन्नत सैकंड ग्रेड शिक्षकों के पदस्थापन के लिए काउंसलिंग का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। 24 -25 मई को काउंसलिंग के जरिए प्रमोट शिक्षकों को पोस्टिंग दी जाएगी।

महावीर सिंह पूनिया, उपनिदेशक, बीकानेर मंडल माध्यमिक

ये दस्तावेज जरूर लाए

- विशेष श्रेणी में होने का प्रमाण-पत्र
- विधवा-परित्यक्ता महिला शिक्षिका को पुनर्विवाह नहीं करने का शपथ पत्र
- स्नातक व बीएड की मूल अंक तालिका
- संतान संबंधी घोषणा के शपथ पत्र की छाया प्रति
- स्वयं का फोटो युक्त मूल आईडी और छाया प्रति
- मूल जाति प्रमाण पत्र व छाया प्रति

Education News

जय विज्ञान : प्रदेश में 31वें से 10वें नंबर पर पहुंचा हमारा जिला, वाणिज्य में 7वां

भास्कर न्यूज | सिरोही

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को विज्ञान और वाणिज्य संकास का परीक्षा परिणाम जारी किया। छात्रों में जोरदार उत्साह रहा। लेकिन, इस बात की मायूसी रही कि पिछले साल की तरह इस बार भी बोर्ड ने मेरिट जारी नहीं की। विभिन्न स्कूलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार विज्ञान संकाय में राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल नवीन भवन सिरोही के छात्र प्रवीण कुमार ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

आपकी प्रतिभा हमें बताए • बोर्ड ने इस बार भी मेरिट सूची जारी नहीं की है। ऐसे में दैनिक भास्कर ने प्रयास किया है कि 90 प्रतिशत या इससे ऊपर सभी छात्र-छात्राओं की जानकारी फोटो समेत प्रकाशित की जाए। यदि आपने भी बोर्ड परीक्षा में ऐसे अंक प्राप्त किए हैं तो अपना परिणाम व फोटो हमें वॉट्स अप करें। **वॉट्स अप नंबर 9672988898, 9950738799**

वाणिज्य संकाय

प्रदेश में हमारा 7वां स्थान

- वाणिज्य संकाय में हमारा परीक्षा परिणाम शानदार रहा। पूरे प्रदेश में हमारे जिले का 7 वां स्थान रहा। पिछले वर्ष था 11 वां स्थान
- एक प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की तुलना में। पिछले साल 91.51 प्रतिशत रहा था हमारा परिणाम।
- 744 छात्र-छात्राओं ने कॉमर्स की परीक्षा दी। इनमें से 321 परीक्षार्थियों का फर्स्ट डिविजन, 373 सैकंड डिविजन और 50 का थर्ड डिविजन बना।
- 92.77 प्रतिशत रहा जिले का कुल परिणाम। जबकि, प्रदेश का 97.87 प्रतिशत रहा।

विज्ञान संकाय

प्रदेश में हमारा 13वां स्थान

- विज्ञान संकाय में हमारा परिणाम अच्छा रहा है। पूरे प्रदेश में हमारे जिले का 13वां स्थान रहा है।
- चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की तुलना में। पिछले साल 83.86 प्रतिशत रहा था हमारा परिणाम।
- 1156 छात्र-छात्राओं ने साइंस की परीक्षा दी। इनमें 791 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी, 351 द्वितीय श्रेणी और 2 तृतीय श्रेणी और 12 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।
- 87.05 प्रतिशत जिले का कुल परिणाम रहा। जबकि, प्रदेश का 91.27 प्रतिशत रहा।

विज्ञान संकाय

निलेश कुमार
94.60%
स्कूल : राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, पिंडवाड़ा

प्रवीण कुमार
94.0%
स्कूलः राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल नवीन भवन, सिरोही

रिंकू रावल
93.40%
स्कूल : राजकीय उमा स्कूल नवीन भवन, सिरोही

रुचिका रावल
92.60%
स्कूल : राजकीस उमा स्कूल नवीन भवन, सिरोही

तरुण कुमार
92.60%
स्कूल : राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, पिंडवाड़ा

भाविन प्रजापत
92.0 %
स्कूल : राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, पिंडवाड़ा

आकाश सैनी
91.80%
स्कूल : आदर्श विद्या मंदिर सिरोही

भरत कुमार
91.60%
स्कूल : राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, पिंडवाड़ा

रोहित कुमार
91.40%
स्कूल : राजकीय उमा स्कूल नवीन भवन, सिरोही

मानव कुमार
91.20%
स्कूल : राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, पिंडवाड़ा

वाणिज्य संकाय :
92.77 प्रतिशत रहा जिले का कुल परिणाम, जबकि, प्रदेश का 97.87 प्रतिशत रहा

गौतम अग्रवाल
90.80%
स्कूल : आनंद बाल विद्या मंदिर, शिवगंज

Education Times

शिविर में गुरुजी सीख रहे नवाचार

भास्कर संवाददाता | डूंगरपुर

ग्रीष्मकालीन शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में रोजाना नवाचारों का पाठ पढ़ाया जा रहा है। पढ़ाने की सरल विधियों को समझने में शिक्षक भी रूचि दिखा रहे है।

डाइट में चल रहे छह दिवसीय प्रशिक्षण में बुधवार को शिक्षकों को दक्ष प्रशिक्षकों ने मॉड्यूल के अनुसार विभिन्न गतिविधियों का संचालित की। शिविर में हिन्दी, पर्यावरण, अंग्रेजी, गणित विषय में एसआई और क्यूई विधियों के अनुसार आधार रेखा मूल्यांकन, पाठ योजना, चेक लिस्ट, योगात्मक मूल्यांकन पर चर्चा, परिचर्चा हुई। विविध गतिविधियों, गीत, समूह कार्य सीखाए गए। एबीईईओ ऋषिन चौबीसा ने बताया कि अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक गोवर्धनलाल यादव ने शिविर का अवलोकन किया। वे खुद भी प्रशिक्षण में शामिल हुए और सीखे जा रहे नवाचारों की संभागियों से जानकारी ली। साथ ही शिविर में भोजन कर गुणवत्ता जांची। एबीईईओ ऋषिन चौबीसा ने आवासीय शिविर के जरूरत के बारे में बताया। शिविर प्रभारी संतोष शर्मा ने बताया कि 108 संभागी प्रशिक्षण ले रहे है। बुधवार को सभी उपस्थित रहे। समूह प्रभारी ओमप्रकाश चौबीसा, राजेंद्रसिंह राव, सुरेश गोठलकर, राजेश चौबीसा ने सहयोग किया।

Education News

विज्ञान में 78.65, कॉमर्स में 92.41 % रिजल्ट

भास्कर संवाददाता | डूंगरपुर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं विज्ञान वर्ग का परीक्षा परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया। इस बार का परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में 6.92 प्रतिशत कम रहा है। पिछले वर्ष परिणाम 85.57 प्रतिशत और इस बार 78.65 प्रतिशत रहा।

पिछली बार 30वें पायदान पर था तो इस बार 32 वें पायदान पर रहा है। कॉमर्स में इस बार का परीक्षा परिणाम 92.41 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वर्ष का परिणाम 89.56 प्रतिशत रहा था। खास बात यह रही है कि कॉमर्स का परिणाम 2015 में ही गिरा था और इसके बाद लगातार बढ़ता रहा है।

पड़ोसी जिले बांसवाड़ा में विज्ञान का परिणाम 78.71 प्रतिशत व कॉमर्स का 85.37 फीसदी रहा। पिछले साल की तुलना में दोनों विषयों के परिणाम में गिरावट दर्ज की गई। विज्ञान में 11.67 फीसदी जबकि कामर्स में 5.83 फीसदी रिजल्ट कम रहा।

विज्ञान में छात्राओं का परिणाम 81.49 फीसदी और छात्रों का परिणाम 77.11 फीसदी रहा। वहीं कॉमर्स में छात्राओं का परिणाम 96.84 और छात्रों का परिणाम 81.39 प्रतिशत रहा है। हालांकि विज्ञान में छात्राएं पिछले साल की तुलना में 12.48 फीसदी कम पास हुई है। कॉमर्स में छात्राओं का परिणाम पिछले साल की तुलना में 2.97 फीसदी परिणाम अधिक रहा है। इस बार दोनों ही विषयों का परिणाम शिक्षकों और विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े करने वाला रहा है।

पढ़ें पेज 18

Education News

बारहवीं विज्ञान-वाणिज्य का परिणाम घोषित | विज्ञान में 75.65 प्रतिशत : पिछले साल से 12.8 प्र. घटा, वाणिज्य में 9.38 प्रतिशत घटकर 81.87 प्रतिशत रहा

दोनों विषयों में 32वें पायदान पर पहुंचा हमारा जिला, पिछले साल विज्ञान में 19वें और वाणिज्य में 14वें स्थान पर रहा था

भास्कर न्यूज | प्रतापगढ़

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार शाम 6.15 बजे बारहवीं विज्ञान और वाणिज्य वर्ग का परिणाम घोषित कर दिया। विज्ञान में इस बार जिले का परिणाम 75.65 प्रतिशत और वाणिज्य में 81.87 प्रतिशत परिणाम रहा है। दोनों ही विषयों में प्रतापगढ़ जिला 32वें नंबर पर रहा है। जो पिछले साल से काफी कम है। इस बार विज्ञान का प्रतिशत 12.08 और वाणिज्य में 9.38 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले साल विज्ञान में 87.73 प्रतिशत और वाणिज्य संकाय में 91.25 प्रतिशत रहा था। जिले में परीक्षा परिणाम में काफी गिरावट आई है। इसका कारण स्कूलों में अध्यापकों की कमी को बताया जा रहा है।

बोर्ड परीक्षा परिणाम में इस बार भी राज्य या जिला स्तर की मेरिट लिस्ट जारी नहीं की है। पिछले साल की तरह इस साल भी बोर्ड ने टॉप श्री विद्यार्थियों के नाम घोषित नहीं करने का निर्णय लिया है। परीक्षा परिणाम जारी होते ही जिले के विद्यार्थी सायबर कैफे या मोबाइल पर अपना परिणाम जानने में जुट गए। हालांकि साइट काफी धीमी गति से चलने के कारण विद्यार्थियों को काफी परेशानी आई। रात तक विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम जानने के लिए उत्सुक दिखे।

Education News

जानिये किस श्रेणी में कितने पास

श्रेणी	विज्ञान	वाणिज्य
कुल विद्यार्थी	1191	352
प्रथम श्रेणी	546	160
द्वितीय श्रेणी	352	112
तृतीय श्रेणी	1	17
कुल पास	901	287
प्रतिशत	75.65	81.87

परिणाम में इतनी गिरावट से पढ़ाई पर प्रश्नचिह्न

साल 2017 में 12वीं विज्ञान वर्ग का परिणाम 87.73 प्रतिशत पर रहकर प्रतापगढ़ जिला 19वें नंबर पर रहा था। वाणिज्य वर्ग का परीक्षा परिणाम 91.25 प्रतिशत रहकर प्रतापगढ़ जिले का स्थान 14वें पायदान पर रहा था। 12 वीं वाणिज्य में पिछले साल 320 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 131 प्रथम, 146 द्वितीय और 15 तृतीय श्रेणी से पास हुए थे। कुल 292 विद्यार्थी पास हुए थे। 28 विद्यार्थी फेल हुए थे। कुल परीक्षा परिणाम 91.25 प्रतिशत रहा था। 12वीं विज्ञान विषय में 1035 विद्यार्थियों में से 649 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में, 258 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में, 1 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में पास हुआ था। कुल 908 विद्यार्थी पास हुए। 127 विद्यार्थी फेल हुए। कुल परिणाम 87.73 प्रतिशत रहा था।

आवासीय शिविरों से रात को गायब रहने वाले शिक्षकों की रिपोर्ट मांगी

बांसवाड़ा| ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविरों से शिक्षकों के रात के समय गायब रहने का मामला गरमा गया है। जिला परियोजना समन्वयक ने विकास खंड बांसवाड़ा, तलवाड़ा और घाटोल के बीईईओ से इस बारे में जवाब मांगा है। गौरतलब है कि दैनिक भास्कर ने बुधवार को आवासीय शिविरों में शिक्षकों की मनमर्जी को उजागर करते हुए नियमः आवसीय शिविर में रात को

नियम : आवासीय शिविर में रात को शिक्षक को रहना जरूरी
हकीकत : तीन शिविरों में 392 में से केवल सात ही मौजूद मिले

23 मई को प्रकाशित

शिक्षक को रहना जरूरी, हकीकतः तीन शिविरों में 392 में से केवल सात ही मौजूद मिले शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था।

Education News

12वीं बोर्ड; विज्ञान : 78.71 % 95 में से 30 स्कूलों के सभी बच्चे पास, वाणिज्य : 85.37 % 23 स्कूलों में सिमटी

विज्ञान: 11.67 % रिजल्ट घटा, 12 से 29वें स्थान पर पहुंचे हम

कॉमर्स: 5 साल में 34% बच्चे कम, रिजल्ट भी 5.83 फीसदी गिरा

भास्कर संवाददाता | बांसवाड़ा

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान ने बुधवार शाम को 12वीं साइंस और कॉमर्स संकाय के परिणाम घोषित कर दिए। विज्ञान का परिणाम 78.71 प्रतिशत व कॉमर्स का 85.37 फीसदी रहा। पिछले साल की तुलना में दोनों विषयों के परिणाम में गिरावट दर्ज की गई। विज्ञान में 11.67 फीसदी जबकि कामर्स में 5.83 फीसदी रिजल्ट कम रहा। विज्ञान में 4340 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें 3416 परीक्षार्थी पास हुए। इसी प्रकार कॉमर्स में 369 परीक्षार्थियों में से 315 पास हुए। इस बार भी दोनों विषयों में लड़कियां का सफलता प्रतिशत ज्यादा रहा। विज्ञान में छात्राओं का परिणाम 81.49 फीसदी और छात्रों का परिणाम 77.11 फीसदी रहा। वहीं कॉमर्स में छात्राओं का परिणाम 96.84 और छात्रों का परिणाम 81.39 प्रतिशत रहा है। 5 साल में कॉमर्स में 577 से घटकर 381 बच्चे रह गए। जबकि साइंस में 1664 से बढ़कर 4404 पहुंच गए। हालांकि विज्ञान में छात्राएं पिछले साल की तुलना में 12.48 फीसदी कम पास हुई है। कॉमर्स में छात्राओं का परिणाम पिछले साल की तुलना में 2.97 फीसदी अधिक रहा है। दोनों ही विषयों में जिला इस बार प्रदेश में 29वें पायदान पर रहा। जबकि पिछले साल विज्ञान में बांसवाड़ा 12वें व कॉमर्स में 16वें स्थान पर था।

विज्ञान

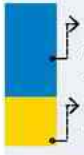

4340 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी

3416 विद्यार्थी पास हुए

पास प्रतिशत : 78.71%

लड़के

2757 ने परीक्षा दी

2126 पास हो पाए

पास प्रतिशत : 77.11%

लड़कियां

1583 ने परीक्षा दी

1290 पास हुई परिक्षा में

पास प्रतिशत : 81.49%

4 सालों की स्थिति

2013-14	69.17%
2014-15	74.22%
2015-16	89.40%
2016-17	90.38%

पांच साल में कॉमर्स में 577 से घटकर 381 रह गए स्टूडेंट, साइंस में 1664 से बढ़कर 4404 पहुंचे

खुशी की आतिशबाजी

विज्ञान में 52 फीसदी व कॉमर्स में 33 फीसदी प्रथम

पिछले कुछ सालों से परीक्षा परिणाम और विद्यार्थियों के परीक्षा देने की संख्या पर गौर करें तो बांसवाड़ा जिले में बच्चों का कॉमर्स विषय के प्रति रुझान लगातार कम हो रहा है। इसके उल्ट 10वीं पास करने के बाद अधिकांश विद्यार्थियों ने विज्ञान के विषयों में अपनी रुचि बढ़ाई है। जिस कारण परीक्षार्थियों की संख्या में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। रिजल्ट में विज्ञान में 52 फीसदी और कॉमर्स में 33 फीसदी प्रथम रहे हैं।

लड़कों से हमेशा आगे रही लड़कियां

कॉमर्स विषय में प्रवेशित छात्राओं की संख्या छात्रों के मुकाबले काफी कम हो रही है। फिर भी ऑवरऑल परिणाम बेहतर देने के मामले में छात्राएं हमेशा से आगे रही है। पिछले साल जारी विज्ञान के परिणाम में छात्राओं का प्रतिशत 91.63 फीसदी रहा वहीं छात्र 89.67 फीसदी ही सफल हो सके। कॉमर्स में भी दोनों का परिणाम क्रमशः 93.97 और 90.10 फीसदी रहा। पिछले साल भी विज्ञान में 91.63 व कॉमर्स में 93.97 फीसदी छात्राएं पास हुई थी जबकि छात्रों का सफलता प्रतिशत क्रमशः 89.67 व 90.10 प्रतिशत रहा था।

105 प्रथम श्रेणी से पास हुए कॉमर्स में

विज्ञान- खेरवा सीनियर स्कूल में 20 बच्चे, एक भी पास नहीं हो पाया

विज्ञान में 30 स्कूलों का परिणाम 100 फीसदी रहा। वहीं दूसरी ओर 6 स्कूल ऐसे भी हैं, जहां परिणाम 30 फीसदी से कम रहा। इसमें भी राऊमावि खेरवा का परिणाम तो शून्य फीसदी रहा। जहां 20 बच्चों ने परीक्षा दी जो सभी फेल हो गए। इसके अलावा गांगडतलाई के सरस्वती विनि का परिणाम भी 9.9 फीसदी रहा। श्रीराम विद्यानिकेतन मोहकमपुरा का 11.76 परिणाम रहा है।

1784 बच्चे विज्ञान वर्ग में प्रथम श्रेणी से पास हुए

कॉमर्स- 10 स्कूलों ने दिया 100 फीसदी परिणाम, 4 निजी स्कूल

कॉमर्स में करीब 10 स्कूलों ने 100 फीसदी परिणाम रहा। निचला घंटाला, आवापुरा, तैयविहा अंग्रेजी माध्यम स्कूल, राजकीय स्कूल परतापुर, बागीदौरा, कुशलगढ़, भारद्वाज पब्लिक स्कूल घाटोल, नासा एकेडमी, लोहारिया, सरस्वती स्कूल उदाजी का गढ़ा ने 100 फीसदी परिणाम दिए। बड़ोदिया का परिणाम 35 फीसदी रहा।

35 फीसदी रिजल्ट ही रहा बड़ोदिया स्कूल में

मीनल सुथार

93.60 % साइंस

सरस्वती विद्या मंदिर, घाटोल

धर्मिका डामोर

93.20 % साइंस

राऊमावि बागीदौरा

तेजल जैन

92.40 % साइंस

राऊमावि बागीदौरा

डाक लेने और देने में ही समय निकल गया : पंड्या

परिणाम समीक्षा

पूर्व डीईओ पुष्पेंद्र पंड्या ने बताया कि शिक्षकों को शिक्षण से दूर अन्य कामों में अधिक व्यस्त रखा जा रहा है। रोजाना सूचना देने के लिए शिक्षक संसाधनों की कमी के कारण दूसरे कंप्यूटर सेंटर पर ही समय बिताते हैं। विभाग की ऑब्जर्वेशन टीम शिक्षा की गुणवत्ता को नहीं परख रही और सूचनाएं ही एकत्रित करती हैं। यहीं कारण है कि परिणामों में गिरावट आती है। दूसरा कारण यह भी है कि बच्चों की साइंस और कॉमर्स विषय में रुचि कम है। जिन्हें यह कठिन लगता है। 10वीं पास होने के बाद दूसरे दोस्तों को देख अधिकांश बच्चे यह विषय चयन कर रहे हैं।

वाणिज्य

369 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी

315 विद्यार्थी पास हुए

पास प्रतिशत : 85.37%

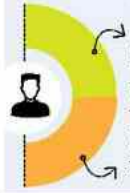

लड़के

274 ने परीक्षा दी

223 पास हो पाए

पास प्रतिशत : 81.39%

लड़कियां

95 वे परीक्षा में सम्मलित हुई

92 पास हुई परिक्षा में

पास प्रतिशत : 96.84%

4 सालों की स्थिति

2013-14	86.14%
2014-15	84.81%
2015-16	72.48%
2016-17	91.20%

जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के विभिन्न कोर्सेज में दाखिले के लिए आवेदन 25 तक

ऑनलाइन फार्म वेबसाइट पर उपलब्ध

जयपुर | जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के विभिन्न कोर्सेज में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई 2018 हैं व ऑनलाइन फार्म वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। विगत पांच वर्षों से निरंतर 1000 से भी अधिक बच्चों का देशी विदेशी कम्पनियों मे हर वर्ष प्लेसमेंट हो रहा हैं।

यूनिवर्सिटी के वाइस चेयरमैन अमित अग्रवाल ने बताया कि इस बार के एडमिशन ट्रेण्ड में भी पिछले साल की तरह एक बड़ा बदलाव दिखता है। इंजीनियरिंग के साथ ही स्टूडेंट्स लॉ,एग्रीकल्चर,होटल मैनेजमेंट, मैनेजमेंट,के साथ जर्नलिज्म व डिजाइन के कोर्सेज को भी प्रमुखता से जान रहे हैं और आसपास के राज्यों में चल रहे कोर्सेज से कंपेयर भी कर रहे हैं। हाल ही में जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के बेस्ट यूनिवर्सिटीज की लिस्ट में मिली 26वीं रैंक भी छात्रों को निर्णय लेने में मददगार साबित हो रही हैं।यूनिवर्सिटी से गत वर्षों में तकरीबन 50 से अधिक स्टूडेंट्स को इंटरनेशनल इंटर्नशिप्स का मौका मिला है जिसे स्टूडेंट्स ने अपने करियर के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण कदम माना हैं। स्टूडेंट्स को यू एस ए, जर्मनी, यूरोप, अफ्रीका व मिडिल ईस्ट एशिया के कई देशों में इंटर्नशिप का अवसर मिला हैं।आज के स्टूडेंट्स सिर्फ प्लेसमेंट को अपनी शिक्षा का उद्देश्य ना मानते हुए ट्रेनिंग ओरियंटेड कोर्सेज को सर्वांगिण विकास के महत्वपूर्ण मानते हैं। जिसमें इंटर्नशिप, वॉलिंटियरिंग, पार्टिसिपेशन व कॉम्पीटिशन मुख्य हैं।विगत पांच वर्षों से निरंतर 1000 से भी अधिक बच्चों का देशी विदेशी कम्पनियों मे हर वर्ष प्लेसमेंट हो रहा हैं।

Education News

Cut&Keep

Education भास्कर

एडमिशन अलर्ट

बीआईटी, मेसरा

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा में बायोटेक्नोलॉजी के एमटेक कोर्स में प्रवेश के लिए 25 मई, 2018 तक आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को एडमिशन गेट के वैलिड स्कोर, रिटन टेस्ट और पर्सनल इंटरव्यू के आधार पर मिलेगा।

एलिजिबिलिटी : 55 फीसदी अंकों के साथ संबंधित स्ट्रीम से बीई, बीटेक या एमएससी करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं। एससी, एसटी छात्रों के लिए 50 फीसदी अंक जरूरी।

फीस : एमटेक कोर्स की पहले सेमेस्टर की एकेडमिक फीस करीब 92 हजार 500 रुपए है। छात्रों को एडमिशन के समय 25 हजार रुपए अलग से देने होंगे।

बैकग्राउंडर : संस्थान की स्थापना 1955 में हुई थी।

एनएसआईटी, दिल्ली

नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली में इंफॉर्मेशन सिस्टम के एमटेक कोर्स में प्रवेश के लिए 28 मई, 2018 तक आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को गेट के वैलिड स्कोर के आधार पर पर्सनल इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

एलिजिबिलिटी : कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी या अन्य संबंधित स्ट्रीम से बीई, बीटेक या एमएससी करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं।

फीस : कोर्स की सालाना फीस 1 लाख 25 हजार रुपए है।

आईआईआईटी, भुवनेश्वर

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, भवुनेश्वर में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के बीटेक कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को एडमिशन जेईई मेन के वैलिड स्कोर के आधार पर मिलेगा।

एलिजिबिलिटी : 50 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स विषियों से बारहवीं की परीक्षा पास करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं।

फीस : बीटेक कोर्स की पहले सेमेस्टर की ट्यूशन फीस करीब 73 हजार रुपए है।

एनआईसीएमएआर, दिल्ली

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट एंड रिसर्च, दिल्ली में एडवांस्ड कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट के पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिए 14 जून, 2018 तक आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को कैट, जैट, मैट, सीमैट, एटीएमए, जीमैट या संस्थान द्वारा आयोजित एंट्रेंस टेस्ट के वैलिड स्कोर के आधार पर ग्रुप डिस्कशन और इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

एलिजिबिलिटी : 50 फीसदी अंकों के साथ किसी भी इंजीनियरिंग या आर्किटेक्चर से बैचलर डिग्री करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं। फाइनल ईयर की परीक्षा देने वाले छात्र भी आवेदन के योग्य हैं।

फीस : एडवांस्ड कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट के पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स की कुल फीस करीब 12 लाख रुपए है। इसमें लॉजिंग और फूडिंग का खर्च शामिल नहीं है।

आईसीआई, नोएडा

इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट, नोएडा के बीबीए कोर्स में प्रवेश के लिए 15 जून, 2018 तक आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को एडमिशन संस्थान द्वारा आयोजित एंट्रेंस टेस्ट के वैलिड स्कोर के आधार पर मिलेगा। एंट्रेंस टेस्ट 1 जुलाई, 2018 को आयोजित होगा।

एलिजिबिलिटी : 50 फीसदी अंकों के साथ किसी भी स्ट्रीम से बैचलर डिग्री करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं। एससी, एसटी छात्रों के लिए 45 फीसदी अंक जरूरी।

फीस : कोर्स की पहले सेमेस्टर की फीस करीब 80 हजार 500 रुपए है।

एनआईएसएम, मुंबई

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज़ मार्केट्स, मुंबई में फाइनेंशियल इंजीनियरिंग एंड रिस्क मैनेजमेंट के पार्ट टाइम पीजी डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिए 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन एकेडमिक परफॉर्मेंस और इंटरव्यू के आधार पर मिलेगा।

एलिजिबिलिटी : 50 फीसदी अंकों के साथ किसी भी स्ट्रीम से बैचलर डिग्री करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं। 12वीं में मैथ्स भी एक विषय रहा हो।

फीस : फाइनेंशियल इंजीनियरिंग एंड रिस्क मैनेजमेंट के पार्ट टाइम पीजी डिप्लोमा कोर्स की फीस 1 लाख 65 हजार रुपए है।

इंटर्नशिप

एप डेवलपमेंट

कंपनी - आईआईटी बॉम्बे
कहां - पुणे, ठाणे, मुंबई
स्टाइपेंड - रु 5,000-10,000 रुपए प्रति माह
एप्लीकेशन लिंक - internshala.com/i/11562
आवेदन की अंतिम तिथि - 1 जून, 2018

ऑपरेशंस

कंपनी - स्टैंड यू डाटा इंफो लैब्स
कहां - जयपुर
स्टाइपेंड - रु 5,000 रु प्रति माह
एप्लीकेशन लिंक - internshala.com/i/11553
आवेदन की अंतिम तिथि - 2 जून, 2018

वेब डेवलपमेंट

कंपनी - गोवा प्रेसीडेंसीज
कहां - वर्क फ्रॉम होम
स्टाइपेंड - रु 3,000-5,000 रुपए प्रति माह
एप्लीकेशन लिंक - internshala.com/i/11570
आवेदन की अंतिम तिथि - 5 जून, 2018

मार्केटिंग

कंपनी - ज़ूमकार इंडिया
कहां - जयपुर
स्टाइपेंड - रु 3,000 रुपए प्रति सप्ताह
एप्लीकेशन लिंक - internshala.com/i/11552
आवेदन की अंतिम तिथि - 1 जून, 2018

बिज़नेस डेवलपमेंट

कंपनी - मिंटमंच
कहां - वर्क फ्रॉम होम
स्टाइपेंड - रु 2,000 रुपए प्रति माह
एप्लीकेशन लिंक - internshala.com/i/11567
आवेदन की अंतिम तिथि - 1 जून, 2018

ग्राफिक डिज़ाइन

कंपनी - हेल्थकल्ट
कहां - वर्क फ्रॉम होम
स्टाइपेंड - रु 1,000 रुपए प्रति माह
एप्लीकेशन लिंक - internshala.com/i/11566
आवेदन की अंतिम तिथि - 1 जून, 2018

सवाल और सुझाव के लिए एसएमएस कीजिए... **9200012345** पर या ई-मेल कीजिए education@dbcorp.in

Cut&Keep

EducationNews

बीकॉम थर्ड इयर का परिणाम घोषित

बीकानेर | महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय ने बुधवार को बीकॉम थर्ड इयर परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ.जे.एस.खीचड़ ने बताया कि बीकॉम अंतिम वर्ष की परीक्षा में कुल 5669 परीक्षार्थी शामिल हुए। जिनमें से 4062 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए है। परीक्षा परिणाम 71.56 प्रतिशत रहा है। उन्होंने कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

Education News